बालाघाट
रविवार 22 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 13 विक्रम संवत 2083
वर्ष 17, अंक 60
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 82,532.19
निफ्टी - 25,387.40
सोना - 1,40,912
चांदी - 1,85,000
डॉलर - 93.46

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

होटल से 3 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की फॉरेन सेल और स्पेशल स्टाफ की संयुक्त टीम ने वीजा नियमों को तोड़कर भारत में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। पुलिस ने ये गिरफ्तारी पहाड़गंज के शाराकोठी स्थित होटल सुदर्शन पैलेस में चलाए गए एक विशेष सत्यापन अभियान के दौरान की। पुलिस के मुताबिक , पकड़े गए आरोपियों की पहचान साला उद्दीन (53), शौकत अली (40) और कमरूल हसन (25) के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि तीनों नागरिक बीते 6 अक्टूबर को डकट एंट्री वीजा पर भारत आए थे। इनके वीजा की वैधता केवल 15 दिनों की थी, लेकिन तय समय खत्म होने के बावजूद तीनों अवैध रूप से दिल्ली में रुके हुए थे।

देश में उल्लू जैसे एप बंद, लेकिन पॉर्न का कारोबार जारी

नई दिल्ली। भारत सरकार द्वारा उल्लू जैसे 50 अश्लील ओटीटी प्लेटफॉर्म बंद करने के दावों के बावजूद, देश में पोर्नोग्राफिक फिल्मों का अवैध कारोबार धड़ल्ले से जारी है। रिपोर्ट में सामने आया है कि इस उद्योग से जुड़े लोग नेपाल में शूटिंग करवाकर और दुबई व कनाडा से कंटेंट अपलोड करके करोड़ों की कमाई कर रहे हैं। यहां तक कि एक एपिसोड से 24 घंटे में 60 लाख रुपये तक की कमाई डॉलर में हो रही है। केंद्र सरकार ने 22 जुलाई को लोकसभा में इन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई की जानकारी दी थी, लेकिन असलियत में ये प्लेटफॉर्म नए नामों और तरीकों से अब भी सक्रिय हैं। एक रिपोर्ट में पता चला कि बंद किए गए प्लेटफॉर्म्स के विज्ञापन अब भी सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से चल रहे हैं। अश्लील फिल्मों के निर्माता ने बताया कि अल्पविक यौन सामग्री दिखाने की होड़ में हॉटशॉट्स, उल्लू जैसे एप प्रतिबंधित हुए थे। अब कंटेंट नियम बदल गए हैं, 20 मिनट की कहानी में सिर्फ 4-6 मिनट ही बोल्ड सीन हो सकते हैं। इस सख्ती के कारण अब फिल्मों की शूटिंग मुंबई के बाहर या छिप-छिपाकर हो रही है। अभिनेत्री ने पुष्टि की कि मुंबई में पुलिस की लगातार छापेमारी के बाद शूटिंग लगभग ठप है। अब कई लोग पुराने, बंद हो चुके एप से कंटेंट खरीदकर अपने नए प्लेटफॉर्म पर डाल रहे हैं, ताकि जोखिम कम हो।

इस अवैध कारोबार को संचालित करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क सक्रिय है। दुबई में बैठे धर्म नामक ऑपरेटर ने बताया कि सेमी-पोर्न कंटेंट के लिए उनकी बड़ी तकनीकी टीम दुबई में है। शूटिंग नेपाल में करवाई जाती है, एडिटिंग दुबई में होती है और कंटेंट कनाडा से अपलोड किया जाता है। भारत में सोशल मीडिया के जरिए प्रमोशन करके दर्शकों को सीधे इन ऐप्स तक पहुंचाया जाता है।

कुछ ना कहना



चक्रवात अकवान से 4 राज्यों में बारिश; माउंट आबू में तापमान जीरो डिग्री, कई राज्यों में घना कोहरा

उमरिया में दलदल बना हाईवे...7 घंटे जाम

नई दिल्ली/भोपाल। देश के कई राज्यों में अब ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा है। यूपी के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट है। प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में घना कोहरा छाया। राजस्थान में भी सर्दी बढ़ रही है। माउंट आबू में शनिवार को तापमान जीरो डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इस कारण ठिठुरन बढ़ गई है। सीकर में पारा 6.5 और जयपुर में 13.3 डिग्री रहा। चक्रवात अकवान के असर से बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बारिश हो रही है। उधर दिल्ली में शनिवार सुबह हवा की गुणवत्ता यानी एक्यूआई 369 रिकॉर्ड की गई। यह गंभीर कैटेगरी में आती है। वहीं मध्य प्रदेश में चक्रवाती तूफान अकवान और पहाड़ों पर बर्फबारी का असर दिखने लगा है। उमरिया में शुक्रवार रात हुई बारिश के बाद नेशनल हाईवे-43 (मोर्चा फाटक के पास)



दलदल में बदल गया। इससे हाईवे के दोनों ओर करीब 3-3 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। शनिवार सुबह मंडला, सिंगरौली और डिंडौरी में बारिश हुई। मौसम विभाग ने पूर्वी मध्य प्रदेश के 7 जिलों में हल्की बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में ठंड भी बढ़ गई है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिरा है। शाजापुर के गिरवर में सबसे कम 7.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। भोपाल 9 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ प्रदेश का दूसरा सबसे

पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ी ठंड

कश्मीर और उत्तराखंड के कई इलाकों में बर्फबारी हो रही है। वहां से आने वाली ठंडी हवाओं का असर मध्य प्रदेश के भी दिखाई दे रहा है। भोपाल, शाजापुर और रायसेन में शीतलहर चली। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान अकवान के असर से गुरुवार से प्रदेश का मौसम बदला हुआ है। शहडोल संभाग के कुछ जिलों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई। शनिवार और रविवार को पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और आंधी की संभावना है। हालांकि, तूफान कमजोर पड़ने के कारण प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। मौसम साफ होने के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट और ठंड बढ़ने के आसार हैं।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला : 14 आरोपियों पर आरोप तय

तीन एनटीए एक्सपर्ट भी आरोपी, सभी ने खुद को निर्दोष बताया, 25 नवंबर से रोजाना होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शनिवार को नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सभी 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। आरोपियों में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से जुड़े तीन विषय विशेषज्ञ भी शामिल हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता के समक्ष पेश किए गए सभी आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया और मुकदमे का सामना करने की बात कही। मामले की नियमित सुनवाई 25 नवंबर से रोजाना होगी।

अदालत ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार सहित कई धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। इससे पहले 18 नवंबर को अदालत ने 206 पन्नों के आदेश में कहा था कि आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। अदालत के मुताबिक, आरोपियों ने एनटीए की गोपनीय परीक्षा सामग्री अवैध तरीके से हासिल की, उसे आपस में साझा किया और उसका इस्तेमाल किया। कोर्ट ने इसे संगठित साजिश का हिस्सा माना है। आरोपियों में एनटीए के लिए काम करने वाली मनीषा गुरुनाथ मंधारे, पीयी कुलकर्णी और मनीषा संजय हवालदार भी शामिल हैं। अदालत ने तीनों को लोक सेवक की श्रेणी में माना है।



मंधारे वायोलॉजी, कुलकर्णी केमिस्ट्री और हवालदार फिजिक्स की विषय विशेषज्ञ थीं। अदालत के अनुसार, तीनों पर परीक्षा सामग्री की गोपनीयता बनाए रखने की जिम्मेदारी थी। आरोप है कि उन्होंने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर परीक्षा के गोपनीय सवाल अवैध रूप से हासिल किए। गौरतलब है कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा 3 मई को हुई थी, जिसमें करीब 22 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित की गई। अब अदालत में मामले की रोजाना सुनवाई के दौरान आरोपों और साक्ष्यों पर आगे की कार्रवाई होगी।

रणबीर कपूर और यश की 'रामायण' पर प्रतिबंध लगाने की मांग

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और यश अभिनीत फिल्म 'रामायण' को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) से इसका प्रमाणपत्र वापस लेने की मांग की है। संगठन का आरोप है कि फिल्म में महर्षि वाल्मीकि की मूल रामायण के प्रसंगों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है और रावण का महिमामंडन किया गया है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार और महासचिव बजरंग लाल बागड़ा ने फिल्म के कथानक और पात्रों के चित्रण पर आपत्ति जताई है। बजरंग लाल बागड़ा ने कहा कि फिल्म में कई काल्पनिक घटनाएं जोड़ी गई हैं, जबकि रामायण के महत्वपूर्ण पात्रों और प्रसंगों को जानबूझकर हटाया गया है। संगठन ने आरोप लगाया कि इससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। विहिप ने फिल्म में माता अहिल्या के उद्धार, भगवान राम और निषादराज गुह की मित्रता तथा केवट की भक्ति जैसे महत्वपूर्ण प्रसंग नहीं दिखाए जाने पर सवाल उठाए हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट के आसपास 60 दिनों तक ड्रोन और लेजर लाइट पर है प्रतिबंध

नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) और उसके आसपास के इलाकों में हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दिल्ली पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। सुरक्षा संबंधी खतरे और विमानों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एयरपोर्ट के नजदीकी क्षेत्रों में अगले 60 दिनों तक ड्रोन उड़ाने और लेजर लाइट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश 18 नवंबर 2026 से लागू होकर 16 जनवरी 2027 तक प्रभावी रहेगा।



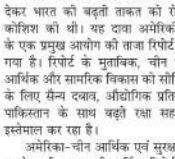
पुलिस के मुताबिक, आशंका है कि असामाजिक तत्व या आतंकी संगठन ड्रोन, पैराग्लाइडर, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट और एयरो मॉडल जैसे मानवरहित उपकरणों का इस्तेमाल सुरक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए कर सकते हैं। इसी खतरे को देखते हुए एयरपोर्ट के आसपास इन सभी उपकरणों के संचालन पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा शादी और समारोहों के सीजन को ध्यान में रखते हुए लेजर लाइट के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। दरअसल, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने शिकायत की थी कि विमानों के टेक-ऑफ और लैंडिंग के दौरान तेज लेजर किरणें पायलटों की आंखों पर पड़ती हैं। इससे उनकी दृश्य क्षमता प्रभावित हो सकती है और विमान हादसे का खतरा पैदा हो सकता है। इसी के मद्देनजर एयरपोर्ट के आसपास स्थित फार्म हाउस, बैंक्वेट हॉल, होटल, रेस्टोरेंट और अन्य आयोजन स्थलों पर लेजर लाइट के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है।

अविवाहित माता-पिता की संतान की देखरेख पर मां का दावा ज्यादा मजबूत

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया उसका फैसला केवल अंतरिम कस्टडी तक सीमित

नई दिल्ली। अविवाहित माता-पिता से जन्मे बच्चे की अंतरिम कस्टडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पहली नजर में मां का दावा ज्यादा मजबूत माना जा सकता है। कोर्ट ने अपने फैसले में भारतीय कानून के साथ अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रावधानों का भी उल्लेख किया। इसी आधार पर चार साल के बच्चे की अंतरिम कस्टडी उसकी जर्मन मां को सौंप दी गई। मां अपने बेटे को सिंगापुर ले जाना चाहती है, जहां वह नौकरी करती है।

जानकारी के मुताबिक मामले में बच्चे के भारतीय पिता ने मां की मांग का विरोध किया था। पिता का कहना था कि बच्चे को भारत से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दोनों के बीच बच्चे की देखभाल और संरक्षण को लेकर विवाद कोर्ट पहुंचा। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अविवाहित माता-पिता से जन्मे



बच्चे की कस्टडी के लिए मां का दावा ज्यादा मजबूत हो सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि उसका फैसला केवल अंतरिम कस्टडी तक सीमित है। इससे परिवार न्यायालय में चल रही संरक्षकता संबंधी कार्यवाही पर कोई अंतिम प्रभाव नहीं पड़ेगा। यानी बच्चे की स्थायी अभिरक्षा को लेकर संबंधित कोर्ट में आगे सुनवाई जारी रह सकती है।

कोर्ट ने भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम का उल्लेख किया। इसके मुताबिक विवाह के बाहर जन्मे बच्चे का मूल निवास उसकी मां के मूल निवास के आधार पर तय किया जाता है। कोर्ट ने इन कानूनी सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए अंतरिम स्तर पर मां के दावे को प्राथमिकता दी। फैसले में यह स्पष्ट किया गया कि बच्चे के हित सर्वोपरि रहेंगे और अंतिम फैसला परिवार न्यायालय की कार्यवाही और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर होगा। फिलहाल मां को बच्चे की अंतरिम कस्टडी सौंपने का आदेश दिया गया है।

अग्निवीरों का डेटा डार्क वेब पर बेचने की साजिश का खुलासा, नाबालिग आरोपी हिरासत में

500 डॉलर में डार्कवेब पर बेच रहा था अग्निवीरों का डेटा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक 14 साल के लड़के को गिरफ्तार किया है। किशोर पर आरोप है कि वह अग्निवीर से जुड़ा डेटा कथित तौर पर डार्क वेब पर बेचने की कोशिश में था। आरोपी हरियाणा के बहादुरगढ़ का रहने वाला है। अग्निवीर का यह डेटा कथित तौर पर एक ऐसी वेबसाइट से चोरी किया गया था, जिसे एक पूर्व अग्निवीरों के रजिस्ट्रेशन और दूसरे सरकारी विभागों में नौकरी का मौका तलाशने वालों के लिए तैयार किया गया था। जानकारी के मुताबिक, अग्निवीरों का डेटा चोरी करने के लिए एआई का इस्तेमाल किया था। इसके बाद डार्क वेब पर एक विज्ञापन पोस्ट किया गया। विज्ञापन में दावा किया था कि संबंधित शख्स के पास 4 हजार अग्निवीरों का डेटा है। इस डेटा को बेचने के लिए वह 500 अमेरिका डॉलर (करीब 46 हजार रुपये) की मांग कर रहा था। दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने किशोर के डिजिटल डिवाइस से भी यह डेटा बरामद किया है। पुलिस ने अग्निवीरों के डेटा के लिए गृह मंत्रालय को भी पत्र लिखा है।

अब आगे दिल्ली पुलिस क्या करेगी?

अब दिल्ली पुलिस डिजिटल डिवाइस से बरामद डेटा का गृह मंत्रालय से मिलने वाले डेटा के साथ मिलान करेगी और कर्फमं करेगी। पुलिस ने जांच के बाद किशोर को हिरासत में लेने के बाद छोड़ दिया है। डार्क वेब, असल में इंटरनेट दुनिया का ऐसा हिस्सा है, जहां पर उन सामान को बेचा जाता है, जो कई देशों की नजरों में गैर कानूनी है।

अदाणी की 'बघीरा एटी-1' मिसाइल का पोखरण में सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि सामने आई है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम 'बघीरा एटी-1' का सफल प्रदर्शन किया। 20 नवंबर को हुए इस परीक्षण में चार मिसाइलें दागी गईं। परीक्षण के दौरान दिन और रात में लक्ष्य को निशाना बनाने के साथ एक ही लॉन्चर बीम पर दो मिसाइलें दागने की क्षमता भी प्रदर्शित की गई। इस दौरान भारतीय सेना, सैन्य मामलों के विभाग और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कंपनी के मुताबिक, बघीरा एटी-1 को 18 महीने के डिजाइन और विकास के बाद तैयार किया गया है। इसे भारतीय भौगोलिक परिस्थितियों, मौसम और सेना की परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह मिसाइल 8 किलोमीटर तक की दूरी पर मौजूद बख्तरबंद वाहनों और टैंकों को निशाना बना सकती है। इसकी मारक क्षमता सामान्य जमीन से दागी जाने वाली एंटी-टैंक मिसाइलों की तुलना में लगभग दोगुनी है। इस मिसाइल में लेजर बीम गाइडेंस तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के जरिए इसे बाधित करना मुश्किल है। इसकी खासियत यह है कि दो मिसाइलें एक ही लक्ष्य पर तेजी से दागी जा सकती हैं। पहली मिसाइल टैंक के सक्रिय सुरक्षा सिस्टम को निष्क्रिय करने और दूसरी उसके कवच को भेदने के लिए डिजाइन की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर में चीन ने पाकिस्तान की मदद कर भारत को रोकने की कोशिश की- अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट में खुलासा, दो मोर्चों पर खतरे की चेतावनी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को सैन्य और तकनीकी सहायता देकर भारत की बढ़ती ताकत को रोकने की कोशिश की थी। यह दावा अमेरिकी कांग्रेस के एक प्रमुख आयोग की ताजा रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन भारत के आर्थिक और सामरिक विकास को सीमित करने के लिए सैन्य दबाव, औद्योगिक प्रतिबंध और पाकिस्तान के साथ बढ़ती रक्षा सहयोग का इस्तेमाल कर रहा है।

अमेरिका-चीन आर्थिक एवं सुरक्षा समीक्षा आयोग की 2026 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत एशिया में चीन के प्रभाव को चुनौती देने की क्षमता रखने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। इसी वजह से चीन भारत के उभार को रोकने के लिए कई मोर्चों पर रणनीति अपना रहा है।

रिपोर्ट में मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष का विशेष उल्लेख किया गया है। आयोग के अनुसार, इस संघर्ष में चीन ने सीधे युद्ध में शामिल हुए बिना पाकिस्तान को सैन्य और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई। चीन ने इस साल पहली बार स्वीकार किया था कि उसके इंजीनियरों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना को तकनीकी सहयोग दिया था। चीनी इंजीनियर झांग हेंग ने पाकिस्तानी वायुसेना के जे-10सीई लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने के लिए सहायता देने की बात कही थी।

अमेरिकी आयोग ने कहा कि चीन भारत को औद्योगिक रूप से मजबूत होने से रोकने के लिए जरूरी कच्चे माल, तकनीक और उपकरणों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा रहा है। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारत की उत्पादन क्षमता प्रभावित हो सकती है।

मैंने सोना नहीं खरीदने की अपील की तो कम हुई खरीदारी, इसीलिए गिरे भाव-मोदी

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि करीब एक साल पहले उन्होंने देशवासियों से अपील की थी कि अगर जरूरत न हो तो एक साल तक सोना न खरीदें। उन्होंने दावा किया कि लोगों ने उनकी बात मानी और सोने की खरीदारी कम की। उन्होंने कहा कि देश का चरित्र ऐसा ही है। एक सामान्य व्यक्ति के तौर पर उनकी अपील पर भी देशवासियों ने भरोसा किया और सोना कम खरीदा। उन्होंने कहा कि सोने के दाम गिर गए और लोग उनसे कह रहे हैं कि उनकी बात मानने से उनके पैसे बच गए।

उप्र की राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन एक समय का भोजन छोड़ने की अपील की थी और लोगों ने उनकी बात मानी थी। उन्होंने कहा कि कौशल ही समाज



को गतिमान बनाए हुए है। व्यक्ति के जागने से लेकर सोने तक और जन्म से लेकर मृत्यु तक उसे कई तरह के कामों और सेवाओं की जरूरत पड़ती है। इन जरूरतों को पूरा करने में अलग-अलग कौशल से जुड़े लोगों की अहम भूमिका होती है।

कौशल दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उन्होंने अपने अधिकारियों को इस संबंध में सूची तैयार करने का काम दिया था। शुरुआत में अधिकारी 30 से 35 कामों की सूची लेकर आए। इसके बाद उन्होंने कहा कि सुबह जागने से लेकर रात में सोने तक और जन्म से मृत्यु तक व्यक्ति को किन-किन चीजों की जरूरत पड़ती है, इसका पूरा ब्योरा तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जब विभाग के अधिकारी दोबारा सूची लेकर आए तो एक सप्ताह में करीब एक हजार तरह के कामों की सूची तैयार हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि यही कौशल है, जो समाज की जरूरतों को पूरा करता है और उसे लगातार गतिमान बनाए रखता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज जब कोई बच्चा आईटीआई में दाखिला लेता है तो कई बार उसके माता-पिता इस बात को छिपाते हैं। अब इस सोच और व्यवस्था को बदलना होगा। आईआईटी के विद्यार्थियों को जितना सम्मान मिलता है, उतना ही सम्मान आईटीआई के विद्यार्थियों को भी मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अपने गुजरात के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वहां उन्होंने ऐसे हुनरमंद लोगों को देखा है, जिनके बिना गांव की कल्पना करना मुश्किल था। प्राचीन काल से देश में ऐसी व्यवस्था रही है, जिसमें अलग-अलग कौशल वाले लोग गांव के विकास और जरूरतों में योगदान देते थे।

रक्त संबंधियों के बीच विवाह पर रोक लगाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

ऐसे विवाह से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली। करीबी रक्त संबंधियों के बीच विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे विवाहों से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में समाज में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि क्या रक्त संबंधियों के बीच विवाह को रोकने या इस संबंध में जागरूकता अभियान चलाने के लिए कोई कानून या व्यवस्था बनाई जा सकती है। यह मामला बेंगलुरु की एक दृष्टिबाधित युवती की याचिका से जुड़ा है। याचिका में बताया गया कि उसके माता-पिता आपस में रक्त संबंधी हैं और इस कारण उसे जन्मजात आनुवंशिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट के सामने करीबी रिश्तेदारों के बीच विवाह से पैदा होने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का मुद्दा उठाया। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विवाह किससे करना है, यह व्यक्ति की निजी पसंद का विषय है। कोर्ट सीधे तौर पर इस तरह के विवाहों पर रोक नहीं लगा सकती। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि करीबी रक्त संबंधियों के बीच विवाह के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस विषय पर कानून बनाना संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। याचिका में दावा किया गया है कि दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में करीबी रक्त संबंधियों के बीच विवाह का चलन ज्यादा है। याचिकाकार के मुताबिक ऐसे विवाहों का हिस्सा करीब 30 फीसदी तक बताया गया है। कोर्ट ने इस विषय पर अंगीनवाड़ी और पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत जताई। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि लोगों को इसके पीछे मौजूद वैज्ञानिक कारणों की जानकारी दी जानी चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक आनुवंशिक जोखिमों की जानकारी परिवारों तक पहुंचना जरूरी है। सुस्मिम पर्सनल लॉ में कुछ करीबी संबंधियों के बीच विवाह को मान्यता है, जबकि हिंदू विवाह कानून में निषेधित रिश्तों के बीच विवाह पर प्रतिबंध है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से इस संवेदनशील विषय पर उसका रुख स्पष्ट करने को कहा है।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश, नशे के कारोबार पर रोक और सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में 21 नवंबर को पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक मलय जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव, नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिरां, संयुक्त कलेक्टर सुधीर जैन सहित सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर होगी सख्त कार्रवाई

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर समन्वय के साथ काम करने और प्रत्येक माह अनुभाग स्तर पर नियमित रूप से संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 129 एवं 126 के तहत दर्ज प्रकरणों में तत्परता से कार्रवाई करने को कहा, ताकि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के विरुद्ध बाउंड ओवर एवं जिला बदर जैसी कार्रवाई शीघ्र की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस अधिकारियों द्वारा बैठक में दिए गए सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन ग्राम कोटवारों द्वारा आपराधिक घटनाओं की सूचना पुलिस तक पहुंचाने में लापरवाही बरती जाएगी अथवा पुलिस को सहयोग नहीं किया जाएगा, उनके विरुद्ध पद से पृथक करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि सुरक्षा एवं अपराधों को रोकने के लिए जहाँ हाईमास्क लाईट एवं अन्य सामग्री की आवश्यकता हो तो वे जिला प्रशासन इसके प्रस्ताव दे, उन पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी। पुलिस अधीक्षक मलय जैन ने बताया कि जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों में जनसहयोग से सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने की पहल की जाएगी। इससे आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखने और अपराधों की रोकथाम में मदद मिलेगी।

नशे के कारोबार पर रोक लगाने विशेष अभियान की जरूरत

बैठक में नारकोटिक्स, नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने स्कूलों एवं कॉलेजों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने तथा आमजन के बीच नशामुक्ति अभियान चलाने की आवश्यकता बताई। बैठक में जानकारी दी गई कि हाल के दिनों में रामपायली, चांगीटोला, लांजी एवं परसवाड़ा थाना क्षेत्रों में मादक पदार्थों की जब्ती की गई है तथा संबंधित मामलों में प्रकरण दर्ज किए गए हैं।



सात ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं में आई रोक

सड़क सुरक्षा की समीक्षा के दौरान जिले में चिन्हित सात ब्लैक स्पॉट की जानकारी दी गई। इनमें अर्जुन नाला, मिरेगांव, कनकी, खुरसोडी, किरनापुर क्षेत्र में डॉ. बाकरे के घर के पास, डोंगरिया में आरटीओ कार्यालय के पास तथा खरखड़ी शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2026 में अब तक इन सातों ब्लैक स्पॉट पर कोई दुर्घटना दर्ज नहीं हुई है। बैठक में प्रधानमंत्री राहत योजना के संबंध में बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के उपचार के लिए सात दिनों के भीतर संबंधित अस्पताल को अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक की राशि उपलब्ध कराई जाती है। इस योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। हिट एंड रन के 23 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 11 प्रकरणों में राहत राशि स्वीकृत हो चुकी है, जबकि 12 प्रकरण निराकरण के लिए लंबित हैं। वहीं, राहवीर योजना के तहत 11 प्रकरण स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं।

नियमों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों पर होगी कार्रवाई

बैठक में निजी स्कूलों द्वारा संचालित बसों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किए जाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। अधिकारियों ने बताया कि स्कूली बच्चों को ले जाने वाले निजी वाहन भी निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा मजदूरों के परिवहन में उपयोग किए जाने वाले पिकअप वाहनों से भी दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने जिला परिवहन अधिकारी को ऐसे वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि निजी स्कूल संचालकों द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता है तो उनकी स्कूल की मान्यता निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका के कचरा वाहनों का मुद्दा भी उठाया गया। बताया गया कि पीछे से खुले होने के कारण इन वाहनों से सड़क पर कचरा गिरता रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इस समस्या का भी उचित समाधान करने की आवश्यकता बताई गई।

पार्किंग, डायवर्सन और स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी हुई चर्चा

बैठक में भटेरा रेल ओवरब्रिज निर्माण के चलते बनाए गए डायवर्सन मार्ग पर यातायात व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की गई। बालाघाट शहर के कालीपुतली चौक सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर नगर पालिका के माध्यम से कार एवं अन्य वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग स्थल विकसित करने की आवश्यकता बताई गई। इसके अलावा डैंजर रोड पर रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने, बैहर में महिला चिकित्सक की पदस्थापना सुनिश्चित करने तथा सभी चिकित्सकों की मेडलपास आईडी बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को बैठक में उठाए गए विषयों पर गंभीरता से कार्रवाई करने तथा कानून व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और आमजन की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

रेजांगला के वीर शहीदों को यादव समाज बैहर ने दी श्रद्धांजलि

भीमराव आंबेडकर पार्क से निकली रैली, जय स्तंभ चौक पर दीपदान कर मनाया अहीर शौर्य दिवस, रेजांगला के शहीदों की स्मृति में स्मारक निर्माण के लिए भूमि आवंटित करने की मांग

पद्मेश न्यूज। बैहर। युवा यादव समाज बैहर के तत्वाधान में 18 नवंबर 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की लड़ाई के दौरान अदम्य साहस, शौर्य और वीरता का परिचय देने वाले वीर सैनिकों की स्मृति में अहीर शौर्य दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भीमराव आंबेडकर पार्क में सभा आयोजित की गई। इसके बाद



रैली निकालकर जय स्तंभ चौक पहुंचकर शहीद वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा दीपदान किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांगला में 13 कुमाऊं रेजिमेंट के जवानों द्वारा प्रदर्शित अद्वितीय वीरता और बलिदान को याद किया। वक्ताओं ने बताया कि कैप्टन शैतान सिंह के नेतृत्व में 120 भारतीय सैनिकों ने अत्यंत विषम परिस्थितियों में चीनी सेना का मुकाबला किया था। करीब 16 हजार फीट की ऊंचाई पर बर्फीले खतावरण में कड़ाके की ठंड, रसद की कमी और पर्याप्त सर्दी से बचाव के साधन नहीं होने के बावजूद भारतीय जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। इस भीषण युद्ध में कैप्टन शैतान सिंह सहित 114 जवान शहीद हुए, जबकि पांच जवानों को चीनी सेना ने बंदी बना लिया था। वक्ताओं ने शहीदों के बलिदान और तत्कालीन परिस्थितियों पर भी अपने विचार रखे।

यादव समाज बैहर के संरक्षक शिवनाथ यादव ने अपने उद्बोधन में 1962 के युद्ध की परिस्थितियों और शहीद जवानों के बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने वर्ष 1963 में स्वर कोकिला लता मंगेशकर की आवाज में प्रस्तुत कवि एवं गीतकार प्रदीप की अमर रचना ‘ऐ मेरे वतन के लोगों’ का उल्लेख करते हुए बताया कि इस गीत ने देशवासियों के हृदय में शहीदों के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी।

शहीदों की स्मृति में स्मारक बनाने के लिए भूमि की मांग

कार्यक्रम के दौरान यादव समाज की ओर से भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र गुट्टा मरकाम के समक्ष रेजांगला के वीर शहीदों की स्मृति में स्मारक स्तंभ बनाने के लिए भूमि उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि स्मारक का निर्माण होने से आने वाली पीढ़ियों को वीर जवानों के शौर्य, बलिदान और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा मिलेगी। साथ ही प्रतिवर्ष 18 नवंबर को शौर्य दिवस उत्सव एवं त्योहार के रूप में मनाया जा सकेगा। इस मांग का स्वागत करते हुए सुरेंद्र गुट्टा मरकाम ने कहा कि शहीदों की स्मृति में स्मारक स्थल का निर्माण होना आवश्यक है। उन्होंने यादव समाज के लोगों से भूमि का चयन करने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि चयनित भूमि के आवंटन के लिए शासन स्तर पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराने में उनका पूरा सहयोग रहेगा।

बड़ी संख्या में समाज के लोगों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर आर्या समाज कल्याण समिति बैहर के राजीव गोपाल परते, पार्षद श्रीमती सुरपति यादव, अनुसूचित जनजाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष नीरू मेरावी, शिक्षक मनोहर मरकाम, सुरेश यादव, शिवनाथ यादव, यादव समाज ब्लॉक अध्यक्ष पंडा बाबा, नगर अध्यक्ष चमरू लाल यादव, सचिव रविंद्र यादव सहित अभय यादव, अमन यादव, आकाश यादव, अविनका यादव, सोमिका यादव एवं सुधया यादव सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। भीमराव आंबेडकर पार्क में सभा के बाद रैली के माध्यम से जय स्तंभ चौक पहुंचकर वीर शहीदों को नमन किया गया और दीपदान किया गया। इस तरह देशभक्ति, शौर्य और बलिदान की भावना के साथ अहीर शौर्य दिवस का आयोजन संपन्न हुआ।

चक्रवाती तूफान 'अकवान' का असर, रुक रुक कर दिन भर होती रही हल्की बारिश

काले बादलों ने बढ़ाई किसानों की धड़कनें,खेतों में कटी धान की फसल पर मंडराया बारिश का खतरा
3 लाख 7 हजार हेक्टेयर में लगी धान की फसल, कहीं कटाई तो कहीं मिंजाई की तैयारी
पहले बोनी और कीटों की मार झेल चुके किसानों को अब बेमौसम बारिश से नुकसान की आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। धान का कटोरा कहे जाने वाले बालाघाट जिले के किसानों की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। खरीफ सीजन में पहले बारिश की बेरुखी, फिर कीट और बीमारियों की मार झेल चुके किसानों के सामने अब मौसम ने नई चुनौती खड़ी कर दी है। धान की फसल पककर तैयार है और कई इलाकों में कटाई का काम शुरू हो चुका है, लेकिन आसमान में छाए काले बादलों और रुक-रुककर हो रही बूंदाबांदी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। चक्रवाती तूफान %अकवान% से जुड़े मौसमी प्रभावों के बीच मौसम में आए बदलाव ने खेतों में खड़ी और काटकर रखी गई धान की फसल की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसानों को डर है कि यदि बारिश का दौर बढ़ा तो महीनों की मेहनत पर पानी फिर सकता है।



खेतों में खुले आसमान के नीचे रखी फसल बनी सबसे बड़ी चिंता

किसानों के सामने सबसे बड़ी परेशानी उन खेतों में कटी हुई धान की फसल को लेकर है, जिसे अभी घर या सुरक्षित स्थान तक नहीं पहुंचाया जा सका है। किसान कटाई के बाद धान के कड़पे खेतों में ही रख रहे हैं, वहीं कई किसान धान के बीड़े बांधकर एक स्थान पर पुंजा बनाकर एकत्रित कर रहे हैं। ऐसे में यदि तेज बारिश होती है तो खुले में रखी फसल भीगकर खराब हो सकती है। भीगी धान में अंकुरण, रंग बदलने और वजन घटने की समस्या पैदा होने की आशंका है। इसमें किसानों को समर्थन मूल्य पर उपज बेचने के दौरान भी गुणवत्ता संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

धूप निकलने का इंतेजार कर रहे किसान

किसानों का कहना है कि पहले ही इस वर्ष मौसम की बेरुखी और कीटों के प्रकोप के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ है। अब जब फसल काटने का समय आया है, तब मौसम की इस करवट ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है। कई किसानों ने कटाई के लिए मजदूरों की व्यवस्था भी कर ली थी, लेकिन आसमान में बादल छाने और बूंदाबांदी के कारण कटाई का काम प्रभावित हो रहा है। किसान फिलहाल मौसम खुलने और धूप निकलने का इंतजार कर रहे हैं।

3.07 लाख हेक्टेयर में धान की खेती, हवा से खड़ी फसल गिरने का खतरा

कृषि विभाग के उपसंचालक राजेश खोब्रागडे के अनुसार जिले में इस खरीफ सीजन में 3 लाख 7 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की फसल लगाई गई है। इसके अलावा 2 हजार हेक्टेयर में कोदो-कुटकी, 1500 हेक्टेयर में मक्का और 500 हेक्टेयर में तुअर की फसल है। उन्होंने बताया कि तेज हवा चलने की स्थिति में खेतों में खड़ी धान की फसल के गिरने का खतरा बना रहता है। बारिश के कारण कुछ स्थानों पर धान की फसल भीगी है, हालांकि जल्द मौसम साफ होने की संभावना है। इससे किसानों को राहत मिल सकती है।

बैहर में सर्वाधिक 6 मिमी बारिश, तिरोड़ी में सबसे कम

कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि पिछले 24 घंटों में जिले की बैहर तहसील में सर्वाधिक 6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि तिरोड़ी में सबसे कम 1 मिलीमीटर वर्षा हुई। बालाघाट में 5.2 मिमी, वारासिवनी में 2.1 मिमी, लांजी में 3.2 मिमी, किरनापुर में 4.2 मिमी, बिरसा में 2.24 मिमी और परसवाड़ा में 4.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं खैरलांजी, लालबर्रा और कटंगी क्षेत्र में बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई।

अकवान के प्रभाव से बदला मौसम, बारिश के आसार

ज्ञात हो कि बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान %अकवान% ने भी मौसम के मिजाज को प्रभावित किया है। यह तूफान 20 नवंबर को ओडिशा और आंध्रप्रदेश के तट के निकट पहुंचने के बाद कमजोर हुआ। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में पूर्वी मध्यप्रदेश में 20 से 22 नवंबर के बीच कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। बालाघाट सहित पूर्वी मध्यप्रदेश के जिलों में मौसम के इस बदलाव ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। अब किसानों की निगाहें आसमान पर टिकी हैं। उन्हें उम्मीद है कि जल्द मौसम साफ होगा, धूप निकलेगी और वे अपनी महीनों की मेहनत को सुरक्षित घर पहुंचा सकेंगे।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/8569/अति.कले./ वि.अधि./ 2026 बालाघाट तारीख 17/11/2026

आम-सूचना

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अन्तर्गत विशेष/अंर्तजातीय विवाह हेतु आवेदनगण अरमान अली पिता उस्मान अली उम्र 30 वर्ष जाति सैयद निवासी वार्ड नं. 02 सचाट नगर वारासिवनी तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट (म.प्र.) एवं आवेदिका लक्ष्मी चंदन बरेवा पिता श्री टेकचंद बरेवा उम्र 19 वर्ष जाति धोबी निवासी वार्ड नं. 01 वारासिवनी तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट (म.प्र.) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें विशेष विवाह हेतु सुनवाई दिनांक 04/12/2026 को नियत की गई है।

अतः उक्त विवाह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक 04/12/2026 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रातः 10:00 बजे उपस्थित होकर अथवा अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र)

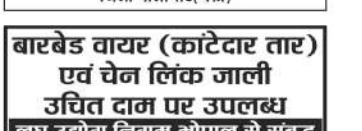


युवती दिलेश्वरी के लापता होने पर अपहरण का मामला दर्ज

ग्राम मदनपुर के बुर्रा टोला की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम मदनपुर (बुर्रा टोला) से एक युवती के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों द्वारा काफी तलाश किए जाने के बाद भी युवती का कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। मामले में बैहर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर युवती दिलेश्वरी पिता दीपचंद पंचतिलक 24 वर्ष की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलेश्वरी पंचतिलक के परिवार के सदस्य मजदूरी करते हैं। परिवार में उसके बड़े भाई सोमलाल पंचतिलक, माता-पिता, भाभी और बच्चे हैं। बताया गया कि 16 नवंबर की रात परिवार के सभी सदस्यों ने भोजन किया और अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। दिलेश्वरी भी अपने कमरे में सो गई थी।17 नवंबर की सुबह करीब 4 बजे पिता दीपचंद की नींद खुली तो वे बेटी के कमरे में पहुंचे। वहां दिलेश्वरी नहीं मिली। उन्होंने इसकी जानकारी अपने बेटे सोमलाल को दी। इसके बाद पिता-पुत्र ने घर के आसपास और गांव में युवती की तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। 18 नवंबर तक युवती के नहीं मिलने पर भाई सोमलाल ने बैहर थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध युवती का अपहरण कर उसे गुप्त स्थान पर छिपाकर बंदी बनाकर रखने के आरोप में धारा 140(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस युवती की तलाश में जुटी हुई है। साथ ही बैहर पुलिस ने जिले के नागरिकों से भी युवती की पतासाजी में सहयोग करने की अपील की है।

श्री गोपाल स्मृति एग्रो (प्रा.लि.) बालाघाट द्वारा उत्पादित 'जम्बूनीर' एडेड मिनरल (वाटर) बाटलिंग प्लांट के लिये वितरक नियुक्त किया जाना है जिस हेतु जिले के सभी तहसीलों से इच्छुक व्यापारी संपर्क करें।
कार्या. वार्ड नं. ३३
मोतीनगर, बालाघाट
सपर्क सूत्र
9425447638, 9770674420

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

धान खरीदी की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा, 25 नवंबर तक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश

अन्य राज्यों और जिलों की धान की खरीदी पर रहेगी सख्त रोक, लापरवाही पर संबंधित एसडीएम होंगे जिम्मेदार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर आदित्य सिंह ने 21 नवंबर को जिला पंचायत सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में 1 दिसंबर 2026 से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं 25 नवंबर तक अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाएं। साथ ही स्पष्ट किया कि अन्य राज्यों एवं जिलों से आने वाली धान की खरीदी किसी भी केंद्र पर नहीं होनी चाहिए। इस मामले में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एसडीएम की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ एवं उपार्जन कार्य से जुड़े विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आगामी दो दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्र के सभी धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करें और वहां आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए छाया, पेयजल, अलाव तथा बारिश की स्थिति में धान को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल की व्यवस्था की जाए।

उन्होंने सभी खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त बारदाने, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे, धान की गुणवत्ता एवं एफएक्यू मापदंडों की जांच के लिए नमी मापक यंत्र, छन्ना सहित अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों को धान विक्रय के लिए स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया एवं उसके माध्यमों की जानकारी व्यापक स्तर पर प्रचारित करने को कहा।



48 घंटे के भीतर किसानों को मिले भुगतान

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि खरीदी केंद्रों पर धान की तौल होने के बाद किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही खरीदी केंद्रों से धान का समय पर उठाव और गोदामों तक परिवहन के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने बताया कि जिन राइस मिलर्स द्वारा पुराने धान की मिलिंग पूरी कर ली गई है, उन्हें नए धान की मिलिंग के लिए खरीदी केंद्रों से धान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए राइस मिलों एवं खरीदी केंद्रों की मैपिंग करने के निर्देश भी दिए गए।

बाहरी धान की खरीदी पर रहेगी कड़ी निगरानी

कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि अन्य राज्यों एवं जिलों से आने वाली धान को जिले में प्रवेश कर खरीदी केंद्रों तक पहुंचने से रोका जाए। किसी भी व्यापारी अथवा बाहरी व्यक्ति की धान जिले के खरीदी केंद्रों पर नहीं बिकनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी केंद्र पर बाहरी धान की खरीदी होना पाया जाता है तो संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद पंचायत सीईओ को अपने क्षेत्र में धान के रकबे और संभावित उत्पादन की पूरी जानकारी रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों को यह स्पष्ट रूप से पता होना चाहिए कि उनके क्षेत्र में कितने हेक्टेयर में धान की फसल लगाई गई है और उससे कितना उत्पादन होने की संभावना है। इसी के आधार पर खरीदी केंद्रों में आने वाली धान की मात्रा पर सतत निगरानी रखी जाए, ताकि बाहरी धान की अवैध बिक्री को रोका जा सके।

जिले में 185 केंद्रों पर होगी धान खरीदी

बैठक में जानकारी दी गई कि बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए कुल 185 खरीदी केंद्र बनाए जा रहे हैं। इनमें 62 केंद्र गोदाम स्तर पर तथा 123 केंद्र सहकारी समितियों के माध्यम से संचालित होंगे। जिले में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए कुल 1 लाख 31 हजार 203 किसानों का पंजीयन किया गया है। धान खरीदी का कार्य 1 दिसंबर 2026 से प्रारंभ होकर 20 जनवरी 2027 तक चलेगा। खरीदी सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक की जाएगी। किसानों के लिए धान विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया 25 नवंबर 2026 से प्रारंभ होगी।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुधीर जैन, सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद पंचायत सीईओ सहित नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक हरिश कोरी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के सीईओ अभिनव सिंह बघेल, उपायुक्त सहकारिता राजेश उइके, उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय, आपूर्ति विभाग एवं मंडी के अधिकारी उपस्थित रहे।

मायके से बड़ी बहन के घर जाने निकली महिला लापता

एक माह से मायके में रह रही थी अमरुता टेकाम

मां की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव खुर्द में मायके में रह रही एक 33 वर्षीय महिला के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। महिला अपने पति से विवाद के बाद पिछले एक माह से मायके में रह रही थी। वह 13 नवंबर को अपनी बड़ी बहन के घर जाने की बात कहकर निकली थी लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार 20 नवंबर को महिला की मां ने हट्टा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपहरण दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है।

एक माह से मायके में रह रही थी महिला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मोहगांव खुर्द निवासी तरासन पन्द्रे 55 वर्ष खेती-किसानी करती हैं। उनके तीन बेटियां और एक बेटा है तथा सभी बच्चों की शादी हो चुकी है। उनकी बेटी अमरुता का विवाह करीब 10 वर्ष पहले सामाजिक रीति-रिवाज से ग्राम करियाटोंड निवासी लखन टेकाम के साथ हुआ था। अमरुता का एक बेटा है जो कक्षा पहली में मोहगांव खुर्द में रहकर पढ़ाई कर रहा है। बताया गया कि करीब एक माह पहले अमरुता का अपने पति लखन टेकाम से विवाद हो गया था। इसके बाद वह अपने मायके ग्राम मोहगांव खुर्द आकर रहने लगी थी। 13 नवंबर को सुबह करीब 11 बजे अमरुता अपनी बड़ी बहन के गांव हिर्री मेंडई जाने की बात कहकर घर से निकली थी। अगले दिन परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। इसके बाद जब हिर्री में फोन कर जानकारी ली गई तो बड़ी बहन ने बताया कि अमरुता वहां पहुंची ही नहीं है।

रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में की तलाश

इसके बाद परिजनों ने अमरुता की तलाश रिश्तेदारी के अलावा खारा, पायली, चंदपुरी और भांडी गांव में भी की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। 20 नवंबर तक तलाश करने के बावजूद महिला के नहीं मिलने पर उसकी मां तरासन पन्द्रे ने हट्टा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अमरुता को किसी गुप्त स्थान पर छिपाकर बंदी बनाकर रखा गया है। पुलिस के अनुसार लापता महिला का हुलिया सांवला रंग, गोल चेहरा और कद करीब 5 फीट है। वह घर से निकलते समय कत्थई रंग की साड़ी और लाल रंग का ब्लाउज पहने हुए थी। हट्टा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 140(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने जिलेवासियों से महिला की तलाश में सहयोग करने और उसके संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर नजदीकी थाने को सूचित करने की अपील की है।

पिकअप की टक्कर से शिक्षक घायल

हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम कोसमी से बगदरा के बीच तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार शिक्षक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायल शिक्षक आशीष पिता रामप्रसाद सुलाखे 33 वर्ष ग्राम कनकी थाना लालबर्रा निवासी है। जिन्हे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष सुलाखे शासकीय स्कूल ग्राम अमेड़ा में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं और प्रतिदिन मोटरसाइकिल से स्कूल आना-जाना करते हैं।बताया गया है कि 21 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे आशीष सुलाखे अपने गांव कनकी से मोटरसाइकिल द्वारा स्कूल अमेड़ा जा रहे थे। इसी दौरान जब वे कोसमी से बगदरा की ओर जा रहे थे तभी बगदरा की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही एक पिकअप ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही शिक्षक आशीष सुलाखे मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में शिक्षक आशीष के बाएं कंधे, दाहिने हाथ की उंगली तथा दाहिने पैर में घुटने के नीचे चोटें आई हैं। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां उनका इलाज किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल शिक्षक आशीष के बयान दर्ज कर मामले की अग्रिम कार्रवाई के लिए ग्रामीण थाना भेज दिया है।

कीटनाशक सेवन से मृत वृद्ध दंपति के शव का हुआ पोस्टमार्टम- परिजनों को सौंपे शव

सूरज सिंह का जिला अस्पताल तो पत्नी सुंदरी बाई का बिरसा अस्पताल में हुआ पोस्टमार्टम, बिरसा पुलिस कर रही मामले की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम रमगढ़ी में कीटनाशक दवा का सेवन करने से मृत वृद्ध दंपति के शव का 21 नवंबर को पोस्टमार्टम किया गया।



सूरज सिंह धुर्वे 68 वर्ष का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल बालाघाट में जबकि उनकी पत्नी सुंदरी बाई धुर्वे 65 वर्ष का पोस्टमार्टम बिरसा अस्पताल में किया गया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरज सिंह धुर्वे और उनकी पत्नी सुंदरी बाई के दो बेटे हैं। परिवार के सभी सदस्य खेती-किसानी करते हैं। बताया गया है कि दोनों पति-पत्नी शराब पीने के आदी थे। 19 नवंबर की शाम परिवार के सभी सदस्य घर पर मौजूद थे। उस दौरान सूरज सिंह और सुंदरी बाई ने शराब का सेवन किया था। इसी बीच किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के बाद दोनों ने कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन दोनों को उपचार के लिए बिरसा अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उनकी हालत सामान्य बताई, जिसके बाद परिजन उन्हें वापस घर ले आए। लेकिन 20 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे दोनों की तबीयत फिर बिगड़ने लगी। परिजन निजी वाहन से उन्हें उपचार के लिए बालाघाट ला रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सुंदरी बाई धुर्वे की मौत हो गई। उनका शव परिजन घर ले गए, वहीं सूरज सिंह धुर्वे को उपचार के लिए बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उनकी हालत गंभीर बताते हुए भर्ती करने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोपहर करीब 1 बजे उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। यहां उपचार के दौरान शाम करीब 4:30 बजे सूरज सिंह ने भी दम तोड़ दिया। उनका शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवाया गया, जबकि सुंदरी बाई का शव बिरसा अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखा गया था। 21 नवंबर को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। मामले की जांच बिरसा पुलिस द्वारा की जा रही है।

समय पर उपचार मिलता तो बच सकती थी जान!

इस घटना में एक गंभीर सवाल भी सामने आया है। बताया गया है कि 19 नवंबर की शाम कीटनाशक दवा का सेवन करने के बाद परिजन दोनों वृद्धों को उपचार के लिए बिरसा अस्पताल लेकर पहुंचे थे। यदि उस समय दोनों को अस्पताल में भर्ती कर समुचित उपचार दिया जाता अथवा उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया जाता, तो संभवतः उनकी जान बचाई जा सकती थी। हालांकि अस्पताल में उस समय उनकी वास्तविक चिकित्सकीय स्थिति क्या थी और उपचार में कोई लापरवाही हुई या नहीं यह जांच का विषय है।

बिरसा क्षेत्र में कीटनाशक के सेवन से 2 की मौत

अलग अलग गांवो का मामला, कीटनाशन दवा छिड़काव के दौरान हुआ हादसा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवा का सेवन करने से 2 लोगों की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामला बिरसा थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांव से सामने आया है। जहां तुवल की फसल में दवा का छिड़काव करते समय दवा उनके मुह मे चले जाने से उनकी तबीयत खराब हो गई।परिजनों द्वारा उपचार के लिए उन्हें बिरसा अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। कीटनाशक से हुई मौत का पहला मामला बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम दुंधी से सामने आया है जहां कीटनाशक के सेवन से एक 58 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक का नाम जीतलाल पिता ओरीलाल चौहान बताया गया है।ग्राम जानकारी के अनुसार ओरीलाल खेती बाड़ी का काम करते थे बताया गया कि एक सप्ताह पूर्व 14 नवंबर शनिवार को वे खेत में लगी तुवल कि फसल में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने गए थे जो शाम को घर वापस आ गए।खाना खाने के बाद अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई ,वहीं रविवार को स्थिति बिगड़ने लगी और उन्हें उल्टियां शुरू हो गई जिनकी तबीयत खराब देखकर परिजन उन्हें रविवार की सुबह बिरसा अस्पताल लेकर गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद वहां के चिकित्सकों द्वारा उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया था।करीब एक सप्ताह से जीतलाल का उपचार जिला अस्पताल में चला।बताया गया कि शुक्रवार को रात्रि करीब 11 बजे उन्होंने



उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।इधर चिकित्सक से मर्ग डायरी मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही कर शव को अपने कब्जे में लिया।रविवार की सुबह पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।ही वही मामले की जांच के लिए डायरी बिरसा थाना भेजी गई है।

उधर उपचार के दौरान पुरनलाल ने भी तोड़ा दम

कीटनाशक के सेवन से मौत का दूसरा मामला थाना बिरसा के दमोह का बताया गया है जहां कीटनाशक दवा का छिड़काव करते समय दवा मुंह में चले जाने से 50 वर्षीय व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक का नाम दमोह निवासी पुरनलाल हिरवाने बताया गया है। जिसके शव का रविवार को सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरनलाल परिवार सहित खेती बाड़ी का काम करते थे बताया गया की 20 नवंबर शुक्रवार की सुबह 9-10 बजे, परिवार के सभी लोग धान कटाई का कार्य करने के लिए खेत गए थे,वहां पुरनलाल तुवर की फसल में कीटनाशक दवा का छिड़काव कर रहे थे। बताया गया कि दोपहर करीब 2 बजे पुरनलाल घर चले गए।जहां करीब 4 बजे पड़ोसी बच्चू राठौर ने पुरन ली पत्नी भागीरथी हिरवाने को खेत में फोन करके बताया कि उसका पति पुरनलाल की तबीयत खराब हो गई है और उसे चक्कर आ रहे हैं और वहा आंगन में बैठकर उल्टियां कर रहा है।बच्चू राठौर ने खेत से सभी लोगों को जल्दी घर वापस आने के लिए कहा। जब परिवार के सभी लोग घर वापस आए तो पुरनलाल घर के आंगन में पड़ा हुआ था उसकी तबीयत खराब हो चुकी थी। पूछे जाने पर पुरनलाल ने बताया कि कीटनाशक दवा का छिड़काव करते समय दवाई मुह में चली गई है जिसपर प्राइवेट वाहन से परिजनों द्वारा बिरसस अस्पताल ले जाया गया।जहां के चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।परिजनों के अनुसार रात करीब 12 बजे जिला अस्पताल लाकर पुरनलाल को भर्ती कराया गया था, जबकि रात्रि करीब 2 बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर चिकित्सकों से मर्ग तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को अपने कब्जे में लिया, जिसका रविवार की सुबह पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है तो वही मामले की जांच के लिए डायरी थाना बिरसा पहुंचाई गई है।

बेटे के हत्यारों को फांसी दो... चार दिन से न्याय की आस में भटक रहे माता-पिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बेटे को खोने का दर्द और आंखों में इंसाफ की उम्मीद लिए चार दिन बीत जाने के बाद भी जब जवान बेटे रिंयांश चौहान के हत्यारों का कोई सुराग नहीं मिला तो अब माता-पिता का सब्र जवाब देने लगा है। एक तरफ परिवार अपने बेटे की हत्या के आरोपियों को फांसी देने की मांग कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ पुलिस की कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी से परिजनों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। घटना के चार दिन बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। हालांकि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मलय जैन द्वारा गठित एसआईटी जांच में जुटी हुई है। पुलिस का दावा है कि मामले से जुड़े तकनीकी साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधर, शनिवार को क्षेत्रीय विधायक मधु भगत पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

इस दौरान विधायक ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि रिंयांश के हत्यारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों को गांव में जूते की माला पहनाकर घुमाया जाएगा। वहीं विधायक और मृतक की मां सुनीता चौहान की बातचीत में हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का पहलू भी सामने आया है, जिससे मामले की जांच अब इस दिशा में भी महत्वपूर्ण हो गई है।

चार दिन बाद भी नहीं मिला न्याय, मां ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

शनिवार को विधायक मधु भगत जब मृतक रिंयांश चौहान के घर पहुंचे, तो परिवार ने उनके सामने अपना दर्द बयां किया। मृतक की मां सुनीता चौहान ने कहा कि बेटे की हत्या हुए चार दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक उसके कातिल पुलिस की गिरफ्त में नहीं आए हैं। आखिर पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार क्यों नहीं कर पा रही है? उन्होंने पुलिस की अब तक की कार्रवाई पर असंतोष जाहिर करते हुए कहा कि परिवार को न्याय चाहिए और बेटे के हत्यारों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। मां ने यह भी कहा कि यदि घर के दबाव में पुलिस प्रशासन काम कर रहा है तो वह पुलिस को भी नहीं छोड़ेंगी। उनके इस बयान से साफ है कि बेटे की हत्या के बाद परिवार किस कदर आक्रोशित और व्यथित है। परिजनों की मांग है कि पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्ष जांच करे और हत्या में शामिल सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करे, ताकि उन्हें अपने बेटे की मौत का इंसाफ मिल सके।

आस-पास की खबरें

महाविद्यालय में जिला स्तरीय पुरूष व्हॉलीवाल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय में शनिवार को जिला स्तरीय एक दिवसीय पुरूष व्हॉलीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में





प्रारंभ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। वहीं आयोजित जिला स्तरीय व्हॉलीवाल प्रतियोगिता में विभिन्न विकासखंडों से पहुंचे खिलाड़ियों के मध्य मैच खेला गया। जिसमें बैहर की टीम विजेता एवं लालबर्रा की टीम रहा उपविजेता। इस जिला स्तरीय व्हॉलीवाल प्रतियोगिता के सफल क्रियान्वयन में जिले के विभिन्न शासकीय महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खिलाड़ी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. ह्रषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशा करे, श्रीमती अनिभा शरणागत, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, निवेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

रिमझिम बारिश से भीगी धान की कटी फसल, अंकुरण की चिंता से अन्नदाता परेशान





बदलीनुमा मौसम से तुअर सहित अन्य दलहनी फसलों को नुकसान की आशंका, मौसम साफ होने का इंतजार

रिपोर्टर।

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह से मौसम के मिजाज में आये बदलाव और बीती रात से रूक-रूक कर हो रही रिमझिम बारिश ने अन्नदाओं की चिंता बढ़ा दी है। वहीं चक्रवाती तूफान 'अकवान' से जुड़े मौसमी प्रभावों के बीच अचानक मौसम में बदले मिजाज के चलते दो दिनों से लालबर्रा क्षेत्र में रिमझिम बारिश हो रही है। वहीं खेतों में कटी रखी धान की फसल बारिश से भीग रही है, जिससे दाने खराब होने और फसल के खेत में ही अंकुरित होने का खतरा मंडराने लगा है। मौसम का यही रूख बना रहा तो किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर सकता है। वहीं बदलीनुमा मौसम से तुअर की फसल में बीमारी लगेगी और मौसम खुले के आसार नजर नही आ रहे है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अगर दो-तीन दिन इसी तरह बारिश होते रही तो किसानों के खेतों में पड़ी धान पुरी तरह से गीली हो जायेगी और सरकार उसे समर्थन मूल्य में नही खरीदेगी जिससे किसानों को काफी नुकसान होगा। इस तरह से पूर्व में किसान बारिश की बेरूखी, फसल में लगी कीट-माहू की बीमारी से परेशान थे। अब अचानक मौसम परिवर्तन एवं बारिश होने से खेत में खड़ी एवं कटी फसल के भीगने से काफी चिंतित नजर आ रहे है। अगर तेज बारिश होती है तो किसानों की पूरी फसल बर्बाद हो जायेगी और किसानों को आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। किसान मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे है ताकि मौसम साफ होते ही अपनी फसल को सुरक्षित कर सके।

कटी फसल को सुरक्षित रखने की जद्दोजहद

आपकों बता दे कि क्षेत्र में अचानक मौसम के बदले मिजाज एवं बे-मौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कुछ दिनों से क्षेत्र में लगातार मौसम का मिजाज बदल रहा है और कभी तेज धुप छाई रहती है तो कभी बादल छा जाते। बार-बार मौसम के बदलने के साथ ही शुक्रवार की रात से लेकर शनिवार को दिनभर हुई रिमझिम बारिश से किसान चिंतित है। वर्तमान में खरीफ धान की फसल में भारी प्रजाति किस्म की धान की कटाई कार्य युध्द पर जारी है किन्तु शुक्रवार की शाम से लेकर शनिवार को दिनभर नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रूक-रूक कर बारिश हुई है और दिनभर आसमान में बादल छाया रहा। मौसम के अचानक बदल जाने एवं बारिश होने से किसान परेशान नजर आ रहे है क्योंकि जो धान कटी हुई है उसके कड़पे भीग गये है। वहीं भीगी हुई धान को कम कीमत में व्यापारियों के द्वारा खरीदा जायेगा। वहीं इन दिनों क्षेत्र में भारी प्रजाति किस्म की खरीफ धान की कटाई के साथ ही उसके कड़पे उठाने का कार्य जारी है किन्तु अचानक मौसम के बदलने के कारण कई किसान पककर तैयार हो चुकी फसल की कटाई भी नही करवा पा रहे है जो खड़ी फसल है उसमें विभिन्न प्रकार की बीमारी भी लग सकती है और मौसम के बदले मिजाज के चलते किसान बेहद चिंतित है। वहीं किसानों का कहना है कि यदि जल्द धूप नहीं खिली और नमी बनी रही, तो धान के दानों में अंकुरण शुरू हो सकता है या गुणवत्ता खराब होने से मंडी में उचित दाम नहीं मिल पायेंगे।

बादल छाये रहने से तुअर की फसल में लग रही बीमारियां

बालाघाट जिले में सबसे अधिक धान की खेती की जाती है और धान की खेती के साथ में तुअर, उड़द व अन्य दलहनी फसले लगाई जाती है और वर्तमान में खरीफ धान के समय मेड़ों पर किसानों ने तुअर लगाया है। जिसमें फुल व फल लगने लगे है किन्तु मौसम के बदलने के साथ ही बादल छाये रहने से तुअर में लगी फुल झड़ने के साथ ही उसमें इल्लियां व अन्य बीमारियां भी लगने लगी है जिससे तुअर की फसल भी प्रभावित होगी। साथ ही किसानों के द्वारा तुअर में लग रही बीमारी को रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का भी छिड़काव किया जा रहा है किन्तु आसमान में बादल छाये रहने से दवाईयों भी काम नही कर पा रही है। जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

तेज बारिश होगी तो फसल खराब हो जायेगी - किसान

वहीं किसानों का कहना है कि अचानक मौसम बदलने के साथ ही दो दिनों से रूक-रूक कर बारिश हो रही है। जिससे धान के कड़पे गीली हो चुकी है एवं खेतों में खड़ी फसल झुकने लगी है जिसकी कटाई करने में परेशानी होगी। मौसम विभाग के अनुसार यह परिवर्तन बंगाल की खाड़ी में सक्रिय तूफान 'अकवान' ने मौसम के मिजाज को प्रभावित किया है। जिसका असर बालाघाट सहित लालबर्रा क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। बादल छाये रहने और रूक-रूक कर हो रही बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। आगे यह भी कहा कि इसी तरह मौसम बना रहा तो धान की फसल को काफी नुकसान होने की आशंका बनी हुई है, जिससे किसान काफी चिंतित एवं परेशान है। मौसम जल्द साफ होना चाहिए ताकि किसान पकी फसल को सुरक्षित कर सके।

धान के 3100 रूपये समर्थन मूल्य की मांग को लेकर किसानों का रेल रोको आंदोलन 23 को-रामचंद्र

लालबर्रा क्षेत्र के किसानों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों से बड़ी संख्या में पहुंचने का आव्हान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। धान का 3100 रूपये प्रति क्विंटल दिये जाने के वादे को पूरा कराने और किसानों के हक व सम्मान की लड़ाई को निर्णायक मोड़ देने के लिए किसान गर्जना संगठन ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। इसी कड़ी में शनिवार को संगठन के लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आगामी 23 नवंबर को जिला मुख्यालय बालाघाट में होने वाले विशाल रेल रोको आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर क्षेत्र के किसानों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों से बड़ी संख्या में पहुंचने का आव्हान किया है। किसान गर्जना संगठन लालबर्रा के अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे ने केन्द्र सरकार की नीतियों पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि सरकार द्वारा किसानों से धान का 3100 रूपये प्रति क्विंटल दाम देने का वादा किया गया था। लेकिन आज तक किसानों को उनका वाजिब हक नहीं मिल पाया है। श्री सिहोरे ने कहा कि आखिर कब तक किसान सरकार के वादों का इंतजार करता रहेगा? अब किसान चुप बैठने वाला नहीं है और अपने हक व अधिकार के लिए सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद करेगा। 23 नवंबर को बालाघाट में 'किसान जन अधिकार आक्रोश रैली एवं रेल रोको आंदोलन' आयोजित किया जा रहा है। यह आंदोलन किसी व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि जिले के लाखों धान उत्पादक किसानों के हक और भविष्य की लड़ाई है। श्री सिहोरे ने कहा कि इस आंदोलन के दौरान किसान 3100 रूपये का वादा निभाना होगा, किसानों को उनका हक दिलाना होगा, वादा किया है, तो पूरा करना होगा, किसान एकता जिंदाबाद और किसान गर्जना संगठन जिंदाबाद जैसे नारों के साथ अपनी मांग रखेंगे। किसान के अधिकारों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जायेगी, इसलिए गांव-गांव से निकलें और किसान एकता का परिचय दें क्षेत्र के किसान, युवा एवं जनप्रतिनिधि। श्री सिहोरे ने लालबर्रा ब्लॉक के समस्त किसान भाइयों-बहनों, मातृशक्ति, नौजवान साथियों के साथ-साथ पंच, सरपंच, जनपद सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।



तुलसी-सालिगराम के विवाह के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया ग्यारस पर्व





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दू धर्मालिबयों के द्वारा 20 नवंबर को देव उठनी एकादशी ग्यारस पर्व विधि-विधान से धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पर्व को लेकर नगर मुख्यालय में स्थित दुकानों में दिनभर भीड़ रही और लोगों ने पर्व के लिए पूजन सामग्रियों की जमकर खरीदी की। वहीं सुहागिन महिला ने दिनभर व्रत रखकर अपने-अपने आँगनों में एक से बढ़कर एक सुन्दर सेंगेली उकेरी और शाम होते ही घर आँगन में गन्ने का मंडप बनाकर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान को नये फल सिंघाड़ा, सीताफल, बेर, चना भाजी, आंवला, विभिन्न व्यंजन मौसमी फल एवं सब्जियां आदि सामग्री चढ़ाकर पूजन अर्चन की गई। जिसके बाद माता तुलसी व भगवान सालिगराम का वैदिक मंत्रोच्चार के द्वारा विवाह रचाया गया। आपकों बता दे कि देवउठनी ग्यारस के बाद से शादी विवाह का दौर भी प्रारंभ हो गया है। हालांकि इस वर्ष गन्ने की महंगाई की मार से जूझते दिखे लेकिन फिर भी लोगों ने गन्ने की खरीदी कर तुलसी विवाह संपन्न करवाया।

बाजारों में रही रौनक, जमकर बिके गन्ना एवं सिंघाड़े

देवउठनी ग्यारस पर्व पर नगर मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मार्ग पर क्षेत्रीय कृषकों के द्वारा गन्नों की दुकानें लगाई गई थी। जहां क्षेत्रीयजनों के द्वारा गन्नों एवं सिंघाड़ों की जमकर खरीददारी की गई और गांव-गांव से मार्केट में लाये गये गन्ने इस वर्ष 20 से 25 रूपये प्रति नग के हिसाब से बेचे गये। इसके अलावा सिंघाड़ों के दाम आवक को देखते हुए 100 रूपये सैकड़ा के हिसाब से विक्रय की गई। इस ग्यारस पर्व के अवसर पर माता तुलसी एवं सालिगराम का विवाह संपन्न होने के बाद लोगों ने जमकर आतिशबाजियां कर एक-दूसरे को देवउठनी ग्यारस पर्व की शुभकामनाएं भी दी। चर्चा में व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि विष्णु भगवान चार माह के लिए सो जाते है इसलिए चार माह तक कोई वैवाहिक कार्यक्रम नही होते है और देवउठनी के दिन भगवान विष्णु जी उठते है इसलिए 20 नवंबर को देवउठनी ग्यारस पर्व हिन्दू धर्मालिबयों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें सुबह से सुहागन महिलाएं व्रत रखती है और चुने से भगवान विष्णु का चरण बनाकर उसके ऊपर चौरंग रखकर विधि-विधान से पूजा अर्चन कर गन्ने से सजे मंडप में माता तुलसी व सालिगराम का विवाह संपन्न करवाया गया जिसके बाद वैवाहिक एवं अन्य शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते है। साथ ही यह भी बताया कि इस देवउठनी पर्व पर चूने का विशेष महत्व रहता है और सुबह से ही पर्व की तैयारियां शुरू कर दी जाती है। जिसमें नये फल, बेर, चना बाजी व अन्य सामग्रियों से पूजा की जाती है एवं यह पर्व हिन्दू धर्मालिबयों के द्वारा धुमधाम से मनाने के साथ ही दीपावली पर्व की तरह ही आतिशबाजियां भी की जाती है। साथ ही देवउठनी ग्यारस पर्व के साथ ही शुभ एवं मांगलिक कार्य प्रारंभ हो गये है और तुलसी माता से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे।

खुरपुड़ी सरपंच ने सचिव पर लगाये गंभीर आरोप, 7 दिसंबर से आमरण अनशन की चेतावनी

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, शिकायत की जांच कर कार्यवाही की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खुरपुड़ी के नवनिर्वाचित सरपंच धनाराम पगरवार ने पंचायत सचिव श्रीमती आशा माने के विरूध्द गंभीर आरोप लगाते हुए गत दिवस कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आमरण अनशन की पूर्व सूचना दी है। कलेक्टर को सौंपे गये ज्ञापन में सरपंच धनाराम पगरवार ने उल्लेख किया है कि ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में सरपंच पद के उपचुनाव के लिए 8 सितंबर 2026 से 3 अक्टूबर 2026 तक आचार संहिता लागू थी, जिसमें 29 सितंबर को मतदान और 3 अक्टूबर को मतगणना हुई। सरपंच का आरोप है कि आचार संहिता के दौरान विभिन्न तिथियों में सचिव श्रीमती आशा माने द्वारा ग्राम पंचायत के फंड/बैंक खाते से लगभग 40 हजार रूपये की राशि निकाली गई। इसमें से कथित तौर पर 13,150 रूपये की राशि आहरण करने से पूर्व उच्चाधिकारियों या निर्वाचन अधिकारी से अनुमति नहीं ली गई और कार्यवाहक सरपंच/उपचुनाव प्रत्याशी महेश कावरे के साथ मिलकर राशि निकाली गई। इस तरह से सचिव ने आचार संहिता का उल्लंघन किया है, साथ ही पदभार संभालने के बाद से ही पंचायत की सामग्रियों से जुड़ी जानकारी बार-बार मांगने के बावजूद सचिव द्वारा नहीं दी जा रही है। मासिक बैठकों और ग्राम सभा में पंचों व ग्रामीणों द्वारा जानकारी मांगे जाने पर भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। आरोप यह भी है कि सचिव समय पर पंचायत कार्यालय नहीं आतीं जिससे आम जनता के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। श्री पगरवार ने बताया कि पंचायत की सामग्री में जुड़ी जानकारी देने महित अन्य कार्य के संबंध में चर्चा की जाती है तो उस पर ध्यान नही दे रही है एवं कथित तौर पर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देती है, इसलिए पूर्व में जिला निर्वाचन अधिकारी/कलेक्टर, बालाघाट, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट और तहसील निर्वाचन अधिकारी लालबर्रा को शिकायत की जा चुकी है। लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नही हुई है, इसलिए पुनः 19 नवंबर को कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कर सचिव के विरूध्द कार्यवाही करने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर 7 दिसंबर को ग्रामीणों के साथ मिलकर आमरण-अनशन करने बाध्य होगें। जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।



जर्जर भवन के कारण अतिरिक्त कक्ष में संचालित हो रही आंगनबाड़ी

बच्चों धात्री और गर्भवती महिलाओं को हो रही परेशानी







पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रा के गर्राटोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक ३ की वदहाल स्थिति से बच्चों ,धात्री महिलाओं एवं गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आंगनबाड़ी केंद्र का भवन जर्जर होने के कारण पिछले करीब एक वर्ष से इसका संचालन एकीकृत शाला के अतिरिक्त कक्ष में किया जा रहा है। इसके बावजूद यहां पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से आंगनबाड़ी की नियमित गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। नवीन भवन की स्वीकृति नहीं मिलने से ग्रामीणों में महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रति नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से शीघ्र नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है।

२००८ में हुआ था भवन का निर्माण

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत गर्रा घनी आबादी वाला ग्राम है यहां गर्राटोला स्थित एकीकृत शाला परिसर में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक ३ संचालित होता है। आंगनबाड़ी भवन का निर्माण वर्ष २००८ में कराया गया था लेकिन देखरेख एवं समय के साथ भवन की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है। भवन की हालत इतनी खराब हो गई थी कि यहां बच्चों को बैठाना जोखिम भरा माना जाने लगा। इसी को देखते हुए करीब एक वर्ष पहले आंगनबाड़ी का संचालन पुराने भवन से हटाकर प्राथमिक शाला के अतिरिक्त कक्ष में शुरू कर दिया गया। वर्तमान में जिस अतिरिक्त कक्ष में आंगनबाड़ी संचालित हो रही है वहां बच्चों के बैठने के लिए ईंट, पत्थर और सीमेंट से बनी टेबलें हैं। ऐसे में बच्चों को सामान्य रूप से जमीन पर एक साथ बैठाकर अनौपचारिक शिक्षा देने और सामूहिक गतिविधियां कराने में परेशानी होती है। वहीं आंगनबाड़ी में आयोजित होने वाले विभागीय कार्यक्रमों के साथ प्रत्येक सप्ताह धात्री एवं गर्भवती महिलाओं के लिए होने वाली गतिविधियों के संचालन में भी पर्याप्त जगह और सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। बताया जा रहा है कि इस व्यवस्था के चलते आंगनबाड़ी के करीब ७५ प्रतिशत कार्यक्रमों के संपादन में दिक्कतें आ रही हैं।

डिस्मेंटल की कार्रवाई पूरी नवीन भवन की स्वीकृति का इंतजार

आंगनबाड़ी भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए ग्राम पंचायत एवं आंगनबाड़ी स्तर से भवन को डिस्मेंटल कराने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बताया जाता है कि पुराने भवन को डिस्मेंटल भी किया जा चुका है लेकिन अब तक नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। इसके चलते आंगनबाड़ी का संचालन अस्थायी व्यवस्था के तहत ही करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणों द्वारा कई बार संबंधित विभाग और शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है। ग्रामीणों ने महिला एवं बाल विकास विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक ३ के नवीन भवन की स्वीकृति प्रदान कराने तथा जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

भवन जर्जर हो चुका है प्लास्टर झड़ रहा है २००८ में बना था-दिलावंती बागड़े

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दिलावंती बागडे ने बताया की गर्राटोला केंद्र क्रमांक ३ यहां बच्चों को बैठाल कर खेल खिलौने की समस्या जा रही है। अतिरिक्त कक्ष स्कूल का है उसमें आंगनबाड़ी लग रहे हैं ,यहां पर हम कोई मैटर लिख नहीं सकते साफसफाई अपने तरफ से कर नहीं सकते दूसरे का कमरा है। हमारा भवन जर्जर हो चुका है प्लास्टर झड़ रहा है २००८ में यह बना था यह पूरा खराब हो गया है। इसकी सूचना हमने विभाग को दिए थे भवन स्वीकृत की भी हमें सूचना मिली है। यह भवन को डिस्मेंटल कर दिया गया है अभी सबसे बड़ी समस्या बच्चों की गतिविधि बनी हुई है जो नहीं हो पा रही है।

नया आंगनबाड़ी भवन बनने से बच्चों को सुविधा मिलेगी-रूपेंद्र सोनवाने

सरपंच रूपेंद्र सोनवाने ने बताया कि आंगनबाड़ी २००८ में भवन बना था जिसे डिस्मेंटल भी पंचायत के द्वारा कार्यवाही करके करवा दिया गया है। बैठने लायक यह बचा नहीं है स्कूल के एक कमरे में एक वर्ष से यह चल रहा है। गर्भवती धात्री महिलाएं जब आती है तो उठने बैठने की समस्या होती है हमने इसके लिए प्रस्ताव और सभी जरूरी कार्यवाही कर दी है। स्वीकृति अभी तक आई नहीं है अब १० वर्ष में यहां भवन क्यों खराब हो गया वह बनाने वाला बता पाएगा। हम तो यही चाहते हैं कि आंगनबाड़ी बने और बच्चों को सुविधा मिले।

क्षेत्र के विकास में कोई कमी नही होगी-प्रदीप जायसवाल

खड़गपुर ,उमरवाड़ा, धोबीटोला मंडई एवं लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुये प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम खड़गपुर, उमरवाड़ा एवं बुदबुदा के धोबीटोला में आयोजित मंडई मेले एवं लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की



तथा लोक परंपराओं और सांस्कृतिक आयोजनों में सहभागिता की। ग्राम उमरवाड़ा में ग्यारस मंडई के अवसर पर आयोजित लोक छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदीप जायसवाल ने समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों को देवउठनी एकादशी ग्यारस एवं तुलसी विवाह की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रदीप जायसवाल ने कहा कि मेले में मिलने वाली गरमा गरम जलेबी, सिंघाड़ा,पान और नमकीन जैसे पारंपरिक व्यंजन हमारी संस्कृति और बचपन की मीठी यादों का अभिन्न हिस्सा हैं। इन व्यंजनों को देखकर बच्चों के चेहरों पर दिखाई देने वाला उत्साह और खुशी ही मंडई मेले की असली खूबसूरती है। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करते रहने की बात कही। श्री जायसवाल ने कहा कि भगवान विष्णु के स्वरूप भगवान शालिग्राम एवं माता तुलसी के विवाह के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देवउठनी एकादशी एवं तुलसी विवाह के साथ ही चातुर्मास का समापन होता है और इसके पश्चात विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों की विधिवत शुरुआत मानी जाती है। तीनों ग्रामों में आयोजित इन आयोजनों के माध्यम से लोक संस्कृति पारंपरिक रीति रिवाजों एवं आपसी मेल मिलाप की झलक देखने को मिली। अंत में उन्होंने कामना की कि प्रभु श्री शालिग्राम एवं माता तुलसी की असीम कृपा समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों पर सदैव बनी रहे। तथा सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का वास हो। इस अवसर पर मनोज दांदरे , चित्रकुमार डहरवाल, दीपक आडे,देवेन्द्र धनकडे, शैलेश भलावी, जियालाल धनकडे,दिलीप डहरवाल, अंकेश भलावी,श्रीमती पूनम पांडे ,प्रवीण पांडे, चन्दनलाल टेंभरे, दीनदयाल रहांगडाले, मदनलाल रहांगडाले, दिनेश पटले,इंद्रेश टेंभरे,हंसराज कावरे , कचरूलाल पंचतीलक, सूरेश भवरे, अशोक पंजरे, सदेलाल मरठे,संपत वांगडे, योगिता कावरे , शीतल कावरे ,सावित्री चौहान, महेश जमरे, गुलाब मरठे, आशाराम मरठे,किशन पटले उपस्थित रहे।

मारपीट में ५८ वर्षीय व्यक्ति की मौत,परिजनों ने पड़ोसी पर लगाया हत्या का आरोप

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच, पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफकार्यवाही करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम गर्रा में २० नवंबर की सुबह घर में घुस कर मारपीट की घटना में 58 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान रमेश पिता मोतीलाल खरे के रूप में हुई है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पड़ोसी रेखलाल राघडे एवं उसके परिवार के सदस्यों पर मारपीट कर रमेश खरे की हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और न्याय दिलाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश पिता मोतीलाल खरे ग्राम गर्रा के वार्ड क्रमांक १८ में अपने परिवार के साथ निवास करते है। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं, रमेश खरे मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बताया जाता है कि २० नवंबर की सुबह वह प्रतिदिन की तरह अपनी दैनिक दिनचर्या पूरी करने के बाद बस्ती की ओर गए थे। वहां से वापस लौटने के बाद वह अपने घर के सामने बनी छपरी में बैठ गए। इसी दौरान सामने रहने वाले पड़ोसी रेखलाल राघडे अपने परिवार के सदस्यों के साथ रमेश के घर पहुंचे और रमेश खरे एवं उनकी पत्नी राजवंती खरे के साथ मारपीट शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार मारपीट के बाद रमेश खरे



की हालत बिगड़ गई। उन्हें उठाकर पानी पिलाने का प्रयास किया गया लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर मृतक के परिजनों ने पड़ोसी रेखलाल राघडे एवं उसके परिवार पर मारपीट कर रमेश खरे की जान लेने का आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। फिलहाल मामले में पुलिस की जांच जारी है तथा मौत के वास्तविक कारणों और घटना की परिस्थितियों का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

मेरे पति को घर में आकर मारा तभी मौत हो गई-राजवंती खरे

मृतक की पत्नी राजवंती खरे ने बताया कि रेखलाल राघडे के द्वारा मारपीट की गई उन्होंने मेरे पति को घर में आकर मारा है। करीब १० बजे यह बस्ती के तरफ गए हुए थे वहां से आए फिर सामने बैठे थे तो सामने घर वाले ने आकर उन्हें और मुझे बहुत मारपीट की। जबकि कोई रंजीश और झगड़ा नहीं था वह लोग अचानक ही गाली देने लगे मारपीट के बाद वह चले गये। फिर मैं आकर अपने पति को पानी पिलाने लगी तो वह नहीं पी रहे थे आसपास के लोगों ने भी देखें यही सामने उनकी मौत हो गई थी। मारपीट करने रेखलाल पूरे परिवार के साथ वानी वह उसकी बीवी और बच्चे सभी आए हुए थे। उनके द्वारा बैल जोड़ी खरीदी गई है उस पर मेरे पति ने कहा होगा कि तुमने बैल जोड़ी लाए हैं इसी बात को लेकर वह गाली देकर मारने लगा हमारे घर में आकर हमें न्याय चाहिए।

मेरे दादा को मेरे सामने ही लात से मारा-प्रेम खरे

प्रेम खरे ने बताया कि मृतक मेरे दादा है मैं स्कूल जाने के लिए घर से निकल रहा था तभी हमारे घर के सामने वाला रेखलाल राघडे परिवार के साथ में हमारे घर में आया और गाली देने लगा। जिसे उसके परिवार वाले ले जा रहे थे तो वह आक्रोश में गाली दे रहा था और उसने मेरे दादा को लात से मारा फिर मैं स्कूल चले गया। जहां १२ बजे मेरे पिताजी ने आकर बताया कि दादा की मौत हो चुकी है वह मुझे बुलाने आए थे।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि रमेश खरे के मामले में मर्ग जांच की जा रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी प्राप्त होने की है । जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उस आधार पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

विनोद यादव
थाना प्रभारी रामपायली

किसानों की समस्या को लेकर किसान गर्जना २३ नवंबर को बालाघाट में आक्रोश रैली और रेल रोको आंदोलन

मोदी की गारंटी याद दिलाने सड़कों पर उतरेंगे किसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। किसानों से चुनाव के दौरान किए गए वादों को लेकर अब किसान संगठनों का आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। धान खरीदी में ३१०० रुपये प्रति क्विंटल का वादा, तीन वर्षों से लंबित बोनस और खाद की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर किसान गर्जना संगठन ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन के द्वारा आगामी २३ नवंबर २०२६ को बालाघाट में किसान जन अधिकार आक्रोश रैली एवं रेल रोको आंदोलन करने का ऐलान किया गया है। इस आंदोलन को लेकर जिले के किसान संगठनों और धान उत्पादक किसानों में हलचल तेज हो गई है। किसान गर्जना संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किसानों से धान का ३१०० रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी करने का वादा किया गया था। आखिर किसानों से किया गया यह वादा कब पूरा होगा। किसानों को अब केवल घोषणाएं और आश्वासन नहीं, बल्कि उनकी उपज का उचित मूल्य चाहिए। संगठन ने मांग की है कि इस वर्ष धान खरीदी ३१०० रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाए तथा धान का समर्थन मूल्य बढ़ाकर ४५०० रुपये प्रति क्विंटल किया जाए। श्री नगपुरे ने कहा कि किसान गर्जना संगठन ने पिछले तीन वर्षों से किसानों



को मिलने वाली बकाया बोनस राशि का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। किसानों को बोनस देने का वादा किया गया था। लेकिन अब तक किसानों को उनका पूरा हक नहीं मिला है। आखिर कब तक किसान अपने ही हक की राशि के लिए इंतजार करते रहेंगे । संगठन ने तीन वर्षों की बकाया बोनस राशि तत्काल जारी करने की मांग की है। वहीं खाद की बढ़ती कीमतों पर भी पदाधिकारियों ने नाराजगी जताई ।एक तरफकिसानों को फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। वहीं दूसरी ओर खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है ।खाद के दाम बढ़ने से किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। संगठन ने खाद की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल कम करने की मांग उठाई। श्री नगपुरे ने कहा कि देश का अन्नदाता आज अपनी मेहनत की फसल का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष करने को मजबूर है। तीन वर्षों से किसान सरकार के वादों के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। चुनाव के समय किए गए वादे यदि किसानों के हित में थे तो उन्हें जमीन पर उतारने में देरी क्यों हो रही है। किसानों की मांगों को लेकर आवाज बुलंद की जाएगी और सरकार को किसानों के सवालों का जवाब देना चाहिए। किसान गर्जना संगठन ने जिले के समस्त धान उत्पादक किसान भाइयों माताओं बहनों नौजवान साथियों और बुजुर्ग किसानों से २३ नवंबर को बालाघाट पहुंचकर आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द चौधरी, जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे, जिला उपाध्यक्ष भारत शिवरे ,ब्लॉक प्रभारी डेविड सेलोकर ने की है।

मंडई मनोरंजन का साधन नही बल्कि हमारी लोक संस्कृति की पहचान है -विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्रामीण अंचलों में चली आ रही मंडई की परंपरा आज भी लोक संस्कृति,सामाजिक एकता और आपसी भाई चारे की जीवंत पहचान बनी हुई है। इसी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई के अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम किए जा रहे है। कार्यक्रम को देखने बड़ी संख्या में आसपास के लोग पहुंच रहे है। दीपावली पर्व के दूसरे दिन से ग्राम में मंडई का दौर शुरू हो जाता है। इसी के तहत ग्राम पंचायत बुदबुदा और उमरवाड़ा में लोकनृत्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस दौरान विधायक विवेक पटेल, पप्पू बिसेन,हंसराज कावरे, पूनम पांडे, राजकुमार चौधरी,संदेश बिसेन,मनोप धुवारे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि मंडई केवल मनोरंजन नहीं बल्कि हमारी लोक संस्कृति और परम्पराओं एकता की पहचान है। ग्रामीण क्षेत्रों में मड़ई का विशेष महत्व रहता है यह परम्परा पीढ़ियों से लोगो को आपस में जोड़ने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का काम कर रही है। आधुनिकता के इस दौर में ऐसे पारंपरिक आयोजन की महत्ता और भी बढ़ जाती है। मंडई जैसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, रिजी रिवाजों और परम्पराओं को जोड़ने का माध्यम है। गाँव की असली पहचान मंडई है,जो दर्शाती है कि गांव में अभी



भी भाई चारा बना हुआ है। वहीं उन्होंने कहा कि मंडई मेले के माध्यम से मुझे ग्राम में पहुँचकर समस्याओं के बारे में पता चलता है। ग्राम में क्या काम करवाना है। पहले घरों में बैठकर काम तय होते थे मगर अब गांव की जनता जो काम करने बोलती है। उन्हीं के बताए अनुसार ग्राम में विकास कार्य किए जा रहे हैं।

सोनपुर मेला:हरिहर क्षेत्र की आस्था और सनातन परंपरा

भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में कुछ ऐसे स्थल हैं, जहां प्रकृति, आस्था और लोककौशल इस तरह घुले-मिले हैं कि उनका महत्व किसी एक धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रह जाता। बिहार का सोनपुर ऐसा ही एक पवित्र स्थल है। गंगा और गंडक नदियों के संगम के निकट स्थित हरिहर क्षेत्र सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। यहां लगने वाला सोनपुर मेला केवल पशु व्यापार, ग्रामीण बाजार और मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि सनातन परंपरा, पौराणिक स्मृतियों, तीर्थ-संस्कृति और लोकविश्वासों का विराट उत्सव है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यहां उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि आधुनिक समय में भी धार्मिक आस्था भारतीय समाज के जीवन का महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। सोनपुर की धार्मिक पहचान हरिहर क्षेत्र के रूप में है। हरिहर शब्द अपने भीतर भगवान विष्णु और भगवान शिव, दोनों की उपासना का भाव समेटे हुए है। हरि विष्णु के लिए और हर शिव के लिए प्रयुक्त होता है। इस प्रकार हरिहरनाथ मंदिर धार्मिक समन्वय और एकात्मता का प्रतीक है। यहां भगवान विष्णु और शिव के संयुक्त स्वरूप की आराधना की परंपरा रही है। भारतीय धार्मिक दर्शन में यह समन्वय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अलग-अलग उपासना पद्धतियों के बीच एकता और सह-अस्तित्व का संदेश देता है। सोनपुर का हरिहर क्षेत्र इसी उदार धार्मिक चेतना का जीवंत उदाहरण है। हरिहर क्षेत्र की पौराणिक पृष्ठभूमि में गज और ग्राह की कथा का विशेष स्थान है। भागवत पुराण में वर्णित गजेंद्र मोक्ष की कथा के अनुसार, एक हाथी जब मगरमच्छ के पंजे में फंसकर असहाय हो गया, तब उसने भगवान विष्णु को पुकारा। भक्त की पुकार सुनकर भगवान विष्णु ने प्रकट होकर उसे संकट से मुक्त किया। इस कथा को भक्ति, समर्पण और ईश्वर की शरण में जाने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। स्थानीय मान्यताओं और इस क्षेत्र से जुड़ी लोककथाओं में गज-ग्राह प्रसंग को हरिहर क्षेत्र की महिमा से जोड़ा जाता है। कुछ व्याख्याओं में इसे हरि और हर अर्थात विष्णु और शिव के समन्वय के रूप में भी देखा गया है। इस कथा का महत्व केवल एक हाथी को संकट से मुक्त कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ईश्वर की करुणा और भक्त की पुकार के प्रति उसकी संवेदनशीलता का संदेश देती है। हरि और हर की एकात्मता के पीछे धार्मिक समन्वय की एक व्यापक परंपरा भी दिखाई देती है। भारतीय धार्मिक इतिहास में वैष्णव और शैव उपासना पद्धतियों का अपना-अपना प्रभाव रहा है। दोनों परंपराओं के अनुयायियों ने अपने आराध्य की महत्ता स्थापित करने के लिए दार्शनिक और धार्मिक विमर्श किए। कहीं-कहीं मतभेद और प्रतिस्पर्धा भी दिखाई देती है। इसी पृष्ठभूमि में हरिहर की अवधारणा को दोनों संप्रदायों के बीच समन्वय का प्रतीक माना जा सकता है। एक प्रचलित स्थानीय व्याख्या इस समन्वय को गुसकाल से जोड़ती है। इसके अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सोनपुर के गंडक तट पर वैष्णव और शैव आचार्यों का एक बड़ा सम्मेलन हुआ था, जिसमें विष्णु और शिव को एक ही परम सत्ता के अलग-अलग स्वरूप मानने की भावना को प्रतिष्ठित किया गया। यह भी कहा जाता है कि इसी धार्मिक समन्वय की स्मृति में हरिहरनाथ मंदिर में दोनों देवताओं के संयुक्त स्वरूप की आराधना की परंपरा विकसित हुई। हालांकि इस सम्मेलन और मंदिर की स्थापना के इस विशिष्ट विवरण की स्वतंत्र ऐतिहासिक पुष्टि आवश्यक है, लेकिन यह मान्यता हरिहर क्षेत्र की धार्मिक चेतना को समझने में महत्वपूर्ण है। हरिहरनाथ मंदिर इस क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा और गंडक के संगम में स्नान करने के बाद श्रद्धालु हरिहरनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं।

रेलवे के विकास मॉडल पर कैग का महाविस्फोट!

वैश्विक स्तरपर भारत में रेलवे केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि देश की आर्थिक जीवनरेखा सामाजिक संपर्क का माध्यम और करोड़ों परिवारों की यात्रा का आधार है पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की नई गाथा देने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस अमृत भारत एक्सप्रेस नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र परिवहन सेवा तथा आधुनिक वंदे मेट्रो यानें नमो भारत रैपिड रेल जैसी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। फिर इसके साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, आधुनिक प्लेटफॉर्म,वेहतर यात्री सुविधाओं और डिजिटल सुविधाओं पर जोर दिया जा रहा है।प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और विभिन्न रत्नों के मुख्यमंत्री इन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शुभारंभ के माध्यम से आधुनिक भारत के रेलवे की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं।निर्विवाद रूप से ये उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन में एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा किसीमहान दिनांक 16 नवंबर 2026 को आए सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णायक जजमेंट ने इसी चमकदार तस्वीर के पीछे छिपी खुनियादी सुविधाओं की वास्तविक स्थिति ने अब राष्ट्रीय स्तरपर एक गंभीर बहस छेड़ दी है।इस मामले की कानूनी पहचान सर्वोच्च न्यायालय की 16 नवंबर 2026 की आधिकारिक वाद सूची में डब्ल्यू.पी.(सी.) नंबर 1247/2026,कृष्णकांत बनाम भारत संघ एवं अन्य के रूप में दर्ज है।यह मुख्य न्यायाधीश की अदालत में क्रमांक 12 पर सूचीबद्ध था।आधिकारिक वाद सूची में प्रतिवादी के रूप में भारत संघ एवं अन्य दर्ज हैं। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सहित तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष हुई।16 नवंबर 2026 को उपलब्ध समाचार रिपोर्टों के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका का निपटारा करते हुए रेल मंत्रालय को रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक यात्री सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा कैग की ऑडिट रिपोर्ट में दिए गए सुझावों और सिफारिशों को लागू करने का निर्देश दिया।सवाल यह है कि जिस रेलवे में अत्याधुनिक ट्रेनें दौड़ रही हों,वहां यात्री को पीने का सुरक्षित पानी,बैठने के लिए पर्याप्त जगह और स्वच्छ शौचालय तक उपलब्ध नहीं हो,तो उस आधुनिकीकरण की प्राथमिकताओं का मूल्यांकन सटिका से कैसे किया जाए?

साथियों बात अगर हम 16 नवंबर 2026सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण हस्तक्षेप और मामले की कानूनी पहचान को समझने की करें तो,अब इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण न्यायिक पक्ष सामने आता है। कैग की रिपोर्ट के आधार पर रेलवे स्टेशनों पर बुनियादी यात्री सुविधाओं की कमी, असुरक्षित पेयजल, शौचालयों की बदहाली, कचरा प्रबंधन और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को लेकर कृष्णकांत नामक याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल की थी।याचिका में केवल सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग नहीं की गई थी, बल्कि पेयजल की नियमित बैक्टीरियोलॉजिकल और रासायनिक जांच, ई-कोलाई तथा अन्य दूषित तत्वों की पहचान, असुरक्षित जल स्रोतों को तत्काल बंद करके वैकल्पिक सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने, शौचालयों की नियमित सफाई,कचरा प्रबंधन चिकित्सा सहायता और दिव्यांग यात्रियों को सुविधाओं के लिए समयबद्ध सुधार व्यवस्था की मांग भी उठाई गई थी। इसके साथ ही लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और पारदर्शी निगरानी तंत्र विकसित करने का मुद्दा भी उठाया गया था।यहां एक कानूनी तथ्य स्पष्ट करना आवश्यक है कि सर्वोच्च न्यायालय का याचिका निपटाने का निर्देश और कैग की रिपोर्ट की प्रत्येक सिफारिश पर अलग- अलग समय-सीमा निर्धारित करना दो अलग बातें हैं। उपलब्ध समाचारों में मंत्रालय को सुविधाएं सुनिश्चित करने और कैग की सिफारिशें लागू करने का निर्देश बताया गया है। इसलिए इसे प्रत्येक कमी के लिए न्यायालय द्वारा अलग समय-सीमा अथवा अधिकारियों के विरुद्ध दंड निर्धारित करने वाला आदेश नहीं समझना चाहिए। साथियों बात अगर हम कैग की रिपोर्ट संख्या 31, 2026 ने खोली रेलवे की बुनियादी सुविधाओं की पोल को समझने की करें तो,इस पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक अर्थात कैग की रिपोर्ट संख्या 31, 2026 है।इसका आधिकारिक शीर्षक पैसेंजर अमेनिटीज एंड सनिटेशन एट नॉन - सुबर्बन रेलवे स्टेशन्स इन इंडियन रेलवे? है।यह रिपोर्ट रेल मंत्रालय के अंतर्गत गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और स्वच्छता की स्थिति का अनुपालन ऑडिट है। इसे 12 अगस्त 2026 को लोकसभा और राज्यसभा के पटल पर रखा गया था।ऑडिट में वर्ष 2019-20 से 2023-24 की अवधि की गतिविधियों की जांचकी गई तथा आवश्यकता के अनुसार कुछ अन्य वर्षों के उदाहरण भी शामिल किए गए।यह सर्वेक्षण देश के 16 रेलवे जोनों के 512 चयनित रेलवे स्टेशनों पर किया गया था।रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि जांच किए गए 512 स्टेशनों में से 458 स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक यात्री सुविधाओं में एक या उससे अधिक की कमी पाई गई। दूसरे शब्दों में 89 प्रतिशत से अधिक स्टेशन निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इसके विपरीत केवल 54 स्टेशन,अर्थात लगभग 11 प्रतिशत स्टेशन, ऐसे थे जहां सभी निर्धारित न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध थीं। इसका अर्थ यह नहीं है कि 458 स्टेशनों पर कोई भी सुविधा नहीं थी, बल्कि यह है कि वहां एक या अधिक आवश्यक सुविधाएं अनुपस्थित थीं अथवा निर्धारित मानक से कम थीं। यह अंतर समझना भी जरूरी है, ताकि रिपोर्ट के निष्कर्षों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत न किया जाए। साथियों बात अगर हम पेयजल से लेकर पंखों तक, यात्रियों की रोजमर्रा की परेशानियां इसको समझने की करें तो,कैग ने जिन न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की जांच की, उनमें पेयजल, पानी के नल, वाटर कूलर, यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, प्रतीक्षालय प्लेटफॉर्म शेल्टर,पंखे, शौचालय, मूत्रालय, घड़ियां, कूड़ेदान और सूचना संकेतक प्रमुख हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 42 प्रतिशत स्टेशनों पर पंखों की कमी, 40 प्रतिशत पर वाटर कूलर की कमी, 27 प्रतिशत परपेयजल नलों की कमी और 22 प्रतिशत पर मूत्रालयों की कमी सामने आई। इसके अलावा 15 प्रतिशत स्टेशनों पर बैठने की व्यवस्था, 13 प्रतिशत पर प्लेटफॉर्म शेल्टर और 12 प्रतिशत पर शौचालयों की निर्धारित उपलब्धता में कमी पाई गई। ये आंकड़े बताते हैं किसमस्या केवल किसी एक छोटे स्टेशन अथवा किसी एक रेलवे जोन तक सीमित नहीं है,बल्कि विभिन्न श्रेणियों के स्टेशनों में यात्री सुविधाओं के नियोजन, उपलब्धता और रखरखाव से सटीकता से जुड़ी व्यापक चुनौती है। साथियों बात अगर हम सबसे गंभीर चिंता वाटर कूलर के पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया को समझने की करें तो इस रिपोर्ट का सबसे संवेदनशील और स्वास्थ्य को दृष्टि से चिंताजनक पहलू पेयजल की गुणवत्ता है। कैग ने पाया कि निर्धारित समयावधि के अनुसार पानी की जांच नहीं की जा रही थी। कई स्थानों पर बैक्टीरियोलॉजिकल और रासायनिक परीक्षणों में भी कमियां थीं। रिपोर्ट में आठ स्टेशनों के वाटर कूलर के पानी के नमूनों में ई- कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि दर्ज की गई। इनमें दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद, मध्य रेलवे के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, भिवंडी रोड, कल्याण और लोनावला, दक्षिण रेलवे के कोयंबटूर और पलक्कड़ जंक्शन तथा पूर्व रेलवे के मधुपुर स्टेशन शामिल थे। इसके अतिरिक्त 2022-23 में 49 स्टेशनों तथा 2023-24 में 56 स्टेशनों के नल के पानी के नमूनों में टोटल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पाए जाने की जानकारी दी गई। यह केवल सुविधा की कमी नहीं, बल्कि यात्रियों के स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वच्छता से जुड़ा गंभीर विषय है। साथियों बात अगर हम शौचालयों की बदहाली और 441 स्टेशनों पर आपातकालीन चिकित्सा का अभाव को समझने की करें तो,रिपोर्ट के अनुसार 512 में से 15 रेलवे स्टेशनों पर एक भी कार्यशील शौचालय उपलब्ध नहीं था। इसके अतिरिक्त 144 स्टेशनों के 334 प्लेटफॉर्मों पर ये पेड़ युज शौचालय भी सुविधा नहीं थी। इनमें से 229 प्लेटफॉर्म ऐसे थे जहां न तो ये एंड वुज और न ही रेलवे द्वारा संचालित शौचालय सुविधाएं के उपयोग के लिए उपलब्ध था। महिलाओं के लिए अलग शौचालय और अन्य स्वच्छता सुविधाओं में भी कमियां सामने आईं। लेकिन इससे भी अधिक गंभीर तथ्य यह है कि 441 रेलवे स्टेशनों पर न तो आपातकालीन चिकित्सा कक्ष उपलब्ध था और न ही निर्धारित चिकित्सा सहायता बॉक्स। केवल 17 स्टेशनोंपर एआईआईएमएस की सिफारिशों के अनुरूप चिकित्सा कक्ष और मेडिकल बॉक्स दोनों उपलब्ध थे। इसका सीधा अर्थ है कि किसी यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ने अथवा दुर्घटना की स्थिति में रेलवे स्टेशनों पर तत्काल चिकित्सा सहायता की व्यवस्था बेहद कमजोर पाई गई। साथियों बात अगर हम दिव्यांग यात्रियों की सुविधाओं पर भी गंभीर सवाल की समझने की करें तो,कैग ने दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की भी जांच की। 512 स्टेशनों में से 12 पर व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं थीं। दिव्यांग यात्रियों के लिए 159 प्रमुख श्रेणी के स्टेशनों में से 133 पर ट्रेन में चढ़ने और उतरने के लिए निर्धारित पोर्टेबल रैंप उपलब्ध नहीं थे।

इसके अलावा दिव्यांग अनुकूल शौचालय, स्पर्श आधारित मार्ग, ग्राफिकता वाली बैठने की व्यवस्था और कम ऊंचाई वाले टिकट काउंटर जैसी सुविधाओं में भी कमियां दर्ज की गईं। रिपोर्ट में 5,920 स्टेशनों के व्यापक आंकड़ों के आधार पर 1,759 स्टेशनों पर दिव्यांग अनुकूल शौचालय अनुपलब्ध अथवा मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। यह स्थिति हमें याद दिलाती है कि आधुनिक रेलवे का मूल्यांकन केवल तेज गति से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाएं और बच्चे कितनी सहजता एवं सम्मान के साथ सटिका से यात्रा कर सकते हैं। साथियों बात अगर हम रू.5,956 करोड़ खर्च नहीं हुए, फिर भी सुविधाओं की कमी क्यों? इसको समझने की करें तो,इस पूरे मामले का सबसे बड़ा आर्थिक विरोधाभास यात्री सुविधाओं के लिए आवंटित बजट के उपयोग में दिखाई देता है। कैग के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक यात्री सुविधाओं के लिए आवंटित बजट का 36 से 44 प्रतिशत हिस्सा खर्च नहीं हो पाया। विशेष रूप से 2023-24 में लगभग रू 5,956 करोड़ अर्थात आवंटित बजट का 42 प्रतिशत उपयोग नहीं किया गया। पांच वर्षों के आंकड़े क्रमशः 2019-20 में रू.1,403 करोड़, 2020-21 में रू.1,499 करोड़, 2021-22 में ?1,423 करोड़, 2022-23 में रू.1,198 करोड़ और 2023-24 में ?5,956 करोड़ के कम उपयोग को दर्शाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि केवल बजट आवंटित कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

विदेश की धरती से भारत की कमियां गिनाने के बजाय राहुल गांधी देश को बताएं समाधान का रास्ता

-कांतिलाल मांडोत

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना, जनता की समस्याओं को सामने लाना और सत्ता को जवाबदेह बनाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन विपक्ष की राजनीति केवल आलोचना और आरोपों तक सीमित रह जाए तो जनता के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठने लगते हैं। देश को केवल यह बताने से काम नहीं चलेगा कि समस्याएं कितनी हैं, बल्कि यह भी बताना होगा कि उनका समाधान कैसे होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। वहां उन्होंने भारत में बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि देश के युवाओं को भविष्य की चिंता सता रही है और चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता को लेकर सवाल हैं। इन मुद्दों पर चर्चा होना जरूरी है, क्योंकि बेरोजगारी और चुनावी निष्पक्षता लोकतंत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या देश की समस्याओं को विदेश में गिनाने से उनका समाधान निकल आएगा? क्या राहुल गांधी के पास इन समस्याओं को दूर करने की कोई ठोस योजना भी है?

पिछले ग्यारह वर्षों में राहुल गांधी कई बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं। अलग-अलग अवसरों पर उन्होंने नौरबेदी, जीएसटी, बेरोजगारी, महंगाई, कश्मीर, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर अपनी बात रखी है। लोकतंत्र में किसी भी नेता को अपनी राय रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन जब कोई राष्ट्रीय स्तर का नेता विदेश में भारत की व्यवस्था पर लगातार सवाल उठाता है तो उससे यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह देश की उपलब्धियों और संभावनाओं को भी सामने रखे। भारत केवल समस्याओं से घिरा देश नहीं है। यहां विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान, सड़क, रेल और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। भारतीय युवा दुनिया के अनेक देशों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। इन उपलब्धियों को स्वीकार करना किसी सरकार का समर्थन करना नहीं, बल्कि देश की प्रगति को पहचानना है।

राहुल गांधी बेरोजगारी की बात करते हैं तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि कांग्रेस के पास इसका क्या समाधान है। युवाओं को रोजगार चाहिए, केवल भाषण नहीं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, कौशल विकास, उद्योगों का विस्तार और छोटे कारोबार को प्रोत्साहन देना समय की आवश्यकता है। सरकार से रोजगार के आंकड़ों और रिक्त पदों पर सवाल पूछना उचित है, लेकिन विपक्ष को भी अपनी रोजगार नीति जनता के सामने रखनी चाहिए। कांग्रेस यह बताए कि सत्ता में आने पर वह कितने रोजगार के अवसर पैदा करेगी और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए क्या कदम उठाएगी। केवल निराशा का वातावरण बनाने से युवाओं का विश्वास नहीं जीता जा सकता। इसी तरह राहुल गांधी ने मतदाता सूची और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए हैं। चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए और निर्वाचन आयोग को हर उचित सवाल का जवाब देना चाहिए। लेकिन किसी भी संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाने से पहले उसके समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करना भी जरूरी है। यदि कांग्रेस के पास मतदाता सूची में गड़बड़ी या चुनावी अनियमितता से जुड़े दस्तावेज हैं तो उन्हें निर्वाचन आयोग के सामने रखना चाहिए। जरूरत पड़ने पर न्यायालय का रास्ता अपनाना चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाने की स्वतंत्रता के साथ प्रमाण देने की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। बिना ठोस आधार के बार-बार संदेह जताने से मतदाताओं के मन में भ्रम पैदा हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की आलोचना करना राहुल गांधी के लिए नया नहीं है। राजनीतिक विरोध और वैचारिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया हैं। कांग्रेस की अपनी विचारधारा है और उसे उसे जनता के सामने रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन हर मुद्दे को मोदी, शाह या संघ के विरोध से जोड़ देने से जनता की मूल समस्याओं पर चर्चा कमजोर पड़ जाती है। देश की राजनीति व्यक्तियों के विरोध से आगे बढ़कर नीतियों और विकास के विकल्पों पर केंद्रित होनी चाहिए।यहां एक बड़ा सवाल कांग्रेस नेतृत्व से भी है। राहुल गांधी के बयानों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता आखिर चुप क्यों रहते हैं? क्या कांग्रेस में कोई ऐसा मंच नहीं है जहां विदेश में दिए गए बयानों की समीक्षा हो सके? क्या पार्टी नेतृत्व यह नहीं देखता कि इस तरह के बयानों से आम मतदाता के बीच क्या संदेश जाता है? किसी भी राजनीतिक दल में नेतृत्व की बात महत्वपूर्ण होती है, लेकिन पार्टी की सामूहिक जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। कांग्रेस को अपने नेता के हर बयान का समर्थन करने के बजाय तथ्यों के आधार पर आत्ममंथन करना चाहिए। यदि किसी बयान से देश के भीतर या बाहर गलत संदेश जाता है तो उस पर स्पष्टता देना पार्टी का दायित्व है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता का विश्वास दोबारा हासिल करने की है। 2014 से पहले अष्टाचार के अनेक आरोप और विवाद तत्कालीन सरकार के सामने बड़ी चुनौती बन गए थे। जनता ने चुनाव में अपना निर्णय सुनाया और सत्ता परिवर्तन हुआ। इसके बाद भी कांग्रेस अपने संगठन और राजनीतिक कार्यशैली में अपेक्षित बदलाव नहीं कर पाई। केवल प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करने से पार्टी का खोया जनाधार वापस नहीं आने वाला। जनता को यह जानना है कि कांग्रेस के पास देश के विकास, रोजगार, शिक्षा, किसान, मजदूर और मध्यमवर्ग के लिए कौन सी नई योजनाएं हैं। राजनीति में विरोध करना आसान है, लेकिन जनता के सामने भरोसेमंद विकल्प रखना कठिन जिम्मेदारी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि मतदाता अब केवल भाषण सुनकर निर्णय नहीं करता। वह काम, नेतृत्व, नीतियों और भविष्य की योजनाओं को भी देखता है। विदेश में जाकर भारत की कमियां गिनाने के बजाय उन्हें यह बताना चाहिए कि उन कमियों को दूर करने के लिए उनकी पार्टी क्या करेगी। सरकार को भी आलोचनाओं का जवाब तथ्यों और अपने काम के आधार पर देना चाहिए। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी जगह है। देश की छवि किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। सरकार की गलतियों पर सवाल उठना चाहिए और विपक्ष की गलतियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लगातार आरोप लगाने से मतदाताओं का दिल नहीं जीता जा सकता। कांग्रेस को भी अपने नेतृत्व से यह सवाल पूछना चाहिए कि आखिर पार्टी देश को कौन सा रास्ता दिखाना चाहती है। जनता को आरोपों की राजनीति नहीं, समाधान की राजनीति चाहिए। अब समय आ गया है कि राहुल गांधी केवल समस्याओं की सूची पेश करने के बजाय उनका व्यावहारिक समाधान बताएं। लोकतंत्र में वही नेतृत्व लंबे समय तक जनता का विश्वास हासिल करता है, जो सवाल उठाने के साथ जवाब और विकल्प देने की क्षमता भी रखता हो।

जेलें मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केन्द्र बने

किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपराधियों को कितनी कठोर सजा देता है, बल्कि इससे होती है कि वह अपराध करने वाले मनुष्य को सुधारने के कितने अवसर देता है। अपराध की गंभीरता को कम करना न्याय नहीं है, लेकिन अपराधी को हमेशा अपराध की पहचान से बांध देना भी न्याय की पूर्ण अवधारणा नहीं हो सकती। सजा आवश्यक है, किंतु सजा का अंतिम उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, सुधार, नवनिर्माण और समाज की सुरक्षा होना चाहिए। इसी मानवीय दृष्टि से अब समय आ गया है कि भारत की जेल व्यवस्था को एक नई सोच, नई भाषा और नई कार्यप्रणाली दी जाए। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य की सभी जेलों में 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेलों की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों को निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मग्लानि और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था। इसे केवल किसी न्यायिक निर्देश की अनुपालना मानकर सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि जेल सुधार की व्यापक राष्ट्रीय नीति का प्रारंभिक बिंदु बनाया जाना चाहिए।

जेल शब्द ही हमारी मानसिकता का दर्पण है। 'जेल' सुनते ही हमारे मन में बंद दीवारें, सलाखें, अपराध, सजा और भय की तस्वीर उभरती है। क्या हम इस संस्थान को ऐसी भाषा दे सकते हैं, जो सुधार की संभावना को सामने रखे? 'सुधारगृह', 'पुनर्वास केंद्र', 'मानव पुनर्निर्माण केंद्र', 'नवजीवन केंद्र' अथवा 'मानव सुधार एवं पुनर्वास गृह' जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। नाम बदलना मात्र प्रतीकात्मक कार्य नहीं होगा, यदि उसके साथ कार्यसंस्कृति भी बदले। दीवारों पर लिखे शब्द बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। व्यवस्था तब बदलती है जब उसके पीछे की सोच बदलती है। भारत की जेल व्यवस्था आज अनेक चुनौतियों से घिरी है। क्षमता से अधिक बंदी, बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी, कर्मचारियों की कमी, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, अपर्याप्त पुनर्वास व्यवस्था तथा कभी-कभी भेदभाव और दुर्व्यवहार की शिकायतें यह बताती हैं कि केवल कारागार भवनों का विस्तार पर्याप्त नहीं है। हमें 'अपराध प्रबंधन' से आगे बढ़कर 'मानव पुनर्निर्माण' की व्यवस्था विकसित करनी होगी।



जेल में बंद व्यक्ति अपराध कर सकता है, लेकिन वह केवल अपराध नहीं है। उसके भीतर एक मनुष्य भी है-जिसमें विचार बदलने, पश्चाताप करने, सीखने और नया जीवन शुरू करने की क्षमता हो सकती है। न्याय व्यवस्था उसके अपराध का निर्धारण करती है, लेकिन सुधार व्यवस्था उसके भविष्य की संभावना तलाश सकती है। इसलिए जेल प्रशासन को सुरक्षा और अनुशासन के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी सक्रिय होना चाहिए। यहीं से 'सुधारगृह' की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रत्येक जेल में अच्छी पुस्तकालय व्यवस्था हो, नियमित खेलकूद हों, योग और ध्यान की गतिविधियां हों, प्रेरक व्याख्यान हों, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण हो, संगीत, कला, लेखन और संस्कृति जैसी रचनात्मक गतिविधियां हों। कैदियों के लिए व्यक्तित्व विकास, क्रोध-प्रबंधन, नशामुक्ति, पारिवारिक संबंध, नैतिक शिक्षा और जीवन-कौशल की कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्हें केवल यह न बताया जाए कि उन्होंने क्या गलत किया, बल्कि यह भी सिखाया जाए कि अब उन्हें सही दिशा में कैसे आगे बढ़ना है।

इस संदर्भ में भारत के अणुव्रत आंदोलन का अनुभव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आचार्य तुलसी के नेतृत्व में अणुव्रत आंदोलन ने प्रारंभ से ही स्वयंके भीतर नैतिक चेतना जगाने को परिवर्तन का आधार माना। जेलों में भी अणुव्रत के माध्यम से नैतिक जागरण, आत्मचिंतन, ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जुड़े कार्यक्रम चलाए गए। इसका मूल संदेश था कि मनुष्य को केवल उसके अतीत से नहीं, उसके परिवर्तन की संभावना से भी देखा जाना चाहिए। यह अनुभव आज की जेल सुधार नीति के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा बन सकता है। अपराध से लड़ने का एक रास्ता कठोरता है, लेकिन उससे अधिक स्थायी रास्ता चेतना का परिवर्तन है। जिस व्यक्ति को पुस्तक पढ़ने, किसी विद्वान को सुनने, ध्यान करने, योग सीखने, कोई हुनर विकसित करने और अपने जीवन पर विचार करने का अवसर मिलता है, उसके भीतर परिवर्तन के द्वार खुल सकते हैं। जेल में बंद व्यक्ति को समाज से काटकर रखना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उसे मानवीय समाज से पूरी तरह विमुख कर देना आवश्यक नहीं है। 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' की नई व्यवस्था को भी इसी व्यापक दृष्टि से जोड़ा जाना चाहिए। बोर्ड केवल निरीक्षण करने वाला निकाय न हो, बल्कि जेल सुधार का संवेदनशील प्रहरी बने। वह बंदियों से सीधे संवाद करे, उनकी शिकायतें सुने, स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति देखे, कानूनी सहायता की उपलब्धता जांचे और पुनर्वास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करे। उसकी रिपोर्टें के आधार पर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किए जाएं। यदि संभव हो तो नागरिक समाज, शिक्षा, मनोविज्ञान, चिकित्सा, विधि, खेल, योग, आध्यात्म और सामाजिक सेवा से जुड़े विशेषज्ञों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए। साथ ही, विचाराधीन बंदियों की समस्या को अलग प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जिसका अपराध अभी सिद्ध ही नहीं हुआ, उसके लंबे कारावास को न्याय के व्यापक उद्देश्य के संदर्भ में देखना होगा। त्वरित न्याय, प्रभावी कानूनी सहायता, जमानत व्यवस्था और वैकल्पिक उपायों को मजबूत किए बिना जेलों की भीड़ कम करना कठिन होगा। सरकार को अब राष्ट्रीय 'जेल सुधारगृह कार्ययोजना' जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक जेल के लिए सुधार का वार्षिक लक्ष्य तय हो। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, योग, ध्यान, खेल, पुस्तकालय, परिवार से संवाद और रिहाई के बाद पुनर्वास-इन सभी को एकीकृत योजना का हिस्सा बनाया जाए। जेल से ब

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सामान्य कारोबार के बीच शनिवार को दलहनों में चना मामूली लदक कर रहा। तुअर व उड़द में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में खोपरा गोला मजबूत नजर आया। जीरे और सौंफ में भी सुर्खी रही। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में रायडा और सरसो में मजबूती बनी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में व्यापार सामान्य ही है। मॉग में ठहराव से बाजार मंदी के रहे। तुअर व उड़द में बाजार मजबूत नजर आये। उधर, किराना जिंसों में खोपरा गोला मजबूत रहा। सौंफ व जीरे में व्यापार अच्छा रहा। बाजार सुर्खी पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार विशेष का अभाव रहा। तिलहनों में सरसो और रायडा बाजार तेजी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5450-5600, खोपरा गोला 370-440, खोपरा चूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा 315-325, मौंडियम 335-345, बेस्ट 360-365, हल्दी निजामाबाद 325-350, सांगली 385-400, साबुदाना हल्का 5200-5350, मौंडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सब्जा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 181-191, बेस्ट 200-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 275-325, सौंफ बारिक 175-275, बेस्ट 300-375, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 860-880, गारबल्ड 800-830, मटरदाना 890-911, खसखस अनक्लीन 800-850, क्लीन 1125-1375, दालचीनी 260-265, जायफल 800-825, वाशान फूल 360-375, बेस्ट 425-475, शाहजीरा 975-1050, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 275-350, बेस्ट 450-550, जावत्री 2450-2750, केसर 200-250, नाग केसर 1450, मौंदी 375-475, धोली मुसली 950-1050, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (चनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीद्रा 180-200, हरी इलायची जॉकर 3250-3350, मौंडियम 3425-3525, बेस्ट 3750-3825, एक्ट्रा बेस्ट 3875-3925, पानबार 3050-3100, बड़ी इलायची 1575-1625, बेस्ट 1675-1750, एक्स्ट्रा बेस्ट 1825-1925, तरबूज मगज 650-670, काजू (240) 1025-1050, काजू (320) 925-970, काजू एस.एस. डब्ल्यू 890-911, काजू जे.एच. 860-875, टुकड़ी 830-840, बादाम मगज 1225-1275, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जदौल 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, ईंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 875-1075, बेस्ट 1150-1275, खारक एवरेज 75-80, मौंडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 467S (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100-3150, (160) 3300-3350, (200) 3400-3450, (250) 3800-3850,

तेल- सींगदाना 1840-1850, मुम्बई 1860, राजकोट तेलिया 2880, सोया सालवेंट 1330-1340, सोया रिफाईंड 1440, कपास्या 1350-1360, धुलिया 1360, कढ़ी 1365,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1825, मुम्बई पाम 1310, मुम्बई सोया 1440,

खली- कपास्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2660, देवास-उज्जैन 2660, खंडवा-बुरहानपुर 2440, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9300, रायडा 8600-9000, सोयाबीन 7300-7500, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना काटेवाला बेस्ट 7700, विशाल 7600, काबुली चना डॉलर 9500-10700, काबुली चना रशिया 7500-7700, चिटकी 7200-7400, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8900-9000, एवरेज 8600-8700, हल्की 8400-8500, महाराष्ट्र सफेद 9600-9800, महाराष्ट्र लाल 10000-10200, उड़द बेस्ट 9400-9500, एवरेज 9200-9300, रौविटी क्लीन 9500-10000, उड़द हल्की 8500-9000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मौंडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मौंडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2800-2900, लोकवन 3200-3400, मालवराज 3000-3050, गेहूँ पूणा एवरेज 2800-2850, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2850-3000,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 5500-6000, राजभोग 7500, काली मुंछ डिलर फिन 9500-10000, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-9000, मोगरा 5500-7500, तिवार 11000-12000, बासमती (921) 13000-14000, बासमती सेला 8500-10500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 480, उज्जैन 400, रतलाम 380 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 153000, चाँदी (99) 152800, टंच 152200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 126500,

सरकारी आईटी खरीद में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने सरकारी खरीद में मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब लैपटॉप, डेस्कटॉप और सर्वर सहित छह प्रमुख आईटी हार्डवेयर उत्पादों की सरकारी खरीद में घरेलू कलपुर्जों का योगदान बढ़ाने के लिए निर्धारित प्रतिशत में वृद्धि की गई है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2017 के सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता) आदेश में संशोधन किया है। यह बदलाव देश में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने, उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है। इसका लक्ष्य स्थानीय कलपुर्जों का उपयोग करने वाले उत्पादों को सरकारी खरीद में प्राथमिकता देना है।

उतार-चढ़ाव के बीच नई ऊंचाइयों पर रहा भारतीय शेयर बाजार

मुंबई। एजेंसी। बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक गतिशील और उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसने निवेशकों को कई मोड़ दिए। एक मजबूत शुरुआत के बाद बाजार को बीच सप्ताह में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर शानदार वापसी करते हुए नए रिकॉर्ड स्तरों पर बंद हुआ। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी की उम्मीदों ने बाजार को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किया। भारतीय रुपया भी शुरुआती कमजोरी के बाद सप्ताह के अंत तक डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ, जिससे बाजार की समग्र सकारात्मक धारणा को बल मिला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार तेजी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 450 अंक से अधिक चढ़ा, वहीं निफ्टी ने 25,250 के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। एफपीआई की वही हुई खरीद और तेल कीमतों में गिरावट की उम्मीदों से बाजार को मजबूती मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर और निफ्टी 146.80 अंक की वृद्धि के साथ 25,291.10 पर बंद हुआ। एशियन पेंट, एयरटेल, आईटीसी और टाटा कंस जैसे शेयरों में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को भी यह सकारात्मक रुझान जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 427.40 अंक चढ़कर 82,532.19 पर और निफ्टी 96.31 अंक बढ़कर 25,387.40 पर पहुंच गया, जो बाजार में मजबूत सकारात्मक धारणा को दर्शाता है। हालांकि, सप्ताह के मध्य में बुधवार को बाजार ने दो दिन की अपनी तेजी को विराम दिया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंकाओं और वैश्विक बाजारों में गिरावट के रुख के बीच मुनाफावसूली हावी रही। सेंसेक्स 500.38 अंक गिरकर 82,031.81 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 159.46 अंकों की गिरावट के साथ 25,227.95 पर आ गया। मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों में मुख्य रूप से बिकवाली देखने को मिली। बुधवार की गिरावट अस्थायी साबित हुई, क्योंकि गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वापसी देखने को मिली। ऑटो और



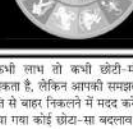
बैंक शेयरों में शानदार वृद्धि के दम पर बैंचमार्क सूचकांकों में उछाल आया। शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार ने जबरदस्त रिकवरी की और सेंसेक्स लगभग 1,000 अंक चढ़कर 83,021.75 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 25,500 के स्तर को पार कर 25,514.30 पर पहुंच गया। बैंक निफ्टी ने अपने अब तक के सर्वोच्च स्तर पर कारोबार किया। रुपये में लगातार चौथे सत्र में मजबूती दर्ज की गई, जो डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की मजबूती के साथ 93.36 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में मामूली गिरावट देखी गई, लेकिन बाजार ने पूरे सप्ताह के दौरान काफी मजबूत बढ़त हासिल की। रुपये ने भी 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 का स्तर छुआ। कुल मिलाकर बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक मजबूत और अस्थिरता भरा रहा, जहां ग्रमुख सूचकांकों ने नई ऊंचाइयाँ भी छुआ। विश्लेषकों का मानना है कि निकट भविष्य में भारतीय इक्विटी बाजार में मामूली सुधार देखने को मिल सकता है, लेकिन ये समग्र सकारात्मक रुझान बनाए रखने की उम्मीद कर रहे हैं, जो निवेशकों के लिए उत्साहजनक संकेत है। विदेशी पूंजी के लगातार प्रवाह और घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती से आने वाले समय में भी बाजार में तेजी का रुख बना रहने की संभावना है।

वित्तीय क्षेत्र को सामूहिक साइबर सुरक्षा रणनीति अपनाने पर जोर- डीएफएस

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और बीमा कंपनियों को अपनी साइबर सुरक्षा रणनीतियों को साझा करने और मिलकर काम करने की सलाह दी है। उन्होंने साइबर सुरक्षा और वित्तीय धोखाधड़ी को वित्तीय क्षेत्र के सामने मौजूद सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया है। उन्होंने कहा कि बैंक धोखाधड़ी और डेटा सेंधमारी की घटनाएं अब आम हो गई हैं। उन्होंने जोर दिया कि साइबर सुरक्षा को सामूहिक चुनौती मानते हुए, संस्थानों को अपनी सुरक्षा रणनीतियों को व्यापारिक रहस्य मानने के बजाय साझा करना चाहिए, ताकि सभी उभरते खतरों से बेहतर ढंग से निपट सकें। उन्होंने साइबर हमलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को एक नई चुनौती बताया। संस्थानों को सॉफ्टवेयर, प्रोटोकॉल और मानव संसाधन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना चाहिए। बैंकों, प्रौद्योगिकी वेंडरों और समाधान प्रदाताओं के बीच बेहतर तालमेल पर भी जोर दिया गया है, जिसके लिए इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) को पहल करने को कहा गया है। डिजिटल भुगतान और फिनटेक के विस्तार से यह क्षेत्र विकसित भारत 2047 में अहम भूमिका निभाता है, इसलिए इसकी साइबर सुरक्षा प्राथमिकता है। उन्होंने बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और बीमा कंपनियों को अपनी साइबर सुरक्षा रणनीतियों को आपस में साझा करने और मिलकर काम करने की सलाह दी है। साइबर सुरक्षा और वित्तीय धोखाधड़ी को वित्तीय क्षेत्र के सामने मौजूद सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया। बैंक धोखाधड़ी, डेटा में सेंधमारी और साइबर हमलों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, उन्होंने वित्तीय संस्थानों से अपना साइबर सुरक्षा ढांचा मजबूत करने तथा सॉफ्टवेयर, प्रोटोकॉल और मानव संसाधन की गुणवत्ता के संबंध में कोई समझौता न करने का आग्रह किया।



आज का राशिफल



मेष- आज कारोबार में कभी लाभ तो कभी छोटी-मोटी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन आपकी समझदारी और अनुभव आपको हर परिस्थिति से बाहर निकलने में मदद करेंगे। व्यापार से जुड़ी योजनाओं में किया गया कोई छोटा-सा बदलाव भी बड़ा फायदा दिला सकता है।

वृषभ- आज आर्थिक मामलों में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। लंबे समय से अटका हुआ कोई जरूरी काम आज आश्चिरकार आगे बढ़ने की संभावना है, जिससे मन को राहत मिलेगी। ऑफिस में आपकी सकारात्मक सोच, मेहनत और काम के प्रति समर्पण वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित कर सकता है। आपके अच्छे प्रदर्शन के कारण प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद भी बढ़ सकती है।

मिथुन- आज भाग्य आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खोल सकता है। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए काफी उपयोगी साबित होगी। किसी प्रभावशाली या अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे कारोबार को नई दिशा देने का अवसर मिल सकता है। यदि आप अपने काम का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं, तो यह संपर्क आपके लिए मददगार साबित हो सकता है।

कर्क- आज धन और सफलता के मामले में परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने की संभावना है। माता-पिता का आशीर्वाद और सहयोग आपके कई अटके हुए कामों को गति दे सकता है। परिवार में जीवनसाथी के लिए नया कारोबार या कोई स्वतंत्र काम शुरू करने की योजना बन सकती है, जिससे घर में उत्साह और नई उम्मीदें पैदा होंगी। हालांकि, इस संबंध में कोई भी कदम उठाने से पहले आर्थिक और व्यावहारिक पहलुओं पर विचार करना जरूरी होगा।

सिंह- आज आपको सबसे ज्यादा ध्यान अपने खर्चों पर देने की जरूरत होगी। सुख-सुविधाओं और गैरजरूरी खरीदारी पर पैसा खर्च करने की इच्छा बढ़ सकती है, लेकिन यदि आपने बजट का ध्यान नहीं रखा तो आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसलिए अपनी जरूरतों को प्राथमिकता दें और दिखावे से बचें। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़े मानसिक दबाव में कुछ राहत मिल सकती है, जिससे वे बेहतर तरीके से अपनी तैयारी पर ध्यान दे पाएंगे।

कन्या- आज परिस्थितियां कुछ चुनौतीपूर्ण महसूस हो सकती हैं, लेकिन दोस्तों और जीवनसाथी का सहयोग आपको मनोबल बनाए रखेगा। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम या जिम्मेदारी न मिलने से थोड़ी निराशा हो सकती है, लेकिन इसे अपनी क्षमता पर सवाल उठाने का कारण न बनने दें। कई बार सही अवसर मिलने में समय लगता है। अपने प्रयास जारी रखें और वर्तमान जिम्मेदारियों को भी पूरी ईमानदारी से निभाएं।

तुला- आज आपके अच्छे काम और सकारात्मक व्यवहार समाज में आपकी पहचान को और मजबूत बना सकते हैं। सामाजिक सेवा, परोपकार और दान-पुण्य से जुड़े कार्यों में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। इससे न केवल आपको सम्मान मिलेगा, बल्कि मन को भी गहरा संतोष महसूस होगा।

वृश्चिक- आज आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के नए रास्ते सामने आ सकते हैं। पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसके साथ ही अतिरिक्त कमाई या साइड इनकम का कोई नया माध्यम शुरू करने का विचार भी मन में आ सकता है। यदि आप लंबे समय से प्रॉपर्टी खरीदने का सपना देख रहे हैं, तो उसे पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो सकती है।

धनु- आज का दिन पिछले कुछ दिनों की तुलना में अधिक राहत और सकारात्मकता लेकर आ सकता है। अपनी कमियों को ईमानदारी से पहचानकर उनमें सुधार करने की कोशिश करेंगे तो सफलता का रास्ता और साफ होगा। कार्यक्षेत्र में कोई व्यक्ति आपकी छवि खराब करने या आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकता है।

मकर- आज का दिन खुशियों के साथ कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी लेकर आ सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी और मन प्रसन्न रहेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतर सकती है और उसकी उपलब्धि या अच्छे प्रदर्शन से आपको गर्व महसूस होगा।

कुंभ- आज कुछ परिस्थितियां आपके धैर्य और समझदारी की परीक्षा ले सकती हैं। ऐसे समय में घबराने या जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के बजाय शांत रहना ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। संतान पढ़ाई में थोड़ी लापरवाही कर सकती है, इसलिए केवल डांटने के बजाय यह समझने का प्रयास करें कि उसे किस बात में परेशानी हो रही है।

मीन- आज आपकी मेहनत और कार्यक्षमता लोगों की नजर में आएगी। ऑफिस में बॉस आपके काम से प्रभावित हो सकते हैं और आपके सुझावों को भी महत्व मिलने की संभावना है। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई जिम्मेदारियां निभाने का उत्साह मिलेगा। पड़ोस और सामाजिक क्षेत्र में भी आपकी अच्छी छवि बनेगी। लोग आपके व्यवहार और सहयोग की भावना की सराहना कर सकते हैं। घूमने-फिरने या किसी छोटी यात्रा की योजना बन सकती है।

शब्दजाल - 8457

दि	क	प्र	ज	वै	शी	ल	व	ना	क	म		
ती	ल	ती	ति	रा	क	ऋ	तं	ति	ज	कृ	धु	
क्षा	ज	दि	त	ज	ल	प्र	छ	ति	आ	म		
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति		
प	जो	क	का	द	ज	म	अ	प्र	तू	ज		
ड्र	क	ज	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ष		
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क		
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्वा	लो		
न	प	श	वा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म		
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता		
प	प्र	द	क	प्र	है	या	रा	वा	प्र			

शब्द जाल में दिलीप कुमार की 10 फिल्मों नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं

मिलन, नया दौर, जोगन, शहीद, देवदास, मधुमति, दिल दिया दर्द लिया, राम और श्याम, बैराज, क्रांति.

शब्दजाल - 8456 का हल



फिल्म वर्ग पहेली- 7391



ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुधाष चंद्र, अर्पणा की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे चहता में दीवाना है' गीत वाली फरीदा खान, सलिमा की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, खन्ना, कश्मिरा को 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. सवेश कुमार, अभिषेक, पूनम की फिल्म-२
६. 'तुम भी चले हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारुख शेख, स्मोकेदीनाज, स्मित पटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, खींना रावल की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावें' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शक्ति कपूर, शमिन टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अवंत, मनीषा, माधुरी, संजली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सोहर तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'नहली दहली मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अरुआ' में 'रहवारी तिर्य' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लली है सबरे लली' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबना की 'बाबा दिल' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली मुमैत मोहीं, सुभिता, नवाज की फिल्म-३
६. 'छोड़े मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में डैकों के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुमीतदत्त, मौन कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'पाप का साथ' में गुलशन के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एच. इलैस की फिल्म 'रंजगानिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. रवींद्रकुमार, वनीता की 'लिप्टिक के पीछे सच्चा राए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामकी की निकली यात्रा' गीतवाली अनिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१५. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लग ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मोरी चरैं ले सांग' गीत वाली मिथुन, अपना कुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गीनी कार्तिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमें से मोब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अभिनकपूर, माधुरी की 'एक बात मान ले तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा पेहरा पति से' गीत वाली प्रदीपकुमार, नीमि की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, रीवेश, टीना मुनीम की 'आवाज मुहोनी का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग खोजें- 7390



शब्द पहेली - 8915



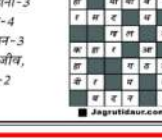
बाएँ से दाएँ

1. खटपट,तनातनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल,लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड,दम,शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि,देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह,दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
5. होशियार, गुणवान-5
7. पुरुष्य-4
8. भेद, तुलना-3
10. परियाय-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8914 का हल



दैनिक पंचांग

22 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 326 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **जल** होरा शनैश्चर।
विक्रम संवत् 2083 शोभन **संवत्** 1948
सवत् फाल्गुन महीना शुक्ल
तिथि अष्टमी 04.36 बजे रात को समाप्त। **नक्षत्र** अश्लिषी 04.16 बजे रात को समाप्त। **योग** व्यतीपात 23.30 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.52 बजे तदपरान्त तैतिल 02.38 बजे रात को समाप्त। **चन्द्रार्क** 12.7 घण्टे
रवि उत्तरायन दक्षिण 20° 05'
सूर्य पश्चिमगगन
चन्द्रमा कर्क **राशि** 12.05 बजे से
जूलियन दिन 2461366.5
कलियुग संवत् 5128
सप्तर्षि संवत् 5027
पारसी शहनशाही 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उल्लानी **तारीख** 11
मालिम सिंघोरा खेल, रवि प्रदोष खेल, शेर दुर्गासप्तमी शतेरि पुण्यतिथि।

ग्रह	स्थिति	उपग्रहीय समय
सूर्य	वृश्चिकराशि	धनु 08.13 बजे से
चंद्रमा	मेष में	मकर 10.16 बजे से
मंगल	सिंह में	कुंभ 12.05 बजे से
बुध	तुला में	मीन 13.37 बजे से
गुरु	सिंह में	मेष 15.08 बजे से
शुक्र	कन्या में	वृष 16.48 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन 18.46 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क 21.00 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह 23.16 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक।

दिन का चौघड़िया

उद्वेग	06.56 से	07.23 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक

रात का चौघड़िया

शुभ	09.36 से	07.09 बजे तक
अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
चर	08.41 से	10.14 बजे तक
रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
शुभ	04.24 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया मुहूर्तापत्र- शुभ्रमत्र मेरठ यूपी, अमृत व चल, सर्वसिद्धि व लाभ, उद्वेग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मापन देखा विन्दु के आधार पर है। उक्त आपकी स्थानीय समयानुसार हो देखें। in.Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगवत: कल की चिंता

एक शहर में धर्मवत नामक सेठ रहता था। अपार संपत्ति का स्वामी होने के बावजूद वह हमेशा उदास रहा करता था। उसे अपनी भावी पीढ़ी की चिंता सताती रहती थी। एक बार भगवान महावीर उस शहर में आए। जंगल के तट पर उनका प्रवचन हो रहा था। धर्मवत भी वहां पहुंचा। वह पहली कतार में बैठ कर प्रवचन सुन रहा था, लेकिन उसका मन कहीं और था। प्रवचन के बाद भगवान महावीर ने उससे पूछा तो सेठ ने कहा, 'प्रभु, मुझे किसी चीज की कमी नहीं है। मेरे पास इतनी दौलत है कि मेरी सात पीढ़ियां आराम से खा-पी सकें। लेकिन मुझे चिंता है कि मेरी आठवीं पीढ़ी का गुजर-बसर कैसे होगा?' भगवान महावीर ने कहा, 'तुम्हारी चिंता में दूर कर देता हूं। तुमसे इतनी दौलत दे दूंगा कि तुम्हारी आठवीं पीढ़ी तुम्हें देखेगी। इसके लिए तुमसे एक काम करना होगा। यहां एक व्यक्ति के पीछे होगियों में एक मजदूर का परिवार रहता है। तुम उससे कहो कि वह अपनी आवश्यकता का आधा अपने पास रख कर बाकी तुम्हें दे दे।' सेठ वहां गया और उसने पैसा दे कहा। मजदूर की पत्नी घर के अंदर से एक कटोरा ले आई और उसे देते हुए बोली, 'ले जाओ भाई। मेरे पास इतना ही आटा है।' सेठ ने कहा, 'नहीं, नहीं, तुम अपनी जरूरत का आटा रख लो, जो बचे उसे दो।' मजदूर की पत्नी बोली, 'अगर मैंने अपनी जरूरत का आटा रख लिया तो तुम्हें क्या देंगे।' सेठ वहां से लौट आया और उसने भगवान महावीर को सारी बात बताई। भगवान महावीर बोले, 'सेठ, एक गरीब मजदूर रोज है, जिसे कल की भी चिंता नहीं है और एक तुम हो कि अपनी आठवीं पीढ़ी की चिंता में अपनी जान हलकान कर रहे हो। तुम्हारी आठवीं पीढ़ी अपार्जक, काहिल और निकम्मी होगी कि जिसके लिए तुम चिंतित हो। उस दिन से सेठ ने चिंता छोड़ दी।

सूडोकू नवचाल- 7700

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

सूडोकू नवचाल -7699 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एक 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, कला-संस्कृति की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

शासकीय महाविद्यालय लांजी में दो दिवसीय आयोजन, जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभागियों का हुआ चयन





पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लांजी में युवा उत्सव सत्र 2026-27 के अंतर्गत महाविद्यालय स्तरीय दो दिवसीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 19 एवं 20 नवंबर को किया गया। उत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभागियों का चयन करना रहा। युवा उत्सव के प्रथम दिवस 19 नवंबर को ललित कला एवं रचनात्मक विधाओं से जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें जल संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर पोस्टर निर्माण, दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण विषय पर कोलाज, जनजातीय देव लोक पर आधारित स्पॉट पेंटिंग, आधुनिक युग में योग एवं ध्यान विषय पर कार्टूनिंग तथा मुक्त चित्रण पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता शामिल रहीं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी कला एवं कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया। द्वितीय दिवस 20 नवंबर को बौद्धिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बौद्धिक विधाओं में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित प्रश्नमंच (क्विज) तथा डिजिटल युग में भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों की प्रासंगिकता विषय पर हिंदी निबंध एवं वक्तृत्व प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। वहीं सांस्कृतिक विधाओं में एकल एवं समूह गायन, शास्त्रीय एवं लोकनृत्य तथा एकांकी जैसी प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। समूचे आयोजन को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने के मार्गदर्शन तथा युवा उत्सव कार्यक्रम प्रभारी महेंद्र कुमार तलवरे के संयोजन एवं नेतृत्व में सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के संचालन एवं निर्णयन के लिए गठित समितियों के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।आयोजन को सफल बनाने में डॉ. कांता वर्मा, सुरेंद्र कुमार चिखले, महेश डोक, शेखर दक्षेमाले, रितेश सोनवाने, स्वाति पशीने, नितेश मेश्राम, डॉ. सपना शेण्डे, डॉ. जसपाल सिंह सिद्धू, डॉ. ललित कामड़े, अंजली सोनी, वैभव मुरकुरे, शुभम रामटेके, राहुल पारधी, वीरेन्द्र बिसेन, हितेश बंसोड़, लखनलाल बाहे एवं भागवत रघुवंशी का सराहनीय योगदान रहा। साथ ही महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने भी आयोजन में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन पर युवा उत्सव प्रभारी महेंद्र कुमार तलवरे ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के उत्साह एवं प्रदर्शन की सराहना की तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले प्राध्यापकों, समिति सदस्यों एवं समस्त कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नगर और ग्रामीण अंचलों में दो दिनों तक गूंजा देवउठनी एकादशी का उल्लास, श्रद्धा से हुआ तुलसी विवाह

मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चन, घरों में सजी तुलसी चौरा; भगवान विष्णु के जागरण के साथ शुरू हुए मांगलिक कार्य

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर सहित पूरे क्षेत्र में देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह का पर्व दो दिनों तक धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कहीं 20 नवंबर तो कहीं 21 नवंबर को एकादशी का पूजन और तुलसी विवाह के आयोजन हुए। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई, वहीं घरों में तुलसी चौरा को आकर्षक ढंग से सजाकर भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। देवउठनी एकादशी को लेकर सुबह से ही घरों और मंदिरों में धार्मिक गतिविधियां शुरू हो गई थीं। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा की। शाम होते ही घरों में तुलसी चौरा के आसपास दीप प्रज्वलित किए गए। गन्ने के मंडप के नीचे तुलसी माता और भगवान शालिग्राम की स्थापना कर विवाह की रस्में निभाई गईं। महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत गाए और आरती कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। नगर के सुन्दरटोला स्थित भगवान विठ्ठल-रुक्माई मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में भी विशेष धार्मिक आयोजन हुए। भगवान का अभिषेक कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और पूजा में सहभागिता निभाई। ग्रामीण अंचलों में भी घर-घर तुलसी विवाह के आयोजन हुए। पर्व को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह दिखाई दिया।



चार माह बाद शुरू होंगे मांगलिक कार्य

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी को भगवान विष्णु योगनिद्रा में जाते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागृत होते हैं। इसी कारण इस दिन को देवउठनी या देवोत्थान एकादशी कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु के जागने के साथ ही चातुर्मास का समापन होता है और विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। इसी धार्मिक परंपरा के तहत तुलसी और भगवान शालिग्राम का विवाह कराया जाता है। पर्व के साथ ही क्षेत्र में मांगलिक आयोजनों की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं।

सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लांजी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी की विशेष बैठक आज 22 नवंबर को दोपहर 12 बजे से पुर्वाटोला मार्ग स्थित पुराना रेंज आफिस में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त विभाग वन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, कृषि, मेडिकल, पशु चिकित्सा, लोक निर्माण विभाग के सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, सुरक्षा श्रमिकों, फायरवाचरों, मजदूर आदि की उपस्थिति प्रार्थनीय है। बैठक में उपरोक्त सभी विभागों के अध्यक्षों के पद पर चयन सर्वसम्मति से किया जावेगा एवं संगठन में विस्तार कर साथियों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी के संरक्षक श्यामलाल पाण्डे, अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामप्रसाद चोरवाड़े, सी एल दमाहे, बाबूलाल पारधी, गंगाधर तरोने, नाथूराम सोनवाने, ओंकार रामटेककर, सी डी चौहान आदि ने सभी सेवा निवृत कर्मचारियों को बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

सेवा सहकारी समिति के कर्मचारी झाड़ूलाल घोरमारे का आकस्मिक निधन

आज दहेगांव मोक्षधाम में होगा अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम दहेगांव निवासी एवं सेवा सहकारी समिति दहेगांव में पदस्थ कर्मचारी झाड़ूलाल घोरमारे का 45 वर्ष की आयु में 21 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके असामयिक निधन की खबर से गांव सहित परिजनों, रिश्तेदारों और परिचितों में शोक की लहर व्याप्त है। झाड़ूलाल घोरमारे पिता शंकरलाल घोरमारे अपने सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए परिचित थे। उनके अचानक चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वे अपने पीछे पत्नी निर्मला बाई घोरमारे, दो पुत्र कुशाल घोरमारे (20) एवं विशाल घोरमारे (18) तथा बहन अर्चना घोरमारे सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका असामयिक निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से गांव में भी शोक का माहौल है। दिवंगत झाड़ूलाल घोरमारे का अंतिम संस्कार 22 नवंबर 2026 को ग्राम दहेगांव स्थित मोक्षधाम में किया जाएगा।



विठ्ठल-रूखमाई मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई देवउठनी एकादशी

भजन-कीर्तन कर वितरित की गई महाप्रसादी

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सुन्दरटोला स्थित भगवान विठ्ठल-रूखमाई मंदिर में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी देवउठनी एकादशी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 21 नवंबर को सुबह से ही मंदिर में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया। प्रातःकाल भगवान विठ्ठल-रूखमाई की प्रतिमाओं का विधि-विधान से अभिषेक कर विशेष पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि सुन्दरटोला निवासी शिक्षक स्वर्गीय श्रावणलाल रामटेकर के सुपुत्र त्रिलोकराव रामटेकर, जो वर्तमान में मुंबई में निवासरत हैं, ने अपनी पैतृक भूमि और धार्मिक आस्था से जुड़ाव को बनाए रखते हुए वर्ष 2012 में अपने पैतृक निवास पर भगवान विठ्ठल-रूखमाई के भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। इसके बाद महाराष्ट्र के प्रसिद्ध तीर्थस्थल पंढरपुर से भगवान विठ्ठल-रूखमाई की प्रतिमाएं लाकर विधि-विधान से मंदिर में स्थापित की गई थीं।



देवउठनी एकादशी के अवसर पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन प्रतिमाओं की स्थापना के बाद से ही यह मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। त्रिलोकराव रामटेकर द्वारा मंदिर में प्रतिवर्ष देवशयनी एकादशी और पर्व पर वे मुंबई से विशेष रूप से लांजी पहुंचकर धार्मिक आयोजनों में सहभागिता करते हैं और अपनी पारिवारिक धार्मिक परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। लांजी क्षेत्र में भगवान विठ्ठल-रूखमाई का यह एकमात्र मंदिर होने के कारण इसका विशेष धार्मिक महत्व भी है। इसी परंपरा के तहत 21 नवंबर को देवउठनी एकादशी के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के साथ भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। अपराह्न 4 बजे से सोहन बड़मे एवं उनकी भजन मंडली ने भगवान विठ्ठल-रूखमाई की महिमा से जुड़े भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजन-कीर्तन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर रहा और देर शाम तक श्रद्धालु भजनों की धुन पर भक्ति भाव में लीन रहे। धार्मिक आयोजन के दौरान मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को महाप्रसादी का वितरण भी किया गया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, आस्था और पारिवारिक धार्मिक परंपरा की सुंदर झलक देखने को मिली। इस प्रकार सुन्दरटोला स्थित विठ्ठल-रूखमाई मंदिर में देवउठनी एकादशी का पर्व धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच संपन्न हुआ।

सेवा न्यास कारंजा में देवरस बंधुओं की जयंती पखवाड़े का शुभारंभ, 151 लोगों का हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

गौपूजन के साथ हुई शुरुआत, स्वास्थ्य शिविर और सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी किया गया शुभारंभ





पद्मेश न्यूज। लांजी। बाल भाऊ देवरस सरस्वती विद्यालय, कारंजा, तहसील लांजी, जिला बालाघाट स्थित न्यास परिसर में देवरस बंधुओं की जयंती के उपलक्ष्य में जयंती पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। यह पखवाड़ा श्रद्धेय भाऊराव देवरस जी की जयंती एवं देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर 21 नवंबर 2026 से प्रारंभ होकर परम पूजनीय बालासाहब देवरस जी की जयंती 14 दिसंबर 2026 तक मनाया जाएगा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आमगांव के उद्योगपति प्रहलाद सुरेश बाबू असाटी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनेरे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र सिंह उमरे उपस्थित रहे। वहीं न्यास के सचिव सचिन अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. देवेश ऐड़े एवं पैकराम पटले मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा न्यास द्वारा संचालित सुरभि गौशाला में गौपूजन एवं भगवान दत्तात्रेय के दत्त मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने स्वास्थ्य शिविर एवं सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर त्रिपा मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कुल 151 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया गया तथा नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। वहीं, स्वावलंबन एवं कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से न्यास द्वारा सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई। जयंती पखवाड़े के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने देवरस बंधुओं के जीवन, उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति योगदान को जानकारी दी। साथ ही 21 नवंबर से 14 दिसंबर तक आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा से उपस्थितजनों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर न्यास के सह सचिव नरेंद्र वाजपेई, सदस्य उमेश मैंदे, मयूर अग्रवाल, मंसाराम बिल्थरे सहित विद्यालय के समस्त आचार्य एवं दीदियां, भैया-बहन तथा क्षेत्र के वरिष्ठजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे द्वारा शांति मंत्र के पाठ के साथ किया गया।

उज्जैन से वारासिवनी पुलिस ने अपहृता बालिका को किया दस्तयाब

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस ने बालिका अपहरण के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए अपहृता बालिका को उज्जैन से दस्तयाब करने में सफलता हासिल की है। पुलिस टीम बालिका को सकुशल वारासिवनी लेकर पहुंची जहां आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूरी करने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक बालिका बिना परिवार के किसी सदस्य को सूचना दिए अचानक घर से कहीं चली गई थी। काफी तलाश करने के बाद भी बालिका का पता नहीं चलने पर परिजनों ने वारासिवनी थाने पहुंचकर इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा १३७,२ के तहत अपराध क्रमांक ५८६/२६ दर्ज कर जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान पुलिस टीम लगातार बालिका की तलाश में जुटी हुई थी। इसी बीच पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि अपहृता बालिका उज्जैन में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम तत्काल उज्जैन के लिए रवाना हुई और वहां तलाश करते हुए बालिका को दस्तयाब कर लिया। इसके पश्चात पुलिस टीम बालिका को लेकर थाना वारासिवनी पहुंची। जहां परिजनों को थाने बुलाकर आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई और बालिका को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्यवाही में एएसआई राजकपूर रंगारे, आरक्षक वीरेंद्र रावतकर एवं महिला आरक्षक मेघा टेकाम का सराहनीय योगदान रहा।

मंडई की रौनक के बीच गांव गांव पहुंच रहे विधायक गौरव सिंह पारधी

तुलसी विवाह के अवसर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में की सहभागिता

पद्मेश न्यूज। खारासिवनी। कटंगी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों मंडई पर्व की रौनक और धार्मिक आयोजनों की उत्सवी छटा देखने को मिल रही है। गांव गांव में पारंपरिक मंडई के साथ लोककला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन ग्रामीण जीवन की जीवंतता और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित कर रहा है। इसी क्रम में तुलसी विवाह ग्यारस के पावन अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता कर ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की। विधायक पारधी ने ग्राम गोरेघाट एवं कन्हारटोला में आयोजित रात्रिकालीन ड्रामा कार्यक्रमों में शामिल हुए। वहां स्थानीय कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत नाट्य कार्यक्रमों का आनंद लिया और उनकी कलात्मक प्रस्तुतियों की सराहना की। वहीं ग्राम चोर पिंडकेपार एवं लोहमारा में आयोजित शायरी कार्यक्रमों में पहुंचकर कलाकारों एवं आयोजकों का उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में ग्राम कोसमी में आयोजित देवी जागरण में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। ग्राम सिरपुर में आयोजित रामचरित मानस पाठ में सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि मंडई केवल एक पारंपरिक आयोजन नहीं बल्कि हमारी ग्रामीण संस्कृति लोककला आपसी मेल जोल और सामाजिक एकजुटता की पहचान है। पीढ़ियों से चली आ रही ये परंपराएं गांवों की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ ही समाज को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य करती हैं। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से हमारी आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय कलाकारों के द्वारा अपनी प्रतिभा और परंपराओं को जीवंत रखने का प्रयास सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से गांवों में उत्साह और सामाजिक समरसता का वातावरण बनता है। क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं, लोककलाओं और धार्मिक आयोजनों को आगे बढ़ाने वाले कलाकारों, आयोजन समितियों एवं समस्त ग्रामवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहन और सहयोग देने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।



मध्यप्रदेश पुलिस में इंस्पेक्टर से एएसपी तक कठघरे में

भोपाल। मोहन यादव सरकार जीरो टॉलरेंस पर कार्य करते हुए पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार और लापरवाही के मामलों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। आरोप सामने आने पर अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित करने से लेकर जांच तक कराई जा रही है। इसके बावजूद पुलिसकर्मियों के व्यवहार और कार्यप्रणाली से जुड़े मामले लगातार सामने आ रहे हैं। सिवनी में एएसपी से लेकर भिंड में थाना प्रभारी तक सीटे- बट्टे और विवादित मामले चर्चा में हैं। कहीं, फरियादी से गाली-गलौज का वीडियो वायरल हुआ तो कहीं कारोबारी से कथित वसूली और जमीन का दबाव में सौदा कराने के आरोप लगे। इन घटनाओं ने पुलिस विभाग की जवाबदेही और आम लोगों के साथ उसके व्यवहार पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



भिंड में फरियादी से गाली-गलौज, टीआई लाइन अटैच

भिंड के मौ थाने में थाना प्रभारी रघुवीर मीणा का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे अपने चैंबर में फरियादी से गाली-गलौज करते दिखाई दे रहे हैं। फरियादी दो पक्षों के विवाद की शिकायत लेकर थाने पहुंचा था और मोबाइल में घटना का वीडियो दिखा रहा था। मामला सामने आने के बाद एसपी सूरज वर्मा ने टीआई को लाइन अटैच कर दिया। उनकी जगह अनिल गुर्जर को थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सिवनी में एएसपी समेत छह पर कार्रवाई

सिवनी में होटल में ठहरे युवक-युवती से पूछताछ के दौरान एएसपी दीपक मिश्रा का एक वीडियो सामने आया था। इसमें वे कथित तौर पर युवक के बैग में गांजा रखकर उसे फंसाने की बात करते सुनाई दे रहे हैं। मामले में मुख्यमंत्री के निर्देश पर एएसपी समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। होटल संचालक ने पुलिस अधिकारियों पर हर महीने 50 हजार रुपये की कथित वसूली और होटल बंद कराने का दबाव बनाने के आरोप भी लगाए हैं। इन आरोपों की जांच जारी है।

कटनी में महिला सीएसपी पर जमीन के सौदे का आरोप

कटनी की पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया पर हत्या के आरोपी के परिवार की जमीन दबाव में खिकवाने और पद का दुरुपयोग करने के आरोप हैं। मामले में उनके खिलाफ दो अन्य लोगों के साथ एफआईआर दर्ज की गई है। सरकार ने उन्हें निलंबित किया और जांच के लिए एसआईटी बनाई। गिरफ्तारी के लिए घोषित इनाम बढ़ाकर 20 हजार रुपये किया गया है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। हालांकि, पच्चीसिया पुलिस की गिरफ्त से अब भी बाहर है।

भोपाल में वकील से मारपीट का आरोप

जहांगीराबाद थाने के तत्कालीन टीआई राजन सिंह अहिरवार और दो आरक्षकों पर अधिवक्ता राकेश रावल से थाने में मारपीट का आरोप लगा था। मामले में तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन भी किया था। दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज की गई थी।

गुना में कारोबारी से कथित वसूली का मामला

मार्च 2026 में गुना के रुठियाई चौकी क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान गुजरात के कारोबारी की कार से एक करोड़ रुपये मिलने का मामला सामने आया था। आरोप लगा कि पुलिसकर्मियों ने 20 लाख रुपये लेकर बाकी 80 लाख रुपये बिना उचित प्रक्रिया के लौटा दिए। जांच के बाद धरनावदा थाना प्रभारी प्रभात कटारे समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। मामले में तत्कालीन एसपी अंकित सोनी को भी पद से हटाया गया।

दो साल में 329 एफआईआर, 259 मामलों में वालान

पुलिसकर्मियों के खिलाफ दर्ज मामलों का सरकारी आंकड़ा इस पूरी बहस को और महत्वपूर्ण बनाता है। कांग्रेस विधायक बाला बच्चन के सवाल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधानसभा में लिखित जवाब दिया था कि 1 जनवरी 2024 से 31 अक्टूबर 2025 तक पुलिसकर्मियों के खिलाफ 329 एफआईआर दर्ज हुईं। इनमें 259 मामलों में चालान अदालत में पेश किए गए, 61 मामले जांच में थे, सात मामलों में निरस्तीकरण हुआ और दो मामलों में न्यायालय ने स्थगन दिया। भोपाल में सबसे अधिक 48 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामले दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई थी।

कार्रवाई के बाद भी जनता का भरोसा कायम रखना चुनौती

इन मामलों में सरकार और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्रवाई की है, लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाएं बताती हैं कि केवल निलंबन और जांच से समस्या का समाधान नहीं होगा। पुलिस आम नागरिक के लिए न्याय और सुरक्षा की पहली उम्मीद होती है। ऐसे में वर्दी में फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। अब चुनौती आरोपों की निष्पक्ष जांच के साथ दोषी पाए जाने वालों पर समयबद्ध कार्रवाई करने की है।

अब स्नातक दूसरे वर्ष में बदल सकेंगे मेजर विषय बीए-बीएससी के विद्यार्थियों को मिलेगी छूट

भोपाल। कॉलेज में प्रवेश के समय चुना गया मुख्य विषय अब विद्यार्थियों के लिए पूरी डिग्री की बाध्यता नहीं रहेगा। नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष में मेजर विषय बदलने का विकल्प दिया जा रहा है। इससे बीए और बीएससी के विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष की पढ़ाई के बाद अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप विषय चुनने का अवसर मिलेगा। विषय चयन में शुरुआती चूक के कारण पढ़ाई में आने वाली परेशानी को कम करने और बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या घटाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

अब तक कॉलेज में प्रवेश लेते समय विद्यार्थी उपलब्ध जानकारी, परिचितों की सलाह या अनुमान के आधार पर मुख्य विषय चुन लेते थे। पढ़ाई शुरू होने के बाद कई बार उन्हें समझ आता था कि उनकी रुचि किसी दूसरे विषय में अधिक है। लेकिन चुने हुए विषय के साथ आगे बढ़ना उनकी मजबूरी बन जाता था। नई व्यवस्था में प्रथम वर्ष के अनुभव के बाद दूसरे वर्ष में विषय बदलने का अवसर मिलने से यह स्थिति बदल सकेगी।

कला और विज्ञान दोनों संकायों में विकल्प

बीए में अर्थशास्त्र को मुख्य विषय के रूप में चुनने वाला विद्यार्थी यदि प्रथम वर्ष के दौरान इतिहास, हिंदी या राजनीति विज्ञान में अधिक रुचि महसूस करता है, तो दूसरे वर्ष में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार नया मेजर चुन सकेगा। इसी तरह बीएससी में बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थी को माइक्रोबायोलॉजी जैसे विषय में आगे अध्ययन का विकल्प मिल सकेगा। हालांकि, विषय परिवर्तन विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों, निर्धारित पात्रता और संबंधित कॉलेज में विषय की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

विषय में रुचि नहीं होने पर पढ़ाई छोड़ने की नौबत कम होगी

उच्च शिक्षा में कई विद्यार्थी विषय के प्रति रुचि नहीं होने के बावजूद उसी के साथ पढ़ाई जारी रखते हैं। कुछ विद्यार्थी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो कुछ बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। विषय परिवर्तन की सुविधा से विद्यार्थियों को अपनी क्षमता पहचानने और उसके अनुरूप अकादमिक रास्ता चुनने का अवसर मिलेगा। इससे पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ने के साथ परीक्षा परिणाम और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार की उम्मीद है। नई शिक्षा नीति में स्नातक की पढ़ाई को केवल एक विषय तक सीमित नहीं रखा गया है। इसमें मेजर के साथ माइनर, वोकेशनल, वैल्यू एडेड और मल्टीडिसिप्लिनरी विषयों को भी शामिल किया गया है।

अब ऑनलाइन मिलेगी मार्कशीट और डिग्री

पांच साल से अटकी 35 लाख छात्रों की मार्कशीट-डिग्री का रास्ता साफ

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब 35 लाख विद्यार्थियों के लिए राहत की खबर है। अब मार्कशीट, डिग्री और शैक्षणिक केडिट हासिल करने के लिए, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वर्ष 2021 से 2025 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों से पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों के शैक्षणिक दस्तावेज डिजिटल रूप में उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार ने शैक्षणिक वर्ष को समय-सीमा संबंधी बाध्यता हटा दी है। इसके बाद नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी)- डिजीलॉकर और एकेडमिक बैंक ऑफ केडिट्स (एबीसी) पोर्टल दोबारा खोल दिए गए हैं।

इस फैसले का लाभ प्रदेश के करीब 30 से 35 लाख स्नातक विद्यार्थियों को मिलने की संभावना है। इनमें सरकारी विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों और स्वशासी महाविद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हैं। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने संबंधित संस्थानों को लंबित रिकॉर्ड तत्काल पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

नवंबर 2025 से बंद था पुराने रिकॉर्ड का अपलोड

दरअसल, शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने की प्रक्रिया समय-सीमा की तकनीकी बाध्यता के कारण अटक गई थी। केंद्र सरकार के जोनल कोऑर्डिनेटर अभिनव शर्मा के मुताबिक, नवंबर 2025 से परीक्षा वर्ष 2021 से 2024 तक के रिकॉर्ड अपलोड नहीं हो पा रहे थे। इसके बाद जून 2026 से परीक्षा वर्ष 2025 का डेटा अपलोड होना भी बंद हो गया था। स्थिति यह थी कि विश्वविद्यालयों के पास विद्यार्थियों की मार्कशीट और डिग्री का पूरा रिकॉर्ड मौजूद था, लेकिन तकनीकी बाधा के चलते उसे डिजीलॉकर और एबीसी पोर्टल पर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था। इससे लाखों विद्यार्थियों को डिजिटल दस्तावेज हासिल करने में परेशानी हो रही थी। अब केंद्र ने समय-सीमा की बाध्यता हटाकर संस्थानों को पुराने रिकॉर्ड अपलोड करने का अवसर दिया है।

31 जनवरी तक अपलोड करना होगा पूरा रिकॉर्ड

पोर्टल दोबारा खुलने के बाद प्रदेश में रिकॉर्ड अपलोड करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए 31 जनवरी 2027 अंतिम तारीख तय की गई है। संस्थानों को इस अवधि में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लंबित शैक्षणिक रिकॉर्ड अपलोड करने होंगे। रिकॉर्ड अपलोड होने के बाद संबंधित विद्यार्थियों को मार्कशीट और डिग्री आधार आईडी से लिंक होकर डिजीलॉकर पर उपलब्ध हो सकेंगी। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि 31 जनवरी 2027 के बाद रिकॉर्ड अपलोड करने की समय-सीमा नहीं बढ़ाई जाएगी। ऐसे में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के सामने निर्धारित अवधि में वर्षों से लंबित डेटा अपलोड करने की चुनौती है। डिजिटल मार्कशीट और डिग्री उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा फायदा नौकरी और उच्च शिक्षा में प्रवेश के दौरान मिलेगा। अभी तक दस्तावेजों के सत्यापन, मार्कशीट की दूसरी प्रति हासिल करने और डिग्री संबंधी कामों के लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। अब डिजीलॉकर से डिजिटल दस्तावेज डाउनलोड कर जरूरत के अनुसार प्रस्तुत किए जा सकेंगे। वहीं, एबीसी खाते में शैक्षणिक क्रेडिट दर्ज होने से क्रेडिट ट्रांसफर की प्रक्रिया भी आसान होगी। इससे नई शिक्षा नीति के तहत क्रेडिट आधारित पढ़ाई और शैक्षणिक रिकॉर्ड के डिजिटल प्रबंधन को भी गति मिलेगी। पोर्टल पर रिकॉर्ड अपलोड करने के दौरान विश्वविद्यालयों और संस्थानों को आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए सोमवार से शुक्रवार तक वर्चुअल हेल्प सेशन आयोजित किए जाएंगे।

वर्दी में रील बनाने वाले पुलिसकर्मियों की खुलेगी कुंडली

भोपाल। पुलिस की वर्दी पहनकर सोशल मीडिया पर रील बनाने और आपत्तिजनक वीडियो अपलोड करने वाले पुलिसकर्मी अब पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) के रडार पर हैं। मुख्यालय ने ऐसे पुलिसकर्मियों की जानकारी तलब की है, जिनके वीडियो से पुलिस विभाग की छवि प्रभावित हो रही है। आदेश के बाद जिलों में पुलिस ने गोपनीय जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल को ईस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब अकाउंट खंगालने की जिम्मेदारी दी गई है।

पीएचक्यू का यह निर्देश पूरे मध्य प्रदेश के लिए है। इसमें वर्दी पहनकर अनावश्यक रील बनाने, आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करने और प्रतिबंधित चीजों का प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान की जाएगी। जांच का दायरा सिर्फ वर्दी में बनाए गए वीडियो तक सीमित नहीं है। प्रतिबंधित सामग्री के साथ बिना वर्दी वीडियो बनाने वाले पुलिसकर्मी भी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

गोपनीय जांच शुरू होते ही पोस्ट हटाने लगे पुलिसकर्मी

साइबर सेल सोशल मीडिया पर सक्रिय पुलिसकर्मियों के अकाउंट और वायरल वीडियो की पड़ताल कर रही है। इसमें यह देखा जा रहा है कि किसने वर्दी में वीडियो बनाए, किन गतिविधियों को प्रदर्शित किया और क्या सामग्री विभागीय मर्यादा के अनुरूप है। मुख्यालय से जानकारी मांगे जाने की भनक लगते ही कुछ पुलिसकर्मियों ने अपने पुराने वीडियो और फोटो हटाना शुरू कर दिए हैं। विभाग में इसे लेकर हलचल है।

जागरूकता वाले वीडियो पर रोक नहीं

पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की ओर से साइबर ठगी से बचाव, यातायात नियमों और अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए बनाए जाने वाले वीडियो पर प्रतिबंध नहीं है। कार्रवाई का फोकस ऐसे वीडियो पर है, जिनमें वर्दी की गरिमा और विभागीय मर्यादा का उल्लंघन होता है या प्रतिबंधित गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाता है।

स्वास्थ्य संस्थाओं में हजारों पद खाली; फिर अनुभवी कर्मियों की अनदेखी क्यों?

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर जनता की सेवा करने वाले करीब 4,000 स्वास्थ्यकर्मियों को दोबारा रोजगार देने और उनके पुनर्नियोजन की मांग की है। शनिवार को पत्र के माध्यम से सिंघार ने सवाल उठाया कि जब प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में हजारों पद रिक्त हैं, तो अनुभवी कर्मचारियों की अनदेखी क्यों की जा रही है? नेता प्रतिपक्ष ने पत्र में कहा कि कोविड महामारी के कठिन दौर में डॉक्टर, आयुष चिकित्सक, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने करीब दो वर्षों तक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की देखभाल की, लेकिन महामारी के बाद उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। सिंघार ने कहा कि आज यही करीब 4,000 अनुभवी स्वास्थ्यकर्मी रोजगार और भविष्य की मांग को लेकर कई दिनों से भोपाल में संघर्ष और प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्वास्थ्य संस्थाओं में हजारों पद रिक्त

उन्होंने कहा कि एक ओर कोविड काल में सेवाएं दे चुके प्रशिक्षित और अनुभवी स्वास्थ्यकर्मी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन



सहित विभिन्न संवर्गों के हजारों पद रिक्त हैं। ऐसे में इन स्वास्थ्यकर्मियों की योग्यता और अनुभव का उपयोग करते हुए उनके समायोजन एवं पुनर्नियोजन के लिए सरकार को स्पष्ट और व्यावहारिक नीति बनानी चाहिए।

पात्र स्वास्थ्यकर्मियों को रोजगार देने की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से मांग की कि कोविड काल में सेवाएं देने वाले पात्र स्वास्थ्यकर्मियों के अनुभव और योग्यता को ध्यान में रखते हुए उन्हें जल्द रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ठोस निर्णय लिया जाए। इससे लंबे समय से संघर्ष कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों और उनके परिवारों को राहत मिल सकेगी। सिंघार ने कहा कि जिन्होंने संकट के समय प्रदेश की जनता की सेवा की, उनके भविष्य की जिम्मेदारी भी सरकार को है। कोविड काल के अनुभवी स्वास्थ्यकर्मियों के साथ न्याय करते हुए सरकार को उनके पुनर्नियोजन का रास्ता तत्काल निकालना चाहिए।

6 महीने में 50 हजार घरों तक पहुंचेगी पाइपलाइन गैस

भोपाल। एलपीजी सिलिंडर की उपलब्धता को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच मध्यप्रदेश में पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) का नेटवर्क तेजी से बढ़ाने की तैयारी है। प्रदेश में घरेलू गैस आपूर्ति का विकल्प मजबूत करने के लिए अगले छह महीने में अकेले भोपाल में 50 हजार नए घरों तक पीएनजी कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए मौजूदा पाइपलाइन नेटवर्क का अधिकतम इस्तेमाल करने के साथ नए क्षेत्रों में भी गैस वितरण का दायरा बढ़ाया जाएगा।

कंपनी थिंक गैस का दावा है कि भोपाल में अब तक करीब 2.5 लाख घरों तक कनेक्शन देने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा चुका है। शहर में गैस वितरण के लिए 10,300 इंच-किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। हालांकि, कंपनी के सामने सबसे बड़ी चुनौती तैयार कनेक्शनों को सक्रिय कर घरों में नियमित गैस आपूर्ति शुरू कराना है। यानी पाइपलाइन और कनेक्शन उपलब्ध होने के बावजूद जिन घरों में पीएनजी का इस्तेमाल शुरू नहीं हुआ है, उन्हें उपभोक्ता बनाना प्राथमिकता होगी।

भोपाल के साथ नौ शहरों में भी विस्तार

पीएनजी नेटवर्क का विस्तार अब राजधानी तक सीमित नहीं रहेगा। थिंक गैस भोपाल के अलावा राजगढ़ और शिवपुरी में भी काम कर रही है। कंपनी के अनुसार इन क्षेत्रों में उसका संचालन नेटवर्क करीब 19 हजार वर्ग किलोमीटर में फैला है। अगले दो से तीन महीने में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, देवास, गुना, धार, शिवपुरी, सतना और शहडोल में भी कनेक्शन विस्तार की योजना है। इन शहरों में पहले से बिछाई गई पाइपलाइन के आसपास रहने वाले परिवारों को प्राथमिकता से जोड़ा जाएगा। जिन इलाकों में नेटवर्क तैयार है, वहां नए कनेक्शन देने के साथ निष्क्रिय कनेक्शनों को भी चालू कराने पर जोर रहेगा।

2.5 लाख कनेक्शन तैयार, लेकिन सक्रिय उपभोक्ता बढ़ाना चुनौती

भोपाल में करीब 2.5 लाख बिल्ड कनेक्शन तैयार होने का दावा किया जा रहा है। इसका मतलब है कि इतने घरों तक पीएनजी कनेक्शन पहुंचाने के लिए नेटवर्क और बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। लेकिन सभी कनेक्शन सक्रिय नहीं हैं। यही वजह है कि कंपनी अब केवल पाइपलाइन विस्तार के बजाय उपभोक्ताओं को जोड़ने पर भी ध्यान दे रही है। दरअसल, किसी इलाके में पाइपलाइन पहुंचने के बाद भी उपभोक्ता कई कारणों से कनेक्शन नहीं लेते या उसका इस्तेमाल शुरू नहीं करते। ऐसे घरों तक पहुंचकर उन्हें प्रक्रिया, खर्च और पीएनजी के इस्तेमाल की जानकारी देना कंपनी की रणनीति का हिस्सा है।

फरवरी में चलाया था पीएनजी ड्राइव-2.0 अभियान

कंपनी ने इस साल फरवरी में भोपाल में पीएनजी ड्राइव-2.0 अभियान शुरू किया था। इसके तहत तीन हजार से अधिक घरेलू कनेक्शन जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। अभियान के दौरान उपभोक्ताओं को पाइपलाइन गैस के फायदे और कनेक्शन लेने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया था। इसके बावजूद निष्क्रिय कनेक्शनों को सक्रिय करना बड़ी चुनौती बना हुआ है।

लोकतंत्र और नेतृत्व क्षमता मजबूत करने का माध्यम है युवा संवाद

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के 7 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र को लेकर सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात कर सत्र की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर चर्चा की। इससे पहले मुख्यमंत्री देर रात प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके हैं। इसमें विधानसभा में विधायकों की ओर से पूछे जाने वाले सवालों के जवाब और लंबित आश्वासनों की स्थिति की समीक्षा की गई।

सत्र से पहले सरकार का फोकस विभागों से सवालों के तथ्यात्मक और समयबद्ध जवाब तैयार कराने के साथ लंबित आश्वासनों की स्थिति स्पष्ट करने पर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से संबंधित जानकारियों की समीक्षा की, ताकि सदन में विधायकों के सवालों का जवाब देने में किसी तरह की परेशानी न हो।

युवा संसद-2026 का शुभारंभ, देशभर से पहुंचे युवा

विधानसभा परिसर स्थित विधान परिषद में शनिवार को युवा संसद-2026 का शुभारंभ हुआ। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने देश के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से आए युवा प्रतिभागियों से संवाद किया। इस वर्ष युवा संसद में भारत के निर्माण में युवाओं का योगदान विषय पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष तोमर ने कहा कि युवा संवाद नई पीढ़ी के व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे आयोजन युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ते हैं। युवा संसद के माध्यम से उन्हें संसदीय कार्यप्रणाली को समझने और विचारों को लोकतांत्रिक तरीके से रखने का अवसर मिलता है। सीधी जिले से आए विद्यार्थियों ने भी विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें सदन की कार्यप्रणाली और संसदीय परंपराओं की जानकारी दी गई।

117 साल पुरानी मप्र सरकार की प्रॉपर्टी का नहीं मिला खरीदार

भोपाल। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के सबसे महंगे इलाकों में शुमार कोलाबा में मध्यप्रदेश सरकार की 117 साल पुरानी ऐतिहासिक संपत्ति एडवर्ड विला का खरीदार नहीं मिला। सरकार इस हेरिटेज प्रॉपर्टी के शेष लीज अधिकार बेचकर या हस्तांतरित कर उसका मुद्रीकरण करना चाहती थी, लेकिन पहली कोशिश में ही योजना को झटका लग गया। संपत्ति के मुद्रीकरण की प्रक्रिया में मदद के लिए ट्रांजेक्शन एडवाइजर नियुक्त करने के प्रस्ताव पर 30 अक्टूबर 2026 तक एक भी औपचारिक आवेदन नहीं आया।

हालांकि, कुछ इच्छुक पक्षों ने इस संपत्ति को लेकर पूछताछ जरूर की थी, लेकिन किसी ने भी आगे बढ़कर आवेदन नहीं किया। अब राज्य सरकार नए सिरे से प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। इसके तहत एक बार फिर ट्रांजेक्शन एडवाइजर नियुक्त किया जाएगा, जो संपत्ति के मूल्यांकन, संभावित खरीदारों की तलाश और लीज अधिकारों के हस्तांतरण की प्रक्रिया में सरकार की मदद करेगा।

मुंबई के प्राइम लोकेशन पर है एडवर्ड विला

एडवर्ड विला दक्षिण मुंबई के कोलाबा इलाके में कैप्टन प्रकाश पेठे मार्ग पर स्थित है। यह नेवी कैंटोनमेंट क्षेत्र में आता है। यहां से मुंबई का प्रमुख कारोबारी केंद्र नरीमन प्वाइंट भी नजदीक है। इस लिहाज से संपत्ति की लोकेशन बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। फिलहाल मध्यप्रदेश सरकार इस तीन मंजिला ऐतिहासिक इमारत का उपयोग वीवीआईपी गेस्ट हाउस के रूप में कर रही है। मुंबई दौरे पर जाने वाले प्रदेश के अति विशिष्ट अतिथियों के ठहरने के लिए इसका इस्तेमाल होता है। सरकार अब इसके मौजूदा उपयोग के बजाय व्यावसायिक संभावनाओं के आधार पर मुद्रीकरण का विकल्प तलाश रही है।

एडवर्ड विला का निर्माण वर्ष 1909 में हुआ था। करीब 117 साल पुरानी इस इमारत का भूखंड 1,168.90 वर्गमीटर यानी लगभग 12,581 वर्गफीट में फैला है। इस पर बने भवन का कुल निर्मित क्षेत्रफल 1,246.07 वर्गमीटर है। इसमें भूतल के अलावा पहली और दूसरी मंजिल शामिल हैं। ऐतिहासिक महत्व रखने वाली इस इमारत की लोकेशन और आकार इसे खास बनाते हैं। हालांकि, हेरिटेज स्वरूप, लीज की शर्तें और संपत्ति के उपयोग से जुड़े प्रतिबंध संभावित खरीदारों के फैसले को प्रभावित कर सकते हैं। आवेदन नहीं मिलने के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

2035 तक सरकार के पास लीज अधिकार

एडवर्ड विला की जमीन यूलर्सुंबई महानगरपालिका (चीएमसी) से मिली 30 साल की लीज पर मध्यप्रदेश सरकार के पास है। लीज की अवधि 13 नवंबर 2012 से 13 नवंबर 2035 तक है। यानी सरकार के पास फिलहाल करीब नौ साल के लीज अधिकार शेष हैं। सरकार इस संपत्ति की जमीन का मालिकाना हक बेचने के बजाय शेष लीज अधिकारों की बिक्री या हस्तांतरण के जरिए राजस्व जुटाना चाहती है। ऐसे में संभावित खरीदार को संपत्ति के साथ लीज की शेष अवधि और उसकी शर्तों को भी ध्यान में रखना होगा।

पीआईसीएल के जरिए दोबारा तलाशे जाएंगे खरीदार

इस संपत्ति के मुद्रीकरण की प्रक्रिया मध्यप्रदेश सरकार के उपक्रम प्रोविडेंट इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड (पीआईसीएल) के माध्यम से आगे बढ़ाई जा रही है। यह कंपनी वित्त विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करती है और मुंबई में स्थित राज्य सरकार की संपत्तियों का प्रबंधन करती है। पीआईसीएल ने ट्रांजेक्शन एडवाइजर की नियुक्ति के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी की थी। 30 अक्टूबर तक आवेदन जमा करने की समयसीमा थी, लेकिन कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला।

तीसरे दिन के खेल समाप्ति तक भारत ने बनाई 118 रनों की बढ़त

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मुकाबले के तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने पहली पारी में चार विकेट के नुकसान पर 486 रन बना लिए। इस तरह भारत ने न्यूजीलैंड की पहली पारी के 368 रनों के जवाब में 118 रन की अहम बढ़त हासिल कर ली। तीसरे दिन तीनों सत्रों में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला। भारत की ओर से केएल राहुल ने बेहतरीन धैर्य और तकनीक का परिचय देते हुए अपने टेस्ट करियर का 13वां शतक पूरा किया। उन्होंने 136 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। राहुल ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का मजबूती से सामना किया और लगातार रन बनाते हुए भारतीय पारी को संभाले रखा। उनकी इस पारी ने टीम को पहली पारी में बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई।



कप्तान शुभमन गिल भी पूरे दिन अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने आकर्षक बल्लेबाजी करते हुए 98 रन बनाए, लेकिन शतक पूरा करने से महज दो रन दूर रह गए। दिन के आखिरी ओवर में न्यूजीलैंड के गेंदबाज जैकब डफी ने उन्हें बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। गिल के आउट होने से भारतीय प्रशंसकों को निराशा हुई, क्योंकि वह अपने शतक के बेहद करीब पहुंच चुके थे। देवदत्त पडिक्कल ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 80 रन का योगदान दिया। उन्होंने राहुल के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारतीय पारी को मजबूती प्रदान की। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक पूरा किया। दिन का खेल खत्म होने तक पंत 55 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। उनके साथ अंशुल कंबोज क्रीज पर मौजूद थे।

तीसरे दिन के पहले सत्र में भारत ने 27 ओवर में बिना विकेट गंवाए 80 रन बनाए। दूसरे सत्र में टीम ने 27 ओवर में एक विकेट खोकर 105 रन जोड़े। तीसरे सत्र में भारतीय बल्लेबाजों ने रन गति बढ़ाई और 32 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाए। इस तरह पूरे दिन भारत ने न्यूजीलैंड पर दबाव बनाए रखा। अब मुकाबले के चौथे दिन भारतीय टीम की कोशिश अपनी बढ़त को और मजबूत करने की होगी। टीम की नजरें स्कोर को 600 रन के पार पहुंचाने पर रहेंगी, ताकि न्यूजीलैंड पर बड़ा लक्ष्य रखने की स्थिति बनाई जा सके।

न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी, काइल जैमिसन, नाथन स्मिथ और जैकब डफी को एक-एक विकेट मिला। भारतीय बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों को लगातार संघर्ष करना पड़ा। तीसरे दिन टीम के चार बल्लेबाज ही आउट हुए और सभी ने उपयोगी योगदान दिया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। उसकी ओर से हेनरी निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स ने शतकीय पारियां खेलीं। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट झटके, जबकि आकाश दीप ने तीन और अंशुल कंबोज ने दो विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा को एक सफलता मिली। चौथे दिन भारत की कोशिश बढ़त को और मजबूत करने की होगी। टीम के पास अभी छह विकेट शेष हैं और पंत क्रीज पर मौजूद हैं। भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन ने मुकाबले में टीम की स्थिति मजबूत कर दी है।

98 पर बोल्ड होकर अनचाही सूची में हुए शामिल शुभमन गिल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मुकाबले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल शानदार शतक लगाने से चूक गए। तीसरे दिन की समाप्ति से ठीक पहले वह 98 रन के निजी स्कोर पर बोल्ड हो गए। जैकब डफी की गेंद पर उनका विकेट गिरने से भारतीय प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा। गिल ने अपनी पारी में 146 गेंदों का सामना किया और दो छक्कों तथा नौ चौकों की मदद से 98 रन बनाए। वेलिंगटन के वेसिन रिजर्व मैदान पर खेले जा रहे मुकाबले में गिल ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने दूसरे छोर पर मौजूद केएल राहुल के साथ मिलकर भारतीय पारी को मजबूती दी। हालांकि, शतक के करीब पहुंचने के बाद वह अपना विकेट गंवा बैठे। दिन के आखिरी ओवर में कप्तान टॉम लेथम ने जैकब डफी को गेंद सौंपी और उन्होंने गिल को बोल्ड कर दिया।

गिल से पहले यशस्वी जायसवाल 85 और देवदत्त पडिक्कल 80 रन बनाकर आउट हुए थे। इस तरह भारतीय टीम के तीन बल्लेबाज शतक के करीब पहुंचकर बड़ी पारी पूरी नहीं कर सके। गिल चौथे भारतीय टेस्ट कप्तान पहली बार 90 से 99 रन के बीच आउट हुए हैं। इससे पहले भी उनका नाम उन भारतीय कप्तानों की सूची में शामिल हो गया है, जो नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए हैं। इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी सबसे आगे हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में चार बार 90 से 99 रन के बीच आउट हुए थे। गिल की इस पारी में आक्रामकता और संयम दोनों देखने को मिले। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन बना लिए थे। टीम को 118 रनों की बहुत हासिल हो चुकी थी। केएल राहुल 136 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ऋषभ पंत 55 रन पर नाबाद थे। भारतीय टीम की मजबूत स्थिति के बावजूद गिल का शतक से चूकना दिन की सबसे चर्चित घटना रही।

केएल राहुल का न्यूजीलैंड की धरती पर धमाकेदार शतक

नई दिल्ली । भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर राहुल ने पहली पारी में 207 गेंदों में शतक पूरा किया और अपने ही अंदाज में इसका जश्न मनाया। उनके इस शतक ने न सिर्फ भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, बल्कि उन्हें कई बड़े रिकॉर्ड्स पर भी कब्जा दिला दिया। राहुल का यह न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट शतक है, और इसके साथ ही वह चारों शीना (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बल्लेबाज बन गए हैं। इसके अलावा वह शीना देशों में बतौर ओपनर टेस्ट शतक लगाने वाले एशिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सईद अनवर ने यह कारनामा किया था। विदेशी परिस्थितियों में नई गेंद का सामना करते हुए पारी की शुरुआत करना आसान नहीं होता। ऐसे में शीना देशों में ओपनिंग करते हुए शतक लगाना उनकी असाधारण बल्लेबाजी क्षमता को दिखाता है।



केएल राहुल ने अपने शतक के साथ एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह चारों शीना देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले एशिया के आठवें बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह कारनामा सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, विराट कोहली, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सईद अनवर, यूनिस खान और कुमार संगकारा जैसे दिग्गज बल्लेबाज कर चुके हैं। अब राहुल ने भी इस खास लिस्ट में अपनी जगह बना ली है। इस रिकॉर्ड को हासिल करना किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इन चारों देशों की पिचों और मौसम की परिस्थितियां एशियाई मैदानों से काफी अलग होती हैं। यहां तेज गेंदबाजों को उछाल और स्विंग मिलती है, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। केएल राहुल अब उन चुनिंदा भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में भी शामिल हो गए हैं, जिन्होंने चारों शीना देशों में टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया है। उनसे पहले भारत के मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली यह उपलब्धि हासिल कर चुके थे। राहुल ने भारतीय टेस्ट ओपनर्स के बीच एक खास मुकाम भी हासिल कर लिया है। भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने अपने करियर में कुल 33 शतक लगाए थे। इस लिस्ट में वीरेंद्र सहवाग 22 शतकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं, केएल राहुल ने अपना 12वां टेस्ट शतक लगाकर मुरली विजय की बराबरी कर ली है और दोनों संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। गौतम गंभीर और रोहित शर्मा को इस लिस्ट में वह पहले ही पीछे छोड़ चुके हैं, जिन्होंने 9-9 शतक लगाए थे।

जीएमआर स्पोर्ट्स ने महेला जयवर्धने बनाया क्रिकेट निदेशक

समूह की सभी क्रिकेट फ्रैंचाइजियों का कामकाज देखेंगे

नई दिल्ली। जीएमआर स्पोर्ट्स ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने को नया क्रिकेट निदेशक बनाया है। इससे अब जयवर्धने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रैंचाइजी, आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव सहित समूह की सभी क्रिकेट फ्रैंचाइजियों का कामकाज देखेंगे।



जीएमआर स्पोर्ट्स के क्रिकेट टीम पोर्टफोलियो में, जयवर्धने क्रिकेट ऑपरेशन, टैलेंट की पहचान, खिलाड़ी विकास और प्रदर्शन प्रबंधन के लिए रणनीतिक दिशा प्रदान करेंगे। वे हर फ्रैंचाइजी में लीडरशिप, हेड कोच और क्रिकेट मैनेजमेंट टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। समूह की टीमों के बीच ज्ञान, विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए वह हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर जाइल्स व्हाइट के साथ भी बात करेंगे। समन्वय स्थापित करेंगे।

यह नियुक्ति दिल्ली कैपिटल्स के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। टीम ने लीग शुरू होने के बाद से सभी चार संस्करणों के फाइनल में जगह बनाई है। हालांकि, टीम अब तक खिताब जीतने में नाकाम रही है। जयवर्धने की विशेषज्ञता से उम्मीद है कि टीम इस बार खिताबी सूखे को खत्म कर पाएगी उन्हें नियुक्ति करने का मुख्य लक्ष्य दिल्ली कैपिटल्स को खिताब जिताना है, जो अब तक हर बार उपविजेता रही है। वहीं अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित जयवर्धने ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स की एक मजबूत पहचान है और महिला क्रिकेट के भविष्य के लिए एक रोमांचक विजन है। मुझे डब्ल्यूपीएल टीम के लिए क्रिकेट निदेशक की भूमिका निभाने को लेकर खुशी हो रही है। मेरा ध्यान टीम को बेहतर बनाने, प्रदर्शन में ज्यादा निरंतरता लाने और यह सुनिश्चित करने पर होगा कि हम लगातार बेहतर होते रहें और टाइटल के लिए मुकाबला करते रहें। जयवर्धने हाल ही में मुंबई इंडियंस के हेड कोच का अपना रोल छोड़ चुके हैं, जिनकी कोचिंग में एमआई ने तीन बार आईपीएल का खिताब जीता था। वह एमआई के ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस भी थे, जहां उन्होंने अलग-अलग लीग में फ्रैंचाइजी टीमों में क्रिकेट ऑपरेशन देखे।

शोएब अख्तर के बोतल के ढक्कन वाले बयान से क्रिकेट जगत में खलबली

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने क्रिकेट जगत में खलबली मचाने वाला एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि उनके खेलने के दिनों में पाकिस्तानी टीम गेंद की स्थिति बदलने के लिए सैंडपेपर का नहीं, बल्कि बोतल के ढक्कनों का इस्तेमाल करती थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के उस दावे का भी समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने 2018 के ऑस्ट्रेलियाई बॉल टैंपरिंग विवाद को लेकर कहा था कि यह केवल तीन खिलाड़ियों तक सीमित नहीं रहा होगा। शोएब अख्तर ने एक बातचीत के दौरान यह खुलासा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गेंद की हालत बदलने जैसी चीजें किसी एक या दो खिलाड़ियों के स्तर पर नहीं होतीं, बल्कि टीम के बाकी सदस्यों को भी इसकी पूरी जानकारी होती है। अख्तर ने बताया कि इंग्लैंड में खेलते समय उनकी टीम बोतल के ढक्कनों से गेंद की स्थिति बदलती थी। उन्होंने कहा कि उस समय गेंद के साथ कई तरह की चीजें की जाती थीं क्योंकि रिवर्स स्विंग हासिल करना टीम के लिए बेहद जरूरी होता था और अगर गेंद रिवर्स स्विंग नहीं करती, तो मैच जीतना मुश्किल हो जाता था।

अख्तर ने यह भी कहा कि उस्मान ख्वाजा ने जो बात कही है, उसमें दम है। अख्तर का कहना है कि गेंद से छेड़छाड़ जैसा फैसला केवल कुछ खिलाड़ियों का निजी फैसला नहीं हो सकता; ड्रेसिंग रूम में इस तरह की गतिविधियों की जानकारी पूरी टीम को रहती है। उस्मान ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा सब में 2018 के सैंडपेपर विवाद को लेकर कई अहम बातें कही हैं। उन्होंने दावा किया था कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उस टेस्ट मैच में गेंद से छेड़छाड़ की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। ख्वाजा की इस बात का समर्थन करते हुए अख्तर ने कहा कि टीम में इस तरह का काम कुछ खिलाड़ियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। हालांकि, अख्तर ने इस विवाद को दोबारा उठाए जाने के समय पर सवाल भी किया।

पीएसएल टीम मालिक की आर्थिक बदहाली : आईपीएल से मुकाबला असंभव, टीम बेचने पर मजबूर

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एक ओर तो बड़े-बड़े दावे करता है और अपनी पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) के जरिये भारत की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को टक्कर देने की बात करता है। वहीं वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। इसका अंदाज पीएसएल फ्रैंचाइजी क्वेटा ग्लैडिएटर्स के मालिक नदीम उमर के बयान से लगाया जा सकता है। उमर अपनी फ्रैंचाइजी की आर्थिक बदहाली से परेशान होकर इसे बेचना चाहते हैं।



उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि व्यावसायिक रूप से पीएसल कहीं से भी आईपीएल के सामने नहीं टिकती। उमर का यह बयान ऐसे समय आया है जब पीसीबी ने अगले साल पीएसएल को आईपीएल के दौरान, यानी मार्च और मई के बीच, आयोजित करने का फैसला किया है। इसी को लेकर उमर का मानना है कि पीएसएल में टीम खरीदन उनके और अन्य टीमों के मालिकों के लिए नुकसानदेह रहा है, इसी कारण कई टीम मालिक टूर्नामेंट से दूरी बनाने लगे हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई सही प्रस्ताव मिलता है और शर्तों के अनुरूप होता है, तो मैं क्वेटा ग्लैडिएटर्स टीम बेचने के लिए तैयार हैं। पीएसएल की यह स्थिति आईपीएल से बिलकुल उलट है जहां बढ़ते बाजार मूल्य के के कारण हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों को नए मालिक मिले हैं, जो निवेशकों की गहरी दिलचस्पी को दर्शाता है। वहीं उमर का अभी तक कोई खरीददार नहीं मिला है। कराची शहर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष भी रहे हैं। उमर ने कहा कि आईपीएल से मुकाबला करने की कोशिश करना ही एक गलती थी। उन्होंने कहा, हम आईपीएल या उनके बाजार का मुकाबला नहीं कर सकते। उनकी तुलना में हमारा बाजार काफी सीमित है। हमारे पास ऐसे प्रायोजक भी नहीं हैं जो पीएसएल में उस तरह पैसा लगा सकें जैसा आईपीएल में लगाया जा रहा है। उन्होंने आईपीएल की अपार कमाई का जिक्र करते हुए बताया कि वहां टिकटों की बिक्री, टीमों से जुड़े सामान (मर्चेंडाइज) और प्रसारण अधिकारों से भारी राजस्व मिलता है, जो पीएसएल के लिए एक दूर का सपना है। उमर ने पाकिस्तान के घरेलू बाजार से जुड़ी एक और बड़ी समस्या पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया, पाकिस्तान में हमने टीम की आधिकारिक जर्सी का दाम पाकिस्तानी रुपये में एक हजार रुपये रखा, लेकिन उसकी नकली कॉपी दो सौ रुपये में आसानी से मिल जाती है। इससे हमारी कमाई बुरी तरह प्रभावित होती है। यह चुनौती दर्शाती है कि पाकिस्तानी बाजार में खेल फ्रैंचाइजी के लिए राजस्व जुटाना कितना मुश्किल है, खासकर जब अवैध प्रतिकृतियां मुख्य आय स्रोतों को प्रभावित करती हैं। यह विडंबना ही है कि वित्तीय चुनौतियों से जूझ रही क्वेटा ग्लैडिएटर्स टीम ने पीएसएल में काफी सफल प्रदर्शन किया है। टीम ने चार बार फाइनल खेला है और एक बार प्रतिष्ठित ट्रॉफी भी जीती है। इसके बावजूद, मैदान पर मिली यह सफलता मालिक को हो रहे आर्थिक नुकसान की भरपाई नहीं कर पा रही है, जिससे उन्हें अंततः टीम बेचने का कठोर निर्णय लेना पड़ा है।

कमिंस को सैंडपेपरगेट पर चेतावनी- भारत में उठेंगे सवाल

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज मैथ्यू हैडन ने पैट कमिंस को भारत दौरे पर 2018 के सैंडपेपरगेट विवाद से संबंधित सवालों का सामना करने के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। उनका मानना है कि यदि कमिंस इस मुद्दे पर चुप रहते हैं, तो इसका असर टीम के प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, कमिंस ने इस विवाद पर अपनी यादें साझा की थीं, लेकिन बाद में उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि वे इस विषय पर आगे कोई सवाल नहीं लेंगे। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में उनसे ऐसे सवाल जरूर पूछे जाएंगे, और उनका जवाब न देना भारतीय मीडिया व विरोधी टीम को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को असहज करने का मौका देगा। विशेषज्ञों के अनुसार, कमिंस के इस रुख से साथी खिलाड़ी उस्मान ख्वाजा को भी मुश्किल में डाल दिया है, क्योंकि इस मुद्दे से उनकी दोस्ती और उस दौरान के व्यक्तिगत संबंध जुड़े हैं। यह मुद्दा ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम के लिए एक बड़ा संवेदनशील विषय बना हुआ है। यदि कोई वास्तव में ऑस्ट्रेलियाई टीम की असहज करना चाहता है, तो इस मुद्दे को लगातार उठने से तुरंत प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी, जिसमें खिलाड़ियों का जवाब होगा कि वे इस सवाल का जवाब नहीं देंगे।

जानकारों का मानना है कि गेंद से छेड़छाड़ के विवाद की सच्चाई सामने लाने के लिए एक निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए, ताकि प्रत्येक खिलाड़ी को अपना पक्ष रखने का मौका मिल सके। चाहे यह प्रक्रिया क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के माध्यम से हो या किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी के जरिए, कुछ खास सवाल पूछने होंगे और यह देखना होगा कि क्या आगे जांच की जरूरत है। इसके बाद एक स्पष्ट दायरे और समी के लिए निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ना चाहिए। जब तक ईमानदारी और भरोसे को लेकर सवाल बने रहेंगे, तब तक सुलह संभव नहीं है। इस पूरी प्रक्रिया की जिम्मेदारी किसी को लेनी होगी।

बिना खेले पाकिस्तान को मिली ट्रॉफी तो भारत ने किया प्राइज सेरेमनी का बॉयकॉट

ढाका। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के मैदान पर होने वाले मुकाबले हमेशा चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार मैदान पर एक भी गेंद फेंके बिना ही बड़ा विवाद खड़ा हो गया। पुरुष ब्लाइंड एशिया कप 2026 के फाइनल में बारिश ने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर पानी फेर दिया। इसके बाद टूर्नामेंट आयोजकों ने पाकिस्तान को चैंपियन घोषित कर दिया, जिससे भारतीय टीम और क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया ने कड़ी नाराजगी जताई। विरोध में भारतीय खिलाड़ियों ने प्राइज सेरेमनी में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया, जबकि पाकिस्तान की टीम ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के अन्दिर क्रिकेट स्टेडियम-एबीजी स्पोर्ट्स सिटी में भारत और पाकिस्तान के बीच ब्लाइंड एशिया कप का फाइनल खेला जाना था। दोनों टीमों के बीच खिताबी मुकाबले को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन लगातार बारिश के कारण मैच शुरू ही नहीं हो सका और मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इसके बाद आयोजकों ने रूप स्टेज की अंक तालिका को आधार बनाते हुए पाकिस्तान को टूर्नामेंट का विजेता घोषित कर दिया। पाकिस्तान की टीम रूप स्टेज में अपने तीनों मुकाबले जीतकर छह अंकों के साथ पहले स्थान पर रही थी। वहीं, भारतीय टीम ने तीन में से दो मैच जीते थे और चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। इसी अंतर के आधार पर पाकिस्तान को चैंपियन घोषित किया गया।

हालांकि, भारतीय टीम को यह फैसला मंजूर नहीं हुआ। भारतीय खेमे का मानना था कि जब फाइनल मुकाबला बारिश के कारण नहीं खेला जा सका, तो दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाना चाहिए था। पाकिस्तान को अकेले विजेता घोषित किए जाने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अपना विरोध दर्ज कराया। पूरी टीम ने ट्रॉफी वितरण समारोह में शामिल नहीं होने का फैसला किया। दूसरी तरफ पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने ट्रॉफी उठाकर जीत का जश्न मनाया। इस पूरे विवाद के बीच भारतीय टीम और टूर्नामेंट अधिकारियों के बीच बहस के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें अधिकारियों के साथ विवाद होता दिखाई दे रहा है।

नेपाल को रौंदा : अब पाकिस्तान को धूल चटाने की बारी

306 रन से जीत के बाद दहाड़े तिलक वर्मा

नई दिल्ली । इंडिया-ए की टीम ने नेपाल को 306 रनों के बड़े अंतर से हराकर एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का धमाकेदार आगाज किया। इस जबरदस्त जीत के बाद अब टीम इंडिया को नजरें पाकिस्तान ए के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले पर हैं, जो 22 नवंबर को खेला जाएगा। नेपाल के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद दोनों से दमदार प्रदर्शन किया। पहले भारत ने कुमार कुशाग्र और कप्तान तिलक वर्मा की शतकीय पारियों से 332 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके बाद प्रिंस यादव और हर्षित यादव ने मिलकर नेपाल को सिर्फ 26 रन पर ही समेट दिया। इस जीत के बाद इंडिया-ए के कप्तान तिलक वर्मा ने अपनी बल्लेबाजी, पिच की चुनौती और टीम के प्रदर्शन को लेकर अहम बातें साझा कीं। तिलक ने कहा कि नेपाल के खिलाफ मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों के सामने रन बनाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने और कुमार कुशाग्र ने जिस तरह से जिम्मेदारी संभाली, उससे वह काफी खुश हैं। अब पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को लेकर भी उनका फोकस टीम की बुनियादी रणनीति पर है। नेपाल के खिलाफ मुकाबले में तिलक वर्मा ने अपनी पारी को लेकर संतुष्टि जताई। उन्होंने कहा कि टीम ने मैदान पर अच्छा प्रदर्शन किया और वह अपनी बल्लेबाजी से काफी खुश हैं। हालांकि, उन्होंने पिच को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि यहां आसानी से रन बनाना संभव नहीं था। तिलक ने कहा, आज हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। मैं अपनी बल्लेबाजी से बहुत खुश हूं। विकेट थोड़ा चुनौतीपूर्ण था और यहां रन बनाना आसान नहीं था, लेकिन मैंने और कुमार ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उससे मुझे काफी गर्व है।



तिलक वर्मा ने अपनी और कुशाग्र की साझेदारी को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि दोनों बल्लेबाजों के बीच लगातार इस बात पर चर्चा हो रही थी कि पिच पर नया बल्लेबाज आते ही आसानी से रन नहीं बना पाएगा। इसलिए दोनों ने ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहने का फैसला किया। दोनों के बीच 206 रन की बड़ी साझेदारी हुई। तिलक ने कहा, मैं और कुमार आपस में चर्चा कर रहे थे कि जो नया बल्लेबाज क्रीज पर आएगा, उसके लिए यहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा। इसलिए हम दोनों चाहते थे कि अपनी साझेदारी को जितना हो सके, उतना लंबा लेकर जाएं।

तिलक वर्मा ने पारी के आखिर में सूर्यांश शेडगे के प्रदर्शन की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि जिस तरह सूर्यांश ने पारी का अंत किया, वह देखने लायक था। उन्होंने सूर्यांश की गेंदबाजी की भी अहम सराहना। चोट से वापसी करने के बाद जिस तरह उन्होंने गेंदबाजी में योगदान दिया, उससे तिलक काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा, चोट से वापसी करने के बाद इस तरह गेंदबाजी करना टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान ए के खिलाफ मैच को लेकर तिलक वर्मा ने किसी तरह का अतिरिक्त दबाव दिखाने के बजाय सामान्य रणनीति पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने साफ किया कि टीम का फोकस अपनी बुनियादी चीजों को सही रखने पर होगा। तिलक ने कहा, हम बस अपनी बुनियादी चीजों पर ध्यान देना चाहते हैं। हमारे लिए यह भी एक और मैच की तरह ही है। ऐसे में अब सबकी निगाहें पाकिस्तान ए के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर हैं।

15-19 साल की उम्र में मां बन रहीं बेटियां

-आदिवासी अंचलों में बाल विवाह की कड़वी हकीकत

भोपालद्ध। जिस उम्र में बेटियों के हाथों में किताबें होनी चाहिए, उस उम्र में उनके हाथ पीले किए जा रहे हैं। जिस उम्र में उन्हें पढ़ना-लिखना, अपना भविष्य संवारना और आत्मनिर्भर बनना चाहिए, उस उम्र में वे मां बनने की जिम्मेदारी उठा रही हैं। मध्यप्रदेश के आदिवासी अंचलों में बाल विवाह और किशोरावस्था में मातृत्व की स्थिति चिंताजनक तस्वीर पेश कर रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) की जिला स्तरीय रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में 15 से 19 वर्ष की उम्र की 5.6 प्रतिशत लड़कियां मां बन चुकी हैं या सर्वे के दौरान गर्भवती थीं। आदिवासी बहुल झाबुआ में यह आंकड़ा 21.9 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यानी चार में से एक से अधिक किशोरियां इस स्थिति से गुजर रही हैं। प्रदेश में बाल विवाह के खिलाफ वर्षों से चल रहे प्रयासों के बावजूद कई जिलों में स्थिति सुधरने के बजाय बिगड़ी है। कहीं परंपरा के नाम पर कम उम्र में बेटियों की शादी कराई जा रही है तो कहीं सामाजिक दबाव और जागरूकता की कमी उनके बचपन और भविष्य पर भारी पड़ रही है। विवाह समारोहों का नया सीजन शुरू होने से पहले राज्य सरकार ने बाल विवाह रोकने के लिए लाडो अभियान शुरू किया है। इसके तहत गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक विवाह आयोजनों पर निगरानी रखी जाएगी। आयोजकों से बाल विवाह नहीं होने देने का शपथ पत्र भी लिया जाएगा।



आदिवासी जिलों में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि किशोरावस्था में गर्भधारण के मामले प्रदेश के आदिवासी बहुल जिलों में सबसे अधिक हैं। झाबुआ 21.9 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है। अलीराजपुर में 17.7 प्रतिशत, बड़वानी में 12.7 प्रतिशत और धार में 11.4 प्रतिशत किशोरियां 15 से 19 वर्ष की उम्र में गर्भवती मिलीं या मां बन चुकी थीं। अन्य जिलों में भी स्थिति चिंताजनक है। आगर-मालवा और सिंगरौली में यह आंकड़ा 10.1 प्रतिशत, श्योपुर में 8.6, गुना में 8.5, खरगोन में 8.3 और देवास में 8.2 प्रतिशत है। टीकमगढ़, नीमच, रतलाम, सागर, शिवपुरी और नरसिंहपुर में भी 7.2 से 7.9 प्रतिशत किशोरियां इस श्रेणी में मिलीं। बुरहानपुर, मुरैना और दमोह में आंकड़ा 6.1 से 6.5 प्रतिशत के बीच है। छिंदवाड़ा, अशोकनगर, मंडला और शाजापुर में यह 5.2 से 5.7 प्रतिशत है। बड़े शहरों की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। उज्जैन में 3.8, इंदौर में 3.7, ग्वालियर में 3 और जबलपुर में 2.2 प्रतिशत किशोरियां गर्भवती मिलीं। रिपोर्ट में भोपाल और बालाघाट में यह आयु वर्ग में गर्भधारण का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ।

सर्वेक्षण के मुताबिक प्रदेश में बाल विवाह के मामलों में कुल मिलाकर करीब तीन प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, लेकिन यह सुधार सभी जिलों में समान नहीं है। राजधानी भोपाल में बाल विवाह के मामलों में एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। राजगढ़ में छह प्रतिशत, मंदसौर में करीब सात प्रतिशत, नीमच में पांच प्रतिशत और ग्वालियर में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी सामने आई है। यह स्थिति बताती है कि केवल प्रदेश स्तर पर आंकड़ों में सुधार से समस्या खत्म नहीं हो रही है। कुछ क्षेत्रों में बाल विवाह की सामाजिक स्वीकार्यता और परंपरागत मान्यताएं अब भी बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य के रास्ते में बाधा बनी हुई हैं। बाल विवाह के मामलों पर लंबे समय से काम कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अर्चना सहाय के मुताबिक, प्रदेश के कुछ जिलों में परंपरा के नाम पर बेटियों की कम उम्र में शादी कराई जा रही है। मंदसौर और नीमच जैसे क्षेत्रों में लगातार प्रयासों के बावजूद बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। बुंदेलखंड के कुछ जिलों में भी ऐसी ही स्थिति है। उनका कहना है कि कम उम्र में विवाह के बाद किशोरियों के गर्भवती होने का खतरा बढ़ जाता है।

शहीद जवान पवन की अंतिम विदाई में रोया पूरा गांव

-शहीद की पत्नी बोलीं- शेर की तरह थे मेरे पति हमेशा साथ रहेंगे

देवास। जम्मू-कश्मीर में डयूटी के दौरान ऊंचाई से गिरकर जान गंवाने वाले सेना के जवान पवन यादव का पार्थिव शरीर 20 नवंबर को उनके पैतृक गांव पीलाया जागीर पहुंचा। जैसे ही तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, पूरे इलाके में मातम छा गया। जवान की अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग जुटे। पुलिस और सेना के जवानों की मौजूदगी में उन्हें पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।

अंतिम विदाई से पहले का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पवन यादव की पत्नी शोभा यादव भावुक नजर आ रही हैं। पति के अंतिम दर्शन के दौरान उन्होंने अपने आंसू रोकते हुए कहा, पवन, तुम शेर हो। इसी के साथ ही उन्होंने कहा, मेरे पति तो शेर की तरह थे, हमेशा मेरे साथ रहेंगे। इसके बाद उन्होंने अपने पति को बार-बार सलाम किया और कहा कि उन्होंने मातृभूमि की सेवा में अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

पैतृक खेत में हुआ अंतिम संस्कार

पवन यादव के अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक खेत में इंतजाम किए गए थे। पंचायत की ओर से जेसीबी और रोटावेटर की मदद से खेत को समतल कराया गया। घर पर अंतिम दर्शन के बाद पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद सेना के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी। इस दौरान ग्रामीणों ने अमर रहे पवन यादव अमर रहे के नारे लगाए। अंतिम संस्कार के दौरान गांव व आस-पास का माहौल गमगीन रहा, लोग देशभक्ति और शोक में डूबे रहे।

अब हर शराब की बोतल की होगी 'कुंडली'

भोपाल। जहरीली शराब से हो रही मौतों और अवैध शराब के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने अब शराब की सप्लाई व्यवस्था पर शिकंजा कसने की तैयारी की है। प्रदेश में शराब की हर खेप की गुणवत्ता का हिसाब रखना अनिवार्य होगा। किस उत्पादन इकाई में शराब बनी, किस बैच की है और वह मानव उपभोग के योग्य है या नहीं, इसका प्रमाण भी साथ रखना होगा। यानी अब शराब की सप्लाई केवल स्टॉक और परमिट के भरोसे नहीं चलेगी, बल्कि हर खेप की गुणवत्ता की कसौटी से गुजरना होगा।

आबकारी विभाग ने 25 नवंबर से प्रदेशभर में यह व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत देशी और विदेशी शराब, स्पिरिट तथा बीयर की प्रत्येक खेप के साथ रासायनिक परीक्षण रिपोर्ट और मानव उपभोग योग्य होने का प्रमाण-पत्र देना अनिवार्य होगा। प्रमाण-पत्र के बिना पहुंचने वाली शराब को अलग रख दिया जाएगा। ऐसी खेप को न तो लाइसेंसी ठेकेदार को दिया जा सकेगा और न ही दूसरे भंडारगृह में भेजा जा सकेगा। आबकारी आयुक्त दीपक कुमार सक्सेना ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। विभाग का जोर अब शराब की गुणवत्ता की निगरानी को केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित रखने के बजाय उसे सप्लाई चेन का अनिवार्य हिस्सा बनाने पर है।



उत्पादन इकाई से ही शुरू होगी निगरानी

नई व्यवस्था में शराब की गुणवत्ता जांचने की जिम्मेदारी सबसे पहले विनिर्माण इकाई की होगी। प्रत्येक बैच का तय मानकों के अनुसार रासायनिक परीक्षण उत्पादन इकाई की प्रयोगशाला में कराया जाएगा। जांच में शराब के मानकों पर खरा उतरने और मानव उपभोग के योग्य पाए जाने के बाद ही उसे आगे सप्लाई करने की अनुमति मिलेगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शराब भंडारगृहों तक पहुंचने से पहले ही उसकी गुणवत्ता का रिकॉर्ड उपलब्ध रहे। यदि किसी खेप के साथ प्रमाण-पत्र नहीं मिलता है अथवा दस्तावेज अधूरे, अस्पष्ट या संदिग्ध पाए जाते हैं तो उसे दूसरे स्टॉक से अलग सुरक्षित रखा जाएगा। जांच और प्रमाणिकता सुनिश्चित हुए बिना उसका वितरण नहीं किया जा सकेगा।

दुकानदार भी मांग सकेंगे गुणवत्ता का हिसाब

नई व्यवस्था में फुटकर शराब दुकानदारों को भी गुणवत्ता से जुड़े दस्तावेज हासिल करने का अधिकार दिया गया है। यदि कोई दुकानदार संबंधित शराब की गुणवत्ता या उसके मानव उपभोग योग्य होने का प्रमाण मांगता है, तो भंडारगृह प्रभारी को उत्पादन इकाई से प्राप्त रासायनिक परीक्षण रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति उपलब्ध करानी होगी। इससे शराब की सप्लाई के दौरान किसी खेप की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने पर संबंधित दस्तावेजों के आधार पर जांच की जा सकेगी। विभाग का मानना है कि इससे मिलावटी और अमानक शराब की सप्लाई पर निगरानी मजबूत होगी।

ई-आबकारी पोर्टल पर दर्ज होगा पूरा रिकॉर्ड

सिर्फ कागजों में प्रमाण-पत्र रखना पर्याप्त नहीं होगा। हर खेप के साथ प्राप्त गुणवत्ता प्रमाण-पत्र को ई-आबकारी पोर्टल पर अपलोड करना भी अनिवार्य किया गया है। यानी किस भंडारगृह में किस बैच की शराब आई और उसके साथ कौन-सी जांच रिपोर्ट मिली, इसका डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। जिला आबकारी अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के सभी भंडारगृहों में इस व्यवस्था का पालन सुनिश्चित कराने और नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन प्रमाण-पत्र शराब की आमद या आदेशों की अनदेखी मिलने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी और लाइसेंसधारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मौतों के बाद विभाग पर बढ़ा था दबाव

प्रदेश में जहरीली शराब से मौतों के लगातार सामने आते मामलों ने आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। सिवंबर में सागर जिले के बंडा में जहरीली शराब पीने से करीब 40 लोगों की मौत होने का मामला सामने आया था। इसके बाद अक्टूबर में देवास में भी जहरीली शराब से मौतों की घटनाओं ने सरकार और विभाग की मुश्किलें बढ़ा दीं। इससे पहले मुरैना में 2022 और उज्जैन में भी जहरीली शराब से मौतों के मामले सामने आ चुके हैं। इन घटनाओं के बाद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ आबकारी विभाग के मैदानी अमले पर भी कार्रवाई हुई थी। इसके बावजूद अवैध शराब की बिक्री और उसकी गांवों तक पहुंच रोकने की चुनौती बनी हुई है। अब विभाग ने शराब की गुणवत्ता को लेकर जवाबदेही तय करने के लिए सप्लाई के हर चरण का रिकॉर्ड रखने का रास्ता चुना है। हालांकि, नई व्यवस्था की असली परीक्षा इसके जमीनी क्रियान्वयन में होगी। उत्पादन इकाइयों की जांच कितनी विश्वसनीय रहती है, प्रमाण-पत्रों का सत्यापन कैसे होता है और भंडारगृहों से दुकानों तक निगरानी कितनी प्रभावी रहती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

लीकेज हुआ तो नलों तक पहुंच सकता है सीवर का पानी

भोपाल। राजधानी के लाखों लोगों तक पहुंचने वाले पेयजल नेटवर्क की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर में करीब 230 किलोमीटर लंबी पेयजल पाइपलाइन ऐसी मिली हैं, जिनके आसपास सीवर की लाइनें बिछी हुई हैं। कई स्थानों पर दोनों पाइपलाइनों के बीच महज दो से तीन मीटर का अंतर है। ऐसे में यदि पेयजल लाइन में लीकेज या दरार आती है तो सीवर का दूषित पानी उसमें मिलकर घरों तक पहुंच सकता है। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई त्रासदी के बाद प्रदेशभर में पेयजल और सीवर नेटवर्क का सर्वे कराया गया था। भोपाल में हुए सर्वे में यह स्थिति सामने आई। नगर निगम ने खतरे को कम करने के लिए पाइपलाइन शिफ्टिंग का काम शुरू किया है, लेकिन अब तक करीब 22 किलोमीटर लाइन ही शिफ्ट हो पाई है। शेष करीब 200 किलोमीटर नेटवर्क की सुरक्षित करने की चुनौती है। निगम ने अगले साल तक यह काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

15-20 साल पहले बिछीं लाइनें, बाद में आसपास पहुंचा सीवर नेटवर्क

शहर में पेयजल और सीवर लाइनों के एक-दूसरे के करीब आने की वजह पुराने नेटवर्क का विस्तार है। करीब 15 से 20 साल पहले कई इलाकों में पेयजल पाइपलाइन बिछाई गई थीं। उस समय इन क्षेत्रों में सीवर नेटवर्क मौजूद नहीं था। बाद में आबादी बढ़ने, नई कॉलोनियां विकसित होने और सीवरेज व्यवस्था के विस्तार के साथ उन्हीं रास्तों के आसपास सीवर लाइनें भी बिछा दी गईं। इसका नतीजा यह हुआ कि कई स्थानों पर दोनों नेटवर्क समानांतर हो गए। कुछ जगह इनके बीच दूरी महज दो से तीन मीटर रह गई है। पुरानी पाइपलाइन में जंग, दरार या किसी अन्य कारण से लीकेज होने पर दूषित पानी पेयजल लाइन तक पहुंचने की आशंका रहती है। खासकर तब, जब पाइपलाइन में दबाव कम हो या आसपास की जमीन में दूषित पानी का रिसाव हो।

भोपाल में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर चिंता वैशाली नगर में पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया मिलने के मामले के बाद और बढ़ गई है। इस घटना ने जलापूर्ति व्यवस्था के साथ पाइपलाइनों की सुरक्षा और नियमित जांच की जरूरत को भी सामने ला दिया है। ई-कोलाई की मौजूदगी पानी में मलजनित संदूषण का संकेत हो सकती है। ऐसे में केवल टंकियों और नलों से पानी के नमूने लेकर जांच करना पर्याप्त नहीं होगा। उन संभावित स्रोतों की भी खतम करना जरूरी है, जहां से दूषित पानी पेयजल नेटवर्क में प्रवेश कर सकता है। सीवर और पेयजल लाइनों के बीच कम दूरी इसी तरह का जोखिम पैदा करती है।

230 किमी नेटवर्क में से 22 किमी की शिफ्टिंग

नगर निगम के जलकार्य विभाग ने सर्वे में चिह्नित करीब 230 किलोमीटर संवेदनशील पेयजल पाइपलाइन की सुरक्षित करने की योजना बनाई है। पहले चरण में अलग-अलग जोन में 22 किलोमीटर लाइन शिफ्ट की जा चुकी है। शेष करीब 200 किलोमीटर पाइपलाइन का काम अगले साल तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके साथ ही 15 साल से अधिक पुरानी पाइपलाइनों को भी उनकी स्थिति और क्षेत्र की जरूरत के अनुसार बदलने की योजना पर काम किया जा रहा है। निगम का जोर उन स्थानों पर है, जहां पेयजल और सीवर नेटवर्क के बीच दूरी कम है और लीकेज होने पर पानी दूषित होने की आशंका ज्यादा है।

इन इलाकों में शिफ्ट की गई पाइपलाइन

पहले चरण में शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पेयजल पाइपलाइन दूसरी जगह शिफ्ट की गई हैं। इनमें रामनगर, दुर्गा नगर, इंदराज हिल्स, शाहजहांनाबाद, टीला जमालपुरा, नेहरू नगर, कोटरा सुल्तानाबाद, जहांगीराबाद, गुलमोहर, बावड़िया कलां, बरखेड़ा पठानी, सोनागिरी और दामखेड़ा शामिल हैं। जोनवार आंकड़ों में जोन-2 में सबसे ज्यादा 4005 मीटर पाइपलाइन शिफ्ट की गई है। इसके बाद जोन-8 में 2940 मीटर और जोन-17 में 2061.25 मीटर पाइपलाइन शिफ्ट हुई है।

जोन शिफ्ट की गई पाइपलाइन

जोन-1 1326 मीटर
जोन-2 4005 मीटर
जोन-8 2940 मीटर
जोन-13 1554 मीटर
जोन-14 1435 मीटर
जोन-17 2061.25 मीटर

नगर निगम के उपलब्ध आंकड़ों में जोन-1 से 10 और जोन-13 से 21 तक पाइपलाइन शिफ्टिंग का विवरण दिया गया है। हालांकि जोन-11 और जोन-12 के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में पहले चरण में कुल कितनी पाइपलाइन शिफ्ट हुई और किस क्षेत्र में कितना काम बाकी है, इसकी पूरी जीनवार तस्वीर सामने नहीं आती।

सीएम हेल्पलाइन पर 3.76 लाख शिकायतें पेंडिंग, भोपाल सबसे फिसड्डी

भोपाल । आम लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-181 खुद शिकायतों के बोझ तले दबती नजर आ रही है। प्रदेश के 55 जिलों में इस समय 3 लाख 76 हजार 507 शिकायतें लंबित हैं। इनमें 1 लाख 11 हजार 377 शिकायतें ऐसी हैं, जिनका 50 दिन से अधिक समय बीतने के बाद भी निराकरण नहीं हो सका है। शिकायतों के निराकरण में भोपाल सबसे फिसड्डी साबित हुआ है, जबकि जबलपुर ने पहला स्थान हासिल किया है।

हैरानी की बात यह है कि एक ओर सरकार मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत हर शुक्रवार शिविर लगाकर लोगों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का अंबार लगातार बना हुआ है। इससे सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच अंतर साफ दिखाई दे रहा है। जिन लोगों ने विभागीय कार्यालयों में सुनवाई नहीं होने पर हेल्पलाइन का सहारा लिया, उन्हें भी अब समाधान के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

राजस्व विभाग में सबसे ज्यादा शिकायतें

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों के मामले में राजस्व विभाग सबसे आगे है। यहां 86 हजार 209 शिकायतें लंबित हैं। इनमें 30 हजार 906 शिकायतें 50 दिन से अधिक पुरानी हैं। दूसरे नंबर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग है, जहां 49 हजार 725 शिकायतें लंबित हैं। इनमें 11 हजार 404 शिकायतें 50 दिन से ज्यादा समय से अटकी हैं। गृह विभाग में 46 हजार 940, नगरीय विकास एवं आवास विभाग में 38 हजार 832 और ऊर्जा विभाग में 28 हजार 95 शिकायतें लंबित हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में 17 हजार 261 और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में 12 हजार 846 शिकायतों का निराकरण होना बाकी है। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में भी 10 हजार 172 शिकायतें लंबित हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरतों और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विभागों में ही शिकायतों का सबसे बड़ा ढेर लगा हुआ है।

महाविद्यालयों की अनुमति प्रक्रिया होगी ऑनलाइन, 7 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने महाविद्यालयों की स्थापना और नए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की अनुमति प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध और जवाबदेह बनाने के लिए नई ऑनलाइन व्यवस्था लागू की है। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार के निर्देश पर शुरू की गई यह व्यवस्था शैक्षणिक सत्र 2027-28 से प्रभावी होगी। इसके तहत अशासकीय नवीन महाविद्यालयों की स्थापना, नए संकाय, पाठ्यक्रम, विषय, उच्चतर कक्षाएं शुरू करने और निरंतरता संबंधी आवेदन ऑनलाइन किए जाएंगे।

विभाग के अनुसार, सत्रारंभ 19 नवंबर से 7 दिसंबर 2026 तक निर्धारित पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। आवेदन से लेकर प्रारंभिक परीक्षण, भौतिक निरीक्षण, अंतिम निर्णय और पुनर्विलोकन व अपील की प्रक्रिया तय समय-सीमा में पूरी की जाएगी।

नई व्यवस्था में भूमि संबंधी दस्तावेजों का डिजिटल सत्यापन अनिवार्य किया गया है। संस्थाओं को स्वामित्व दस्तावेज, खसरा अथवा बी-1 और नक्शा अपलोड करना होगा। भू-अभिलेख पोर्टल से सत्यापित प्रतियां प्रस्तुत करने से भूमि संबंधी दावों की विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। शुल्क जमा कर आवेदन लॉक करने के बाद संशोधन की अनुमति नहीं होगी।

आवेदनों का प्रारंभिक परीक्षण उच्च शिक्षा आयुक्त कार्यालय में नामांकित ओएसडी करेंगे। इसके बाद जिला कलेक्टर द्वारा गठित समिति भूमि और अन्य व्यवस्थाओं का भौतिक निरीक्षण करेगी। समिति में लीड कॉलेज, राजस्व विभाग के प्रतिनिधि और विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे।

अंतिम निर्णय के बाद पुनर्विलोकन और अपील की सुविधा भी ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी।

सांदीपनि विद्यालय रजेगांव के दो खिलाड़ी राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए रवाना

यश भोयर एवं वेदांत कौर ने संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का बढ़ाया गौरव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांदीपनि विद्यालय रजेगांव के प्रतिभाशाली खिलाड़ी यश भोयर एवं वेदांत कौर राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए आज डिंडोरी रवाना हुए। यह प्रतियोगिता 23 नवंबर से 26 नवंबर तक डिंडोरी में आयोजित की जा रही है। दोनों खिलाड़ी विद्यालय के संतोष मार्को के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे। उल्लेखनीय है कि संभाग स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में अंडर-14 आयु वर्ग के 40 किलोग्राम भार वर्ग में यश भोयर ने प्रथम स्थान तथा 44 किलोग्राम भार वर्ग में वेदांत कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर



राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया था।विद्यालय की खेल उपलब्धियों की बात करें तो खेल शिक्षिका श्रीमती बीना चौधरी के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विद्यालय के विद्यार्थियों ने खेल के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अब तक जिला स्तर पर 125, संभाग स्तर पर 56, राज्य स्तर पर 12 विद्यार्थी तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक विद्यार्थी चयनित होकर विद्यालय का गौरव बढ़ा चुके हैं।विद्यालय के विद्यार्थियों ने शतरंज, वॉलीबॉल, कराटे, कुश्ती, हैंडबॉल, सॉफ्टबॉल, एथलेटिक्स, पिट्ठू एवं थ्रीको-रोमन कुश्ती सहित विभिन्न खेलों में उल्लेखनीय सफलताएं अर्जित की हैं। इसी क्रम में विद्यालय के छात्र हिमांशु पाठक राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु शिरडी (महाराष्ट्र) में उपस्थित हैं। वहीं अंडर-19 राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में अंश खोबरागड़े एवं श्रेया कुंभे ग्वालियर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त 30 नवंबर को अंडर-19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु विद्यालय की छात्रा कशिश डोमने छतरपुर के लिए रवाना होगी।विद्यालय परिवार ने सभी खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी।विद्यालय की यह उपलब्धियां विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं खेलों के प्रति विद्यालय की सकारात्मक सोच और प्रोत्साहन का परिणाम हैं।

पोर्टल पर ऑल ओके, जमीनी हकीकत भयावह

एक साल में एमपी में 40 के पार पहुंचा बच्चों का ठिगनापन, सरकार आंकड़ों की बाजीगरी में व्यस्त- जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश में मातृ स्वास्थ्य और बाल कुपोषण की लगातार बिगड़ती स्थिति को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और बच्चों में कुपोषण एक गंभीर संकट का रूप ले चुका है, लेकिन सरकार जमीनी सुधार करने के बजाय केवल पोर्टल की रेटिंग और कागजी दावों की चमकाने में जुटी हुई है।

श्री पटवारी ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रदेश में कुपोषण कम होने के बजाय लगातार बढ़ रहा है।

संसद में प्रस्तुत आंकड़े(अक्टूबर 2025) केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में मध्यप्रदेश के 36.64 बच्चे उम्र के अनुपात में कम लंबाई , 23.25 बच्चे कम वजन और 8.45 बच्चे दुबलेपन के शिकार थे।

नवीनतम पोषण ट्रैकर आंकड़े (अक्टूबर 2026)-

महज एक साल के भीतर स्थिति और गंभीर हो गई है। अक्टूबर 2026 के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में ठिगनेपन की दर बढ़कर 40.72 और कम वजन की दर 23.30 तक पहुंच गई है (हालांकि दुबलेपन की दर 6.96 दर्ज की गई है)।

इससे पहले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (हस्र ।ब-5, 2019-21) में भी 5 वर्ष से कम उम्र के 35.7 बच्चे ठिगनेपन, 33 कम वजन, 19 दुबलेपन और 6.5 गंभीर दुबलेपन से प्रभावित पाए गए थे। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि करोड़ों के बजट के बावजूद जमीनी स्तर पर कुपोषण की चुनौती जस की तस बनी हुई है।

बालाघाट
रविवार 22 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

अब नही चलेगी गणवेश के नाम पर मनमानी

सर्दी में रंग-बिरंगे स्वेटर पहनने पर स्कूलों में नहीं रोका जाएगा बच्चों का रास्ता
अलग रंग-डिजाइन के गर्म कपड़े पहनकर स्कूल जा सकेंगे बच्चे
लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किए निर्देश, जूते-चप्पल उतरवाने पर भी लगाई रोक
मॉनिटरिंग नहीं होने से जिले में अक्सर बे- असर होता है आदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कड़ाके की ठंड में स्कूली बच्चों को अब निर्धारित गणवेश के रंग और डिजाइन के नाम पर परेशान नहीं किया जा सकेगा। सर्दी से बचने के लिए यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित यूनिफॉर्म से अलग रंग या डिजाइन का स्वेटर अथवा गर्म कपड़े पहनकर स्कूल पहुंचता है, तो उसे कक्षा में प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकेगा। इतना ही नहीं, ठंड के मौसम में बच्चों को कक्षा के बाहर जूते-चप्पल उतारने के लिए बाध्य करने पर भी रोक लगा दी गई है। लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश ने इस संबंध में प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं।कुल मिलाकर, कहे तो ठंड के मौसम में बच्चों को गर्म कपड़े पहनने की आजादी देने और गणवेश के नाम पर होने वाली अनावश्यक सख्ती पर अंकुश लगाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया गया है।दरअसल स्कूलों में गणवेश के नियमों के नाम पर विद्यार्थियों को परेशान किए जाने के मामले सामने आने के बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने सख्त रुख अपनाया है। संचालनालय द्वारा जारी आदेश में प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों तथा जनजातीय कार्य विभाग के जिला सहायक आयुक्तों एवं संयोजकों को निर्देशित किया गया है कि सर्दी के मौसम में विद्यार्थियों को निर्धारित यूनिफॉर्म से अलग रंग अथवा डिजाइन के स्वेटर और गर्म कपड़े पहनकर आने पर कक्षा में किसी भी स्थिति में नहीं रोका जाए।वही नियम का उलंघन करने वाले स्कूलों की शिकायत मिलने पर कार्यवाही की भी चेतावनी दी गई है



स्वेटर के रंग पर नहीं चलेगी स्कूलों की मनमानी

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कई विद्यालयों में विद्यार्थियों को निर्धारित यूनिफॉर्म के अलावा अलग रंग या डिजाइन के स्वेटर अथवा गर्म कपड़े पहनकर आने पर कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता। ऐसे मामलों की गंभीरता से लेते हुए, संचालनालय ने कहा है कि सर्दी के मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य और उनकी सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। यदि कोई विद्यार्थी ठंड से बचाव के लिए अपनी सुविधानुसार गर्म कपड़े पहनकर स्कूल आता है, तो उसे कक्षा में बैठने से वंचित नहीं किया जा सकता।

जूते-चप्पल उतरवाने पर भी रोक, स्वास्थ्य से खिलवाड़ नहीं

संचालनालय ने एक और महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा है कि ठंड के मौसम में विद्यार्थियों को उनके जूते-चप्पल कक्षा के बाहर उतारने के लिए बाध्य नहीं किया जाए। ऐसा करने से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। लिहाजा विद्यालय प्रबंधन बच्चों को कक्षा के बाहर जूते-चप्पल उतारने के लिए मजबूर नहीं कर सकेंगे।

हर साल आते हैं आदेश, आज तक नहीं हुई कार्यवाही

लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक एच.एस. कुशवाह द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इन निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाए। आदेश की प्रतिलिपि स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य शिक्षा केंद्र, संभागीय आयुक्तों, जिला कलेक्टरों और शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है।ज्ञात हो की यहा कोई पहल पहली बार आदेश जारी नहीं किए गए हैं बल्कि हर बार मौसम परिवर्तन के साथ लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा ऐसे आदेश जारी किए जाते हैं। जो इस साल भी सर्द मौसम को देखते हुए जारी किए गए हैं,लेकिन बात अगर बालाघाट जिले की करें तो बालाघाट जिले के निजी स्कूलों में जिम्मेदार मॉनिटरिंग ही नहीं करते,वही पालकगण भी शिकायत करने से डरते हैं इसीलिए निजी स्कूल संचालकों द्वारा मनमानी की जाती है और जबरन उन्हें स्कूल यूनिफॉर्म से मिलता जुलता या फिर निर्धारित दुकान से स्कूल का हॉलमार्क वाला स्वेटर, टोपा, ग्लब्स व अन्य गर्म कपड़े खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। जिसके चलते ऐसे आदेश बालाघाट जिले में अक्सर बे असर नजर आते हैं।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में ड्यूटी के दौरान वाहन चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कर्मचारियों को अंडरग्राउंड छोड़ने के बाद पार्किंग में बेहोशी की हालत में मिले धीरज मरावी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा मौत के कारणों का खुलासा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) मलाजखंड में रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान एक निजी कंपनी के वाहन चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक धीरज मरावी पिता छतरसिंह मेरावी 55 वर्ष ग्राम खुर्सीपार थाना मलाजखंड निवासी बताये गये है। ड्यूटी के दौरान बस की पार्किंग में चालक के बेहोशी की हालत में मिलने के बाद उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए थे। मलाजखंड पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक थी ड्यूटी

प्राप्त जानकारी के अनुसार धीरज मरावी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में संचालित निजी कंपनी आर.के.एम. में वाहन चालक के पद पर कार्यरत थे। उनके परिवार में पत्नी भगवती मेरावी, बेटा विकास मेरावी और बेटी रोशनी मेरावी हैं। बताया गया है कि 19 नवंबर की रात 10 बजे से 20 नवंबर की सुबह 6 बजे तक धीरज की रात्रिकालीन ड्यूटी निर्धारित थी। इसी के चलते वे निर्धारित समय पर ड्यूटी पर पहुंचे थे।

बस पार्किंग के दौरान बेहोशी की हालत में मिले

बताया जाता है कि 19 नवंबर की रात करीब 12 बजे धीरज मेरावी कर्मचारियों को बस से अंडरग्राउंड लेकर गए थे। वहां कर्मचारियों के उतरने के बाद सभी अपने-अपने कार्यों में लग गए। वहीं धीरज बस को पार्किंग में खड़ा करने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान बस को पार्किंग की प्रक्रिया पूरी नहीं होने से कर्मचारी कृष्णा श्रीरसागर और राजीव यादव वहां पहुंचे। उन्होंने देखा कि धीरज बस के अंदर बेहोशी की हालत में पड़े हुए हैं।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

धीरज को इस हालत में देखकर दोनों कर्मचारियों ने तत्काल उन्हें एचसीएल नॉर्थ पोर्टल पहुंचाया। वहां से एंबुलेंस की मदद से उन्हें एमसीपी अस्पताल मलाजखंड ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किए जाने की खबर मिलते ही परिवार के सदस्य भी अस्पताल पहुंच गए।

बेटे की रिपोर्ट पर पुलिस ने कायम किया मर्ग

इस घटना की सूचना मृतक के बेटे विकास मरावी ने मलाजखंड पुलिस थाने में दी। सूचना पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मृतक धीरज के शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया फिलहाल धीरज मरावी की मौत किन परिस्थितियों में हुई इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होने की संभावना है। मलाजखंड पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच में लिया है।

ट्रैक्टर खड़ा करने को लेकर दो पक्षों में मारपीट-दो घायल

खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम लावनी की घटना
दोनों पक्षों के छह लोगों पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम लावनी में घर के सामने सड़क पर ट्रैक्टर खड़ा करने और बैलगाड़ी के आवागमन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के एक-एक व्यक्ति घायल हो गए। घायलों में धुंदीलाल ठाकरे४५वर्ष और सत्य प्रकाश ठाकरे ३० वर्ष शामिल हैं। दोनों का उपचार खैरलांजी अस्पताल किया गया। मामले में खैरलांजी पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर कुल छह लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैलगाड़ी निकालने को लेकर हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार धुंदीलाल ठाकरे खेती-किसानी करते हैं जबकि सत्य प्रकाश ठाकरे किराना दुकान संचालित करते हैं। दोनों परिवारों के बीच पहले से अनबन चल रही है। धुंदीलाल ठाकरे ने आरोप लगाये है कि १९ नवंबर को सुबह करीब ९ बजे वह खेत से बैलगाड़ी लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान सत्य प्रकाश के घर के सामने सड़क पर ट्रैक्टर खड़ा था। उन्होंने सत्य प्रकाश से कहा कि बैल नए हैं और ट्रैक्टर देखकर चौंक सकते हैं, इसलिए ट्रैक्टर हटा लें। आरोप है कि इस बात पर सत्य प्रकाश ने विवाद करते हुए अश्लील गाली-गलौज शुरू कर दी और उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की। शोर सुनकर सत्य प्रकाश का भाई लोकेश ठाकरे और पिता दशरथ ठाकरे भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी मारपीट की। बाद में मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव किया। धुंदीलाल ने तीनों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

दूसरे पक्ष ने भी दर्ज कराई शिकायत

वहीं सत्य प्रकाश ठाकरे ने आरोप लगाया है कि घटना के समय वह घर के सामने बैठा था। तभी पड़ोसी धुंदीलाल ठाकरे बैलगाड़ी लेकर वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने सड़क पर ट्रैक्टर खड़ा होने से आवागमन में परेशानी होने की बात कही। इस पर सत्य प्रकाश ने ट्रैक्टर हटाने की बात कही लेकिन आरोप है कि धुंदीलाल ने अश्लील गाली-गलौज शुरू कर दी। मना करने पर धुंदीलाल ने उभारी से उसकी पीठ पर वार कर दिया। इसके बाद धुंदीलाल का भाई सोहनलाल ठाकरे और बेटा जितेंद्र ठाकरे भी मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए धमकी दी।खैरलांजी पुलिस ने धुंदीलाल ठाकरे की शिकायत पर सत्य प्रकाश ठाकरे, लोकेश ठाकरे और दशरथ ठाकरे के विरुद्ध तथा सत्य प्रकाश ठाकरे की शिकायत पर धुंदीलाल ठाकरे, सोहनलाल ठाकरे और जितेंद्र ठाकरे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज किया है। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

ट्रक की टक्कर से जननी एक्सप्रेस क्षतिग्रस्त-मरीज और चालक सुरक्षित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजेगांव तिराहे स्थित नेहरू चौक पर 20 नवंबर की दोपहर करीब 2 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने जननी एक्सप्रेस को टक्कर मार दी। हादसे में एंबुलेंस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया जबकि उसमें सवार मरीज, दो अटेंडर और एंबुलेंस चालक सुरक्षित रहे। इस मामले में किरनापुर पुलिस ने ट्रक क्रमांक एमपी 50 एच 2152 के चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कनकी थाना लालबर्रा निवासी अरबाज कुरैशी जननी एक्सप्रेस का संचालन करते हैं। 20 नवंबर को दोपहर में वे बालाघाट से एक मरीज और उसके दो अटेंडरों को लेकर भानेगांव जा रहे थे। इसी दौरान करीब 2 बजे जब उनकी एंबुलेंस ग्राम रजेगांव तिराहे के नेहरू चौक पर पहुंची तभी किरनापुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने एंबुलेंस को जोरदार टक्कर मार दी।ट्रक की टक्कर से जननी एक्सप्रेस का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में चालक अरबाज कुरैशी, मरीज और दोनों अटेंडरों को कोई चोट नहीं आई।घटना के बाद एंबुलेंस चालक अरबाज कुरैशी ने किरनापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने ट्रक क्रमांक एमपी 50 एच 2152 के चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 324(4) एवं मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट